वर्ष : 17 अंक : 230 मूल्य : 02 रुपया मात्र पृष्ठ : 08

LKS

दैनिक लोकतंत्र की शान

WWW.LKSTV.IN

दिल्ली से प्रकाशित बुधवार 10 जून 2026 लोकतंत्र का स्तंभ

शोकसभा में जुटे लोगों पर पाक सेना ने बरसाईं गोलियां, 27 की मौत, 200 घायल

पीओके में मौजूदा अशांति की जड़ 2025 में हुआ 'मुजफ्फराबाद समझौता' है

एजेंसी। रावलकोट

पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में हालात बेकाबू हो गए हैं। यहां एक प्रदर्शनकारी की शोकसभा में जुटे लोगों पर पाकिस्तानी सेना ने ताबड़तोड़ गोलिया बरसाईं। इस कार्रवाई में 27 लोगों की मौत हो गई है और 200 से ज्यादा घायल हो गए हैं। इलाके में 9 जून को बंद के ऐलान और विरोध प्रदर्शनों के दौरान हिंसा भड़कने के बाद जम्मू-कश्मीर जॉइंट अवामी एक्शन कमेटी (जेएएसी) ने पाकिस्तान की सेना और सुरक्षा बलों पर गंभीर आरोप लगाए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक संगठन का दावा है कि रावलकोट में प्रदर्शनकारियों और शोकसभा में शामिल लोगों पर लिए गए एक्शन में 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इसके अलावा 100 से ज्यादा लोगों को हिरासत में लिया गया है और कई लोगों के लापता होने का भी आरोप है। जेएएसी के मुताबिक यह शोकसभा शाहज़ैब हबीब नाम के एक प्रदर्शनकारी के अंतिम संस्कार के लिए रखी गई थी। संगठन का आरोप है कि शाहज़ैब की मौत पाकिस्तान रेंजर्स की गोलीबारी में हुई थी उसके अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे, तभी सुरक्षा बलों ने गोलिया चलानी शुरू कर दी और हालात हिंसक हो गए। जेएएसी के सीनियर लीडर शौकत नवाज मीर ने आरोप लगाया है कि पाकिस्तान की सुरक्षा एजेंसियों को अवामी एक्शन कमेटी के सदस्यों पर सीधे गोली चलाने के आदेश दिए गए। उन्होंने कहा कि ऐसे आदेश हैं कि जेएएसी के मेंबर जहां भी दिखाई दें, उन पर सीधे फायरिंग की जाए। मीर ने पाकिस्तानी सेना पर आम नागरिकों और कश्मीरी जनता को निशाना बनाने का आरोप लगाया है। हालांकि पाकिस्तान सरकार या सेना की ओर से इन आरोपों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। बता दें पीओके में मौजूदा अशांति की जड़ अक्टूबर 2025 में हुआ 'मुजफ्फराबाद समझौता' माना जा रहा है। यह समझौता पाकिस्तान सरकार, पीओके प्रशासन और जेएएसी के बीच पिछले साल हुए हिंसक आंदोलनों के बाद हुआ था। उस समय लगातार विरोध प्रदर्शनों और आर्थिक संकट के बीच सरकार ने कई महत्वपूर्ण मांगों को स्वीकार करने का वादा किया था। उस समय इस समझौते को पीओके में लंबे समय से चली आ रही आर्थिक और राजनीतिक शिकायतों के समाधान की दिशा में एक बड़ी सफलता माना था।

बीच सड़क पर खड़े ट्रक से भिड़ी मिनीबस, 7 भारतीयों की मौत

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर से एक बेहद दर्दनाक खबर सामने आई है, जहां सोमवार को एक भीषण सड़क हादसे में 7 भारतीय कामगारों की मौत हो गई। यह दुर्घटना तब हुई जब बीच सड़क पर अचानक एक ट्रक के खड़े होने से पीछे से आ रही तेज रफ्तार मिनीबस उससे जोरदार तरीके से टकरा गई। स्थानीय प्रशासन और दुबई स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। भारतीय दूतावास ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट के जरिए अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि वे इस हादसे से अत्यंत दुखी हैं और मृतकों के परिवारों के साथ हैं। भारतीय मिशन ने स्पष्ट किया है कि वे पीड़ितों को हर संभव सहायता और कानूनी समर्थन प्रदान करने के लिए दुबई के स्थानीय अधिकारियों के साथ लगातार संपर्क में हैं। दुर्घटना के कारणों को लेकर दुबई पुलिस के यातायात विभाग के निदेशक ब्रिगेडियर जुमा सलेम बिन सुवैदान ने बताया कि शुरुआती जांच के अनुसार, तकनीकी खराबी के कारण ट्रक अचानक सड़क के बीचों-बीच रुक गया था। इसी दौरान पीछे से आ रही मिनीबस के चालक ने ध्यान नहीं दिया और सुरक्षित दूरी न रख पाने के कारण बस सीधे ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। दुबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, इस भीषण टक्कर में 7 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 9 अन्य लोग घायल हुए हैं। घायलों में से पांच की हालत बेहद गंभीर बनी हुई है और चार की स्थिति सामान्य है। सभी पीड़ितों को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां भारतीय मिशन के अधिकारी घायलों से मिलने पहुंचे।

ज्वलंत मुद्दा | संपादकीय

1948 के राजनीति की झलक 2026 में

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री जो अभिनेता से नेता बने थलापति विजय ने तमिलनाडु की राजनीति में नई शुरुआत की है। 1948 से 1952 में जिस तरह की राजनीति देश में हो रही थी, उसकी यादों को ताजा कर रही है। तमिलनाडु में विजय की पार्टी टीवीके को कांग्रेस ने समर्थन दिया है। तमिलनाडु सरकार में कांग्रेस पार्टी का एक मंत्री भी है। तमिलनाडु में कांग्रेस का कोई विशेष वर्चस्व नहीं है। केंद्रीय राजनीति में कांग्रेस एक महत्वपूर्ण भूमिका में है। आज भी कांग्रेस पार्टी का सीधा मुकाबला 300 लोकसभा सीटों पर भाजपा और अन्य राजनीतिक दलों के साथ होता है। वर्तमान की राजनीति में जिस तरह से राजनीतिक दलों के बीच में वैमनष्य देखने को मिलता है, जिस तरह की असुरक्षा की भावना देखने को मिलती है।

सत्ता में ज्यादा से ज्यादा सहभागिता मिले इसके लिए राजनीतिक दल हर संभव प्रयास करते हैं इसके विपरीत तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय ने राज्यसभा की दो सीटें सहयोगी दल कांग्रेस को देने का फैसला किया है। उनका मानना है, उनकी पार्टी केंद्र की राजनीति में कांग्रेस के साथ सहयोग करके तमिलनाडु के हितों का संरक्षण ज्यादा अच्छे तरीके से कर सकती है। दो सांसद उनकी पार्टी के राज्यसभा में चले भी गए, तो वह तमिलनाडु का पक्ष सशक्त तरीके से नहीं रख सकते हैं जितने सशक्त तरीके से कांग्रेस उनकी लड़ाई केंद्र में लोकसभा और राज्यसभा में लड़ सकती है। गठबंधन की राजनीति में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री का यह निर्णय, स्वतंत्रता के पश्चात अनूठा है। जब संविधान सभा और केंद्रीय मंत्रिमंडल का निर्माण हो रहा था, उस समय कांग्रेस पार्टी ने सभी समुदाय और सभी राजनीतिक दलों के लोगों को संविधान सभा और मंत्रिमंडल में स्थान देकर मजबूत संविधान और मजबूत सरकार बनाने का काम किया था। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने अपने मंत्रिमंडल में अपने विरोधी और अन्य विचारधारा के लोगों को भी शामिल करके स्वतंत्रता के पश्चात समन्वय की राजनीति का मार्ग अपनाया था।

वही मार्ग 2026 में तमिलनाडु के मुख्यमंत्री द्वारा अपनाया गया है। वर्तमान में एनडीए गठबंधन और इंडिया गठबंधन के रूप में देश के अधिकांश राजनीतिक दल गठबंधन की राजनीति में शामिल हैं। क्षेत्रीय दल एक-एक सीट के लिए अपनी मजबूत दावेदारी रखते हैं। ऐसी स्थिति में तमिलनाडु की राजनीति में मुख्यमंत्री थलापति विजय ने कांग्रेस को राज्यसभा की रिक्त दो सीटें देकर गठबंधन की राजनीति को एक नई दिशा देने का प्रयास किया है। राज्य की राजनीति में क्षेत्रीय दलों का बहुत बड़ा योगदान होता है। क्षेत्रीय राजनीति में भाषा संस्कृति तथा आम जनता के साथ उनका जुड़ाव गहरा होता है। लेकिन केंद्रीय राजनीति में राष्ट्रहित को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार को निर्णय करने पड़ते हैं। संघीय व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए केंद्र और राज्यों के बीच संबंध बेहतर हों। पिछले एक दशक में इस स्थिति में बड़ा बदलाव आया है।

सैयद जकी हैदर | सम्पदक/प्रकाशक
MOBE NO.9911371802
EMAIL. SYEDZAKIHAIDER786@GMAIL.COM

संक्षिप्त समाचार

मोदी सरकार के 12 वर्षों में गरीब कल्याण और विकास साथ-साथ चले : अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री

नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश ने पिछले 12 वर्षों में कल्याणकारी योजनाओं, बुनियादी ढांचे, सामाजिक सुरक्षा और आर्थिक विकास के क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है। अमित शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि नरेन्द्र मोदी ने आज के ही दिन तीसरी बार लगातार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली थी। मोदी के नेतृत्व में इन 12 वर्षों में देश ने पहली बार गरीब कल्याण और अभूतपूर्व विकास को समांतर रूप से चरितार्थ होते देखा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने बिना एक दिन का अवकाश लिए निरंतर देश और देशवासियों की सेवा की है। इस अवधि में सरकार ने 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया, देशभर में 90 से अधिक नए हवाई अड्डे और 140 से अधिक वंदे भारत ट्रेनें शुरू कीं। शाह के अनुसार, चार करोड़ से अधिक गरीब परिवारों को पक्के मकान दिए गए, 1.45 लाख किलोमीटर सड़कों तथा 3,000 किलोमीटर से अधिक आधुनिक एक्सप्रेसवे का निर्माण हुआ। गृह मंत्री ने कहा कि 50 करोड़ लोगों को 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवरेज मिला और 10 करोड़ से अधिक परिवारों को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। उन्होंने दावा किया कि भारत आज दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बन चुका है।

अब लद्दाख और कश्मीर के बीच हर मौसम में रहेगी कनेक्टिविटी

नई दिल्ली। भारत ने बुनियादी ढांचे के विकास में एक अभूतपूर्व और ऐतिहासिक इंजीनियरिंग उपलब्धि हासिल की है। रणनीतिक रूप से अत्यंत महत्वपूर्ण ज़ोजिला टनल का अंतिम ब्रेकथ्रू (आर-पार खुदाई का काम) सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है। अत्यधिक ऊंचाई पर निर्मित होने वाली यह दुनिया की सबसे लंबी सिंगल-ट्यूब, दो-तरफा सड़क सुरंग होगी। यह सुरंग कश्मीर घाटी और लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश को वर्षभर सभी मौसमों में आपस में जोड़े रखेगी। चीन सीमा के पास भारत की सामरिक और नागरिक आधारभूत संरचना को मजबूत करने की दिशा में इसे एक बड़ा मील का पत्थर माना जा रहा है। श्रीनगर-कारगिल-लेह हाईवे पर स्थित ज़ोजिला पास दशकों से इस क्षेत्र की जीवनरेखा होने के बावजूद सर्दियों में भारी बर्फीले तूफान, हिमस्खलन और अत्यधिक शून्य से नीचे के तापमान के कारण महीनों तक बंद रहता था, जिससे यह पूरा इलाका शेष देश से पूरी तरह कट जाता था। इस नई टनल के चालू होने से अब यह मौसमी अलगाव हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। लगभग 13.153 किलोमीटर लंबी इस मुख्य टनल के निर्माण में 1,200 से अधिक मजदूरों और इंजीनियरों ने नौ साल तक दुनिया के सबसे दुर्गम और कठिन इलाकों में से एक में काम किया है।

'सबका साथ, सबका विकास' से आत्मनिर्भर भारत की ओर बढ़ रहा देशः प्रधानमंत्री

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को समाज के कल्याण के लिए समर्पित एक सच्चे बुद्धिमान व्यक्ति के गुणों पर प्रकाश डालते हुए एक संस्कृत सुभाषित साझा किया। उन्होंने कहा कि पिछले 12 वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से प्रेरित निरंतर प्रयासों के माध्यम से हम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की ओर आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने मंगलवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, ''राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पण और सेवाभाव हमारी अमूल्य पूंजी रही है। बीते 12 वर्षों में 'सबका साथ, सबका विकास' की भावना से प्रेरित निरंतर प्रयासों से ही आज हम एक मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की ओर से अग्रसर हैं। उन्होंने संस्कृत सुभाषित साझा किया, जिसमें लिखा, "आर्यकर्माणि राज्यन्ते भूतिकर्माणि कुर्वते।हितं च नाभ्यसुयन्ति स वै पण्डित उच्यते॥ इस सुभाषित का अर्थ है कि जो व्यक्ति सदा नेक और सदाचारी कार्यों में लगा रहता है, समाज की प्रगति और कल्याण के प्रति समर्पित रहता है, दूसरों के लाभकारी शब्दों और कार्यों का सम्मान करता है और उनके प्रति कोई दुर्भावना नहीं रखता, वही वास्तव में बुद्धिमान कहलाता है।

नदी जोड़ो परियोजनाओं में धन नहीं, सोच सबसे बड़ी चुनौती : उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने मंगलवार को कहा कि देश में पानी की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए नदियों को जोड़ने और भूजल स्तर बढ़ाने के प्रयासों को तेज करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि नदी जोड़ो परियोजनाओं को लागू करने में धन की कमी बड़ी बाधा नहीं है बल्कि लोगों की सोच और राजनीतिक कारण अधिक चुनौतीपूर्ण हैं। उपराष्ट्रपति भवन में जल शक्ति मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान राधाकृष्णन ने कहा कि राष्ट्रीय हित में पानी के बेहतर प्रबंधन के लिए दूरदर्शी और सहयोगपूर्ण दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। बैठक में उन्हें जल संसाधन, नदी विकास और गंगा संरक्षण विभाग की विभिन्न योजनाओं और परियोजनाओं की जानकारी दी गई। उपराष्ट्रपति ने 'जल संचय जन भागीदारी' अभियान की सराहना करते हुए कहा कि इसमें सरकार, समाज, उद्योग और विभिन्न संगठनों की भागीदारी से जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने का अच्छा प्रयास किया जा रहा है। उन्हें बताया गया कि इस अभियान के दूसरे चरण के तहत 1.55 करोड़ से अधिक जल संरक्षण और भूजल स्तर बढ़ाने से जुड़े ढांचे बनाए या दर्ज किए गए हैं, जो तय लक्ष्य से काफी अधिक हैं। बैठक के दौरान उपराष्ट्रपति को केन-बेतवा लिंक परियोजना, पार्वती-कालीसिंध-चंबल लिंक परियोजना और गोदावरी-कावेरी लिंक परियोजना समेत प्रमुख नदी जोड़ो परियोजनाओं की प्रगति की जानकारी भी दी गई। उन्होंने कहा कि नदियों को जोड़ने से जल संकट कम करने, सूखे से निपटने, सिंचाई का दायरा बढ़ाने और विभिन्न क्षेत्रों के संतुलित विकास में बड़ी मदद मिल सकती है। उपराष्ट्रपति ने सुझाव दिया कि केन-बेतवा जैसी बड़ी राष्ट्रीय जल परियोजनाओं पर वृत्तचित्र और स्थायी रिकॉर्ड तैयार किए जाने चाहिए, ताकि आने वाली पीढ़ियां इन ऐतिहासिक राष्ट्र निर्माण कार्यों को समझ सकें और उन पर गर्व कर सकें।

तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की आपूर्ति में देरी को लेकर रक्षामंत्री सख्त

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना (आईएएफ) की युद्धक क्षमता को मजबूत करने वाली सबसे अहम परियोजनाओं में से एक—तेजस मार्क 1ए लड़ाकू विमान की आपूर्ति में हो रही देरी को लेकर सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बैठक में हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) द्वारा की जा रही देरी का मुद्दा प्रमुखता से उठा। रक्षा मंत्री ने एचएएल द्वारा वर्तमान में चलाई जा रही सभी प्रमुख परियोजनाओं के प्रदर्शन की व्यापक और गहन समीक्षा की। बैठक में सीडीएस जनरल एन एस राजा सुब्रमणि, वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और एचएएल के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक रवि कोटा शामिल हुए। बताया जा रहा है कि रक्षा मंत्री सिंह ने एचएएल के शीर्ष अधिकारियों से कहा कि प्रमुख परियोजनाओं के लिए व्यावहारिक समय-सीमा तय की जानी चाहिए। मामले से अवगत अधिकारियों ने बताया कि तेजस मार्क 1ए विमानों की आपूर्ति में देरी के संदर्भ में सिंह ने सुझाव दिया कि एचएएल और भारतीय वायुसेना लंबित मुद्दों को सुलझाने के लिए बैठकर बात करें। विमानों की आपूर्ति में इसलिए देरी हुई है क्योंकि भारतीय वायुसेना ने कहा है कि निर्मित विमान कुछ तकनीकी मानकों को पूरा नहीं करते।

स्वच्छ यमुना का खाका तैयारः 2027 तक दिल्ली को मिलेंगी 59 नई एसटीपी

नई दिल्ली। दिल्ली की जीवनदायिनी कही जाने वाली यमुना नदी को प्रदूषण के अभिशाप से मुक्ति करने के लिए केंद्र सरकार कदम उठा रही है। अब हर 20 दिन में यमुना की समीक्षा की जाएगी। यमुना की गिरती स्थिति पर गंभीर रुख अपनाते हुए केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने यमुना सफाई अभियान को समयबद्ध तरीके से पूरा करने का खाका तैयार किया है जिसमें 2027 तक 59 नए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट स्थापित करने का लक्ष्य रखा है, साथ ही, अब इस परियोजना की प्रगति की समीक्षा हर 20 दिन में की जाएगी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक लंबे समय से उपेक्षित रही यमुना की सफाई अब केंद्र सरकार के शीर्ष एजेंडे में हो गई। हाल ही में हुई एक उच्च स्तरीय बैठक में गृह मंत्री अमित शाह ने साफ कर दिया कि यमुना का कायाकल्प केवल कागजी खानापूर्ति नहीं, बल्कि एक मिशन है। उन्होंने अधिकारियों को चेतावनी दी है कि इस कार्य में कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शाह ने साफ किया कि दिल्ली में सीवेज प्रबंधन प्रणाली को पूरी तरह बदलने की जरुरत है।

नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश में ओमान के तट पर अमेरिका ने डुबोया तेल टैंकर

एजेंसी। नई दिल्ली

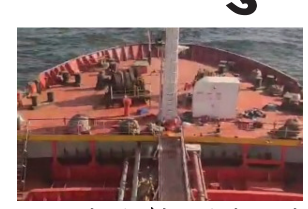

ओमान के मसिराह तट के पास चेतावनियों को लगातार नजरअंदाज करने और नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश में अमेरिका ने सोमवार को पलाऊ ध्वज वाले तेल टैंकर एमटी मैरिवेक्स पर मिसाइल से हमला कर दिया। हालांकि, इस पर सवार सभी 24 भारतीय नाविक सुरक्षित हैं और उन्हें ओमानी अधिकारियों की मदद से बचा लिया गया है। भारत के बंदरगाह, जहाजरानी और जलमार्ग मंत्रालय के निदेशक ओपेश कुमार शर्मा ने पत्रकार वार्ता में बताया कि यह जहाज खाली था और उस पर 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं। यह ब्लैक लिस्टेड जहाज अमेरिकी नौसेना की चेतावनियों को लगातार नजरअंदाज करके नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश कर रहा था। यह जहाज विदेशी संपत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) से प्रतिबंधित जहाजों की सूची में शामिल था। मिली जानकारी के अनुसार एमटी मैरिवेक्स ने पश्चिम एशिया संघर्ष के चलते पिछले कई दिनों में अमेरिकी नाकेबंदी को पार करने की चार कोशिशें की थी। तीन बार चेतावनी मिलने पर जहाज पीछे हट गया, लेकिन 8 जून को चौथे प्रयास में उसने ओमानी समुद्री क्षेत्र का इस्तेमाल करते हुए नाकेबंदी तोड़ने की कोशिश की। इस दौरान जहाज ने अपने सिग्नल उपकरण बंद कर दिए, ताकि उसका पता न चल सके। बार-बार चेतावनी न मानने के बाद अमेरिकी नौसेना ने अपने युद्धपोत यूएसएस अब्राहम लिंकन (सीवीएन 72) से एफ/ए-18 सुपर हॉर्नेट लड़ाकू विमान के जरिए इस जहाज के इंजीनियरिंग और स्टीयरिंग हिस्सों पर सटीक हमला कर इसे डुबो दिया। हमले के समय जहाज खाली था और उसमें कोई माल लदा नहीं था। अमेरिकी सेंट्रल कमांड (सेंटकॉम) ने बयान जारी कर कहा कि 8 जून को ओमान की खाड़ी में अमेरिकी सेना ने बिना तेल वाले एक टैंकर को रोक दिया।

भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर देशभर में श्रद्धांजलि शीर्ष नेताओं ने 'धरती आबा' के योगदान को किया याद

एजेंसी। नई दिल्ली

जनजातीय समाज के महानायक और "धरती आबा" के नाम से विख्यात भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत शीर्ष नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष, बलिदान और आदिवासी अधिकारों के लिए किए गए योगदान को याद किया। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने एक्स पर पोस्ट कर भगवान बिरसा मुंडा को साहस, स्वाभिमान और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक बताते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि ऐतिहासिक उलगुलान के माध्यम से बिरसा मुंडा ने उत्पीड़न के विरुद्ध प्रतिरोध की भावना जगाई और आदिवासी समुदायों को अपने अधिकारों, पहचान और सम्मान की रक्षा के लिए प्रेरित किया। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि झारखंड के राज्यपाल और बाद में उपराष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभालने के पहले दिन उन्हें बिरसा मुंडा के जन्मस्थान उलिहातु में श्रद्धांजलि अर्पित करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ था। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भगवान बिरसा मुंडा को जल, जंगल और जमीन की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित करने वाला महान जननायक बताते हुए कहा कि आदिवासी समाज की सांस्कृतिक पहचान और अधिकारों की रक्षा के लिए उनका संघर्ष भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन का गौरवशाली अध्याय है। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि बिरसा मुंडा ने उलगुलान आंदोलन के माध्यम से अंग्रेजी शासन के खिलाफ आजादी का शंखनाद किया था। उन्होंने आदिवासी समाज को अपने अधिकारों और विरासत की रक्षा के लिए संगठित किया तथा जल, जंगल और जमीन के संरक्षण को जनआंदोलन का स्वरूप दिया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें स्वाधीनता के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करने वाला जननायक बताते हुए कहा कि विदेशी शासन, अन्याय और शोषण के विरुद्ध उनका संघर्ष आज भी राष्ट्र को प्रेरित करता है। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बिरसा मुंडा को स्वाधीनता संग्राम का महानायक बताते हुए कहा कि उनका जीवन देश के लिए प्रेरणा का अमर स्रोत है।

ईडी ने दिल्ली-नोएडा समेत देश के चार राज्यों के अलग-अलग शहरों में मारे छापे

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता संजीव अरोड़ा से जुड़े मामले में ईडी ने दिल्ली-नोएडा समेत देश के चार राज्यों के अलग-अलग शहरों में छापेमारी की है। ईडी की टीमों ने कई ठिकानों पर एक साथ तलाशी ली। यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग जुड़ी है। सूत्रों के मुताबिक एजेंसी ने पंजाब के लुधियाना और जालंधर, यूपी के बरेली, साथ ही दिल्ली-नोएडा क्षेत्र में कुल 6 ठिकानों पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया है, जिन जगहों पर छापेमारी की जा रही है, उनमें घर और कारोबारी दफ्तर शामिल हैं। ये ठिकाने उन लोगों और संस्थाओं से जुड़े बताए जा रहे हैं, जिनका नाम हैम्पटन स्काई रियल्टी लिमिटेड मामले की जांच में सामने आया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक यह कार्रवाई मनी लॉन्ड्रिंग यानी पैसे के अवैध हेरफेर से जुड़े मामले की जांच के तहत हुई। ईडी ने इस मामले में प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट के तहत कार्रवाई की है। एजेंसी ने पहले की पूछताछ में मिले इनपुट के आधार पर यह कदम उठाया। इस छापेमारी का मकसद अहम दस्तावेजों के साथ कई डिजिटल सबूत जुटाना था। इस मामले में ईडी पहले ही आप नेता संजीव अरोड़ा को गिरफ्तार कर चुकी है।

Mfg & mkt by.. ANGEN PHARMACEU-TICALS (OPC) PRIVATE LIMITED

Distributorship ke liye contact Karen .
(9315755133 / ya email Karen)
angenpharmaceuticals@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

ड्रग तस्करी के आरोप में दिल्ली विवि का छात्र गिरफ्तार, 20 लाख का हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दिल्ली विश्वविद्यालय के एक छात्र को गिरफ्तार किया है। आरोपित के कब्जे से 195 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा (ओजी) बरामद किया गया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 20 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपित पढ़ाई के साथ-साथ ड्रग्स की तस्करी में भी शामिल था और कॉलेज छात्रों को नशीला पदार्थ सप्लाई करता था। आरोपित की पहचान जसीम सियादुल फरसान (22) के रूप में हुई है। वह दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज में बीए का छात्र है। वर्तमान में विजय नगर डबल स्टोरी इलाके में रह रहा था, जबकि उसका मूल निवास केरल के कोझिकोड जिले में है।उत्तर-पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने मंगलवार को बताया कि जिले में नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स स्क्वाड को सूचना मिली थी कि विजय नगर डबल स्टोरी के पास एक पार्क में हाइड्रोपोनिक गांजा की बिक्री की जा रही है। सूचना को गंभीरता से लेते हुए एएसआई चंद्रपाल, हेड कांस्टेबल सौरभ, स्वयं, सुधीर, पवन, मंजू, रचना और कांस्टेबल डागी रिबा की टीम का गठन किया गया। पुलिस टीम ने सूचना के आधार पर छापेमारी कर जसीम को दबोच लिया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 195 ग्राम हाइड्रोपोनिक गांजा बरामद हुआ। बरामद नशीले पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 20 लाख रुपये आंकी गई है।पूछताछ में आरोपित ने खुलासा किया कि वह आसानी से अधिक पैसा कमाने और आलीशान जीवनशैली अपनाने के लिए नशा तस्करी के धंधे में उतरा था। उसने पुलिस को बताया कि वह हाइड्रोपोनिक गांजा की खरीद कर उसे मांग के अनुसार विभिन्न ग्राहकों तक पहुंचाता था। जांच में यह भी सामने आया कि वह दिल्ली विश्वविद्यालय के सत्यवती कॉलेज के छात्रों को भी नशीले पदार्थ की आपूर्ति करता था। पुलिस ने आरोपित के खिलाफ मॉडल टाउन थाने में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। अधिकारियों के मुताबिक अब यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपित को हाइड्रोपोनिक गांजा की खेप कहां से मिलती थी और उसके नेटवर्क में कौन-कौन लोग शामिल हैं। पुलिस उसकी सप्लाई चेन और अन्य संपर्कों की भी जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच जारी है और नशा तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर उन्हें भी गिरफ्तार करने का प्रयास किया जा रहा है।

भट्टी के नेटवर्क को खंगालने के लिए एनआईए ने पंजाब-हरियाणा में की छापेमारी

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने मंगलवार को पंजाब और हरियाणा में 18 स्थानों पर छापेमारी की। यह छापेमारी पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी से जुड़े तीन गैंगस्टरों और उनके आतंकी नेटवर्क मामलों की जांच के सिलसिले में की गईं । एजेंसी ने दोनों राज्यों के कई जगहों पर एक साथ छापेमारी की। इस दौरान एजेंसी ने कई व्यक्तियों से पूछताछ कर डिजिटल उपकरण, दस्तावेज और संचार नेटवर्क, वित्तीय लेन-देन तथा संदिग्ध गतिविधियों से जुड़े साक्ष्य जब्त किए गए।एनआईए ने बताया कि तलाशी के दौरान जुटाई गई जानकारी और साक्ष्यों को जांच के लिए वैज्ञानिक अपराध परीक्षण तथा तकनीकी परीक्षण के लिए भेजा गया है, ताकि सीमा पार की बड़ी साजिश का पर्दाफाश किया जा सके। कुछ व्यक्तियों को आगे की पूछताछ के लिए नोटिस भी जारी किए गए हैं। आज की कार्रवाई का मुख्य उद्देश्य भट्टी के सहयोगियों और नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करना था। जांच में अब तक सामने आया है कि मार्च, 2025 में जालंधर (पंजाब) में सोशल मीडिया एक्टीविस्ट रोजर संधू के घर पर हुए ग्रेनेड हमले के पीछे शहजाद भट्टी का हाथ था। इस मामले में अप्रैल में एजेंसी ने भट्टी को फरार घोषित कर आरोपपत्र दाखिल किया था। इसके अलावा एजेंसी ने पाया कि नवंबर, 2025 में हरियाणा के सिरसा महिला थाने में हुए विस्फोट और जनवरी, 2026 में अंबाला के बल्देव नगर थाने पर हुए कार बम धमाके की साजिश भी भट्टी ने रची थी। एजेंसी ने सिरसा मामले में मई में एजेंसी ने नौ आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था, जिनमें भट्टी और पाकिस्तानी हैंडलर सोहैल अहमद उर्फ सोहैल बलोच भी शामिल था।

मानव तस्करी नेटवर्क के दो आरोपित गिरफ्तार, दक्षिण-पूर्व एशिया के धोखाधड़ी केंद्र से जुड़ा मामला

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दक्षिण-पूर्व एशिया में सक्रिय धोखाधड़ी केन्द्र से जुड़े मानव तस्करी और साइबर स्लेवरी नेटवर्क की जांच के सिलसिले में दो मुख्य आरोपितों निपेन्दर चौधरी और निलेश नारपात सिंह पुरोहित को गिरफ्तार किया है। यह नेटवर्क भारतीय नागरिकों को आकर्षक रोजगार अवसरों का झांसा देकर म्यांमार और कंबोडिया स्थित अवैध कम्पाउंडों में भेजता था, जहां उन्हें जबरन साइबर अपराध गतिविधियों में शामिल किया जाता था। सीबीआई ने बताया कि जांच में सामने आया कि यह नेटवर्क एजेंटों और सहयोगियों के जरिए भारतीय नागरिकों को विदेश में नौकरी का लालच देकर भर्ती करता था। पीड़ितों को म्यांमार और कंबोडिया के धोखाधड़ी केन्द्रों में ले जाया जाता था, जहां पासपोर्ट जब्त कर उनका शारीरिक व मानसिक उत्पीड़न किया जाता था। कई मामलों में परिवारों को भारी रकम चुका कर परिजनों को छुड़ाना पड़ा। गिरफ्तार आरोपितों में से एक आरोपित धोखाधड़ी केन्द्र संचालक की ओर से काम करता था और भारतीय नागरिकों को म्यांमार तक पहुंचाने की रसद व्यवस्था करता था। जांच में पता चला कि पीड़ितों को पहले बैंकॉक से माए सॉट (म्यामांर से जुड़ा कस्बा) ले जाया जाता था और फिर थाईलैंड-म्यांमार सीमा पार कर अवैध केंद्रों में पहुंचाया जाता था। दूसरा आरोपित भारत में उप-एजेंटों का नेटवर्क संचालित करता था और थाईलैंड-म्यांमार सीमा के पास स्थित एक धोखाधड़ी केन्द्र से काम करता था। वह केंद्र संचालकों से क्रिप्टो करेंसी के जरिए धन प्राप्त करता था। सीबीआई ने बताया कि मई में इसी मामले में 8 स्थानों पर छापेमारी कर एक अन्य आरोपित को गिरफ्तार किया गया था। मामले की जांच जारी है।

ड्यूटी के बाद घर नहीं लौटे दिल्ली पुलिस का सिपाही, कार में मिला शव

लोकतंत्र की शान : नई दिल्ली। उत्तर-पश्चिम जिले के आदर्श नगर थाने में तैनात एक सिपाही की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सिपाही का शव हरियाणा के रोहतक रोड स्थित रोहद टोल के पास उनकी कार के अंदर मिला। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामले की जांच की जा रही है।उत्तर पश्चिम जिले की पुलिस उपायुक्त आकांक्षा यादव ने मंगलवार को बताया कि सिपाही सुधीर उत्तर-पश्चिम जिले के आदर्श नगर थाने में तैनात थे।आठ जून की सुबह करीब 9:35 बजे कांस्टेबल सुधीर के साले सहदेव ने सूचना दी कि वह ड्यूटी के बाद घर नहीं लौटे हैं। इसके बाद उनकी तलाश शुरू की गई। इसी दौरान हरियाणा के रोहतक रोड पर रोहद टोल के पास एक हुंडई आई-20 कार खड़ी होने की सूचना मिली, जिसमें एक व्यक्ति बैठा हुआ दिखाई दे रहा था। उन्होंने बताया कि सूचना पर स्थानीय थाना सांपला पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने कार के अंदर मौजूद व्यक्ति की जांच की तो वह अचेत अवस्था में मिला। पुलिसकर्मी तुरंत उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। अधिकारियों के अनुसार फिलहाल मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। पोस्टमार्टम और अन्य मेडिको-लीगल औपचारिकताओं के बाद ही मौत की वास्तविक वजह स्पष्ट हो सकेगी। स्थानीय पुलिस मामले की सभी पहलुओं से जांच कर रही है।

भतीजे ने ही उड़ाए चाचा के 5.67 लाख रुपये, साइबर पुलिस ने मास्टरमाइंड समेत 3 को दबोचा

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। शाहदरा जिले की साइबर थाना पुलिस ने 5.67 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी मामले का पर्दाफाश करते हुए मास्टरमाइंड समेत तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया है। जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि ठगी की साजिश किसी बाहरी साइबर अपराधी ने नहीं बल्कि पीड़ित के सगे भतीजे ने रची थी। आरोपित ने रकम को छिपाने के लिए दो अन्य लोगों के बैंक अकाउंट का इस्तेमाल किया और पैसे को विभिन्न खातों में घुमाकर अपने पास पहुंचाया।पुलिस के अनुसार दिलशाद गार्डन निवासी विनोद हीरा ने 14 मई को साइबर थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि वह सरोजनी नगर में बुटीक का कारोबार करते हैं और उनका एसबीआई की दिलशाद गार्डन शाखा में बैंक खाता है। खाते में करीब 5.80 लाख रुपये जमा थे और उसका नियमित उपयोग भी नहीं हो रहा था।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान नितिन गुलाटी, आदिल सलमानी और मनिंदर सिंह के रूप में हुई है।शाहदरा जिले के पुलिस उपायुक्त राजेंद्र प्रसाद मीणा ने मंगलवार को बताया कि शिकायतकर्ता ने बताया कि मई में उन्होंने नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के नाम 6,500 रुपये का चेक जारी किया था। चेक बैंक में प्रस्तुत होने पर अपर्याप्त राशि के कारण बाउंस हो गया। इस पर जब उन्होंने बैंक से संपर्क किया तो पता चला कि उनके खाते से 5,67,100 रुपये से अधिक की रकम अनधिकृत यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए निकाल ली गई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए साइबर थाना शाहदरा में धारा 318(4) बीएनएस के तहत ई-एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की गई।पुलिस उपायुक्त के अनुसार पुलिस टीम ने बैंक खातों के लेन-देन, आईपी लॉग, यूपीआई ट्रांजैक्शन ट्रेल और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की बारीकी से जांच की। जांच में सामने आया कि ठगी की रकम कई बैंक खातों के जरिए घुमाई गई थी। वित्तीय लेन-देन की कड़ियों को जोड़ते हुए पुलिस ने पाया कि रकम आदिल सलमानी और मनिंदर सिंह के खातों से होकर गुजरी थी। इसके बाद पुलिस ने अंतिम लाभार्थी तक पहुंचकर पूरे गिरोह का भंडाफोड़ कर दिया।

दिल्ली में छापेमारी कर तीन आरोपित गिरफ्तार:तकनीकी निगरानी और डिजिटल साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने दिल्ली के विभिन्न इलाकों में छापेमारी कर तीन आरोपितों को गिरफ्तार किया। इनकी पहचान श्रीनगर, रानी बाग निवासी नितिन गुलाटी (43), राजा पार्क आदिल सलमानी (27) और श्रीनगर, रानी बाग निवासी मनिंदर सिंह (30) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान तीनों को तकनीकी और दस्तावेजी साक्ष्यों से सामना कराया गया, जिसके बाद उनकी भूमिका स्पष्ट हो गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया।

सगा भतीजा निकला मास्टरमाइंड: पुलिस जांच में सबसे बड़ा खुलासा यह हुआ कि नितिन गुलाटी शिकायतकर्ता विनोद हीरा का सगा भतीजा है। पुलिस के अनुसार नितिन ने ही पूरे षड्यंत्र की योजना बनाई थी। उसने अपने चाचा के खाते से अनधिकृत यूपीआई ट्रांजैक्शन के जरिए रकम निकाली और उसे छिपाने के लिए कई बैंक खातों के माध्यम से घुमाया। आरोपित ने आदिल सलमानी और मनिंदर सिंह के खातों को 'म्यूल अकाउंट' के रूप में इस्तेमाल किया। इन खातों के जरिए रकम को विभिन्न चरणों में ट्रांसफर कर आखिरकार अपने नियंत्रण वाले खातों तक पहुंचाया गया। जांच में नितिन ही ठगी की रकम का अंतिम लाभार्थी पाया गया। पुलिस के अनुसार आदिल सलमानी और मनिंदर सिंह ने जानबूझकर अपने बैंक खातों का इस्तेमाल ठगी की रकम को ट्रांसफर करने के लिए किया। दोनों ने रकम के लेन-देन और उसकी परतें बनाने में मदद की, ताकि वास्तविक लाभार्थी तक पहुंचना मुश्किल हो सके। पूछताछ में दोनों ने साइबर ठगी में इस्तेमाल किए गए खातों के संचालन और रकम ट्रांसफर कराने में अपनी भूमिका स्वीकार की है। पुलिस ने बैंकिंग रिकॉर्ड, डिजिटल साक्ष्य और तकनीकी विश्लेषण के जरिए 5,67,100 रुपये की पूरी मनी ट्रेल स्थापित कर ली है। पुलिस ने मामले से जुड़े महत्वपूर्ण बैंकिंग और डिजिटल साक्ष्य भी सुरक्षित कर लिए हैं। मामले में आगे की जांच जारी है।

दोहरे हत्याकांड का आरोपित मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने शाहदरा के चर्चित दोहरे हत्याकांड मामले में वांछित हाशिम बाबा गैंग के शार्प शूटर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के दौरान आरोपित ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस की ओर से की गई जवाबी कार्रवाई में उसके पैर में गोली लगी। आरोपित के कब्जे से एक अत्याधुनिक सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल और चार जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपित की पहचान सीलमपुर निवासी आमिर उर्फ सलीम उर्फ तिल्लन के रूप में हुई है। वह जेल में बंद गैंगस्टर हाशिम बाबा का करीबी सहयोगी और गैंग का सक्रिय शूटर है। आमिर शाहदरा के फर्श बाजार इलाके में हुए दोहरे हत्याकांड में वांछित था। क्राइम ब्रांच के विशेष पुलिस आयुक्त एच.जी.एस. धालीवाल ने मंगलवार को बताया कि आठ जून को एंटी रॉबरी एंड स्नैचिंग सेल (एआरएससी) को सूचना मिली थी किदोहरे हत्याकांड मामले का वांछित आरोपित आमिर शास्त्री पार्क मेट्रो डिपो के आसपास आने वाला है। सूचना के आधार पर इंस्पेक्टर मान सिंह और इंस्पेक्टर सुंदर गौतम के नेतृत्व में टीम गठित कर जाल बिछाया गया। विशेषपुलिस आयुक्त के अनुसार रात करीब 10:48 बजे पुलिस टीम ने संदिग्ध को देखा और रुकने का इशारा किया। पुलिस के मुताबिक खुद को घिरा देख आरोपित ने भागने की कोशिश की और पिस्टल निकालकर पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। आत्मरक्षा और आरोपित को भागने से रोकने के लिए हेड कांस्टेबल मनोज ने जवाबी गोली चलाई, जो आरोपित के पैर में लगी। घायल होने के बावजूद आरोपित भागने का प्रयास करता रहा, लेकिन पुलिसकर्मियों ने उसे दबोच लिया। पुलिस ने उसके कब्जे से इटली निर्मित 0.32 बोर की एक सेमी-ऑटोमेटिक पिस्टल, चार जिंदा कारतूस और चार खोखा कारतूस बरामद किए हैं। इस संबंध में क्राइम ब्रांच थाने में हत्या के प्रयास, पुलिस कार्य में बाधा और आर्म्स एक्ट की धाराओं में नया मामला दर्ज किया गया है।

दिवाली की रात हुई थी दोहरी हत्या:जांच के अनुसार 31 अक्टूबर 2024 को दिवाली के दौरान फर्श बाजार इलाके में आकाश शर्मा उर्फ छोटू और उसके भतीजे ऋषभ शर्मा पर घर के बाहर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई गई थीं। हमले में दोनों की मौत हो गई थी, जबकि आकाश का बेटा कृष शर्मा घायल हो गया था। पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई थी और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ था। पुलिस जांच में सामने आया था कि यह हत्याकांड गैंगवार, पुरानी दुश्मनी और आर्थिक विवाद का नतीजा था। मामले में हाशिम बाबा गैंग से जुड़े शूटर अनिल उर्फ सोनू मटका, आमिर उर्फ तिल्लन और एक नाबालिग की भूमिका सामने आई थी। पुलिस के मुताबिक आकाश शर्मा की हत्या के बाद पूर्वी दिल्ली में गैंगवार और तेज हो गई थी। बदले की कार्रवाई के तहत दिसंबर 2024 में कारोबारी सुनील जैन की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। जांच में सामने आया कि सुनील जैन असल निशाना नहीं थे, बल्कि गलत पहचान के कारण उनकी हत्या हुई थी। बाद में इस गैंगवार के प्रमुख आरोपित सोनू मटका को दिल्ली पुलिस और उप्र एसटीएफ की संयुक्त कार्रवाई में मेरठ में मार गिराया गया था। पुलिस का कहना है कि आमिर की गिरफ्तारी से इस चर्चित डबल मर्डर मामले की जांच को महत्वपूर्ण सफलता मिली है। आरोपित आमिर के खिलाफ हत्या के प्रयास, लूट, रंगदारी, आर्म्स एक्ट और अन्य गंभीर अपराधों के 14 से अधिक मामले पहले से दर्ज हैं। पुलिस अब उससे पूछताछ कर गैंग के अन्य सदस्यों और उसके नेटवर्क के बारे में जानकारी जुटा रही है।

जोजिला सुरंग परियोजना में मुख्य सुरंग ब्रेकथ्रू का नितिन गडकरी ने किया निरीक्षण, हर मौसम में मिलेगी यातायात पहुंच

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को कारगिल के मीनामार्ग स्थित जोजिला सुरंग परियोजना के मुख्य सुरंग ब्रेकथ्रू (आरपार होना) का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और अधिकारी मौजूद रहे।केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने बताया कि जोजिला सुरंग परियोजना राष्ट्रीय राजमार्ग-1 पर बालटाल से मीनामार्ग तक लगभग 14 किलोमीटर लंबी द्विदिशीय (टू वे) सुरंग के निर्माण से जुड़ी है। 6,800 करोड़ रुपये की लागत से विकसित हो रही यह परियोजना एशिया की सबसे लंबी सुरंग है। 2,900 से 3,310 मीटर की ऊंचाई पर निर्मित यह सुरंग कठिन मौसम और जटिल भूगर्भीय परिस्थितियों के बीच भारतीय इंजीनियरिंग क्षमता का उदाहरण है। गडकरी ने बताया कि सुरंग में यात्रियों की सुविधा और सुरक्षा के लिए आधुनिक वेंटिलेशन सिस्टम, ऑटोमैटिक फायर डिटेक्शन, सीसीटीवी निगरानी और पैदल यात्रियों के लिए क्रॉस पैसेज जैसी सुविधाएं उपलब्ध होंगी। सुरक्षा के लिए कट-एंड-कवर सेक्शन, पुल, पुलिया, स्नो गैलरी, कैच डैम और हिमस्खलन सुरक्षा संरचनाएं भी बनाई जा रही हैं। गडकरी ने कहा कि यह परियोजना स्थानीय लोगों के लिए रोजगार और आर्थिक अवसर का आधार बनेगी। ऑल-वेदर कनेक्टिविटी से क्षेत्रीय विकास और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूती मिलेगी। उन्होंने इसे भारत की अवसंरचना यात्रा का महत्वपूर्ण अध्याय बताया।सुरंग के निर्माण से सोनमर्ग से मीनामार्ग तक की यात्रा दो घंटे से घटकर मात्र 30 मिनट रह जाएगी। इससे समय और ईंधन की बचत होगी, दुर्घटनाओं और हिमस्खलन के जोखिम में कमी आएगी तथा पर्यटन और व्यापार को नई गति मिलेगी। परियोजना से भारतीय सेना की आवाजाही और रसद आपूर्ति भी अधिक तेज और सुरक्षित होगी।

मकोका मामले में फरार घोषित कपिल सांगवान के खिलाफ दूसरा गैरजमानती वारंट

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राऊज एवेन्यू कोर्ट ने मंगलवार को राऊज एवेन्यू कोर्ट में मकोका मामले के आरोपित और आम आदमी पार्टी नेता नरेश बाल्यान से जुड़े मामले में फरार घोषित कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू के खिलाफ एक और गैरजमानती वारंट जारी किया है। स्पेशल जज विशाल गोगने ने 9 जुलाई को पेश होने का आदेश दिया। दरअसल, 3 जून को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली पुलिस से फरार आरोपित कपिल सांगवान के बारे में पूछा था। तब जांच अधिकारी ने कहा था कि उसका अब तक कोई सुराग नहीं है। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि दिल्ली पुलिस की चार्जशीट में कपिल सांगवान के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 356 के तहत उसकी अनुपस्थिति में ही ट्रायल शुरु करने की मांग की गई है। कोर्ट ने कहा था कि धारा 356 (1) के तहत अनुपस्थिति में ट्रायल शुरु करने से पहले लगातार दो वारंट जारी करना जरुरी है और दोनों वारंट के बीच 30 दिन का अंतराल होना चाहिए। उसके बाद कोर्ट ने कपिल सांगवान के खिलाफ वारंट जारी करते हुए आज को पेश होने का आदेश दिया। इस मामले में दिल्ली पुलिस ने 17 अप्रैल को इस मामले में छठी पूरक चार्जशीट दाखिल की थी। कोर्ट ने 24 जनवरी को मनोज यादव के खिलाफ दिल्ली पुलिस की पांचवी पूरक चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने मनोज यादव ऊर्फ कैरा के खिलाफ मकोका की धारा 3 और 4 के आरोपों के तहत चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। चार्जशीट में मनोज यादव को संगठित अपराध गिरोह का सदस्य बताया गया है। ये गिरोह कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू संचालित करता है। कपिल सांगवान ऊर्फ नंदू फिलहाल फरार है। दिल्ली पुलिस की जांच में मनोज यादव के खिलाफ आपराधिक गतिविधियों की कई एफआईआर दर्ज होने का पता चला। दिल्ली पुलिस के मुताबिक नरेश बाल्यान और गैंगस्टर के बीच बातचीत का मामला 2023 का है। इसे लेकर 2023 में एफआईआर दर्ज कराई गई थी। कपिल सांगवान एक कुख्यात गैंगस्टर है, जो पिछले पांच वर्षों से ब्रिटेन में ही रह रहा है। कपिल सांगवान और नरेश बाल्यान दोनों दिल्ली के नजफगढ़ के रहने वाले हैं। कपिल सांगवान हरियाणा के नफे सिंह हत्याकांड का भी मास्टरमाइंड है। कपिल सांगवान पर बल्लू पहलवान और बीजेपी नेता सुरेंद्र मटियाला की हत्या का भी मास्टरमाइंड माना जाता है। नरेश बाल्यान ने 2015 और 2019 में उत्तम नगर विधानसभा सीट का प्रतिनिधित्व किया था।

राजग सरकार के 12 साल पूरे होने पर सांसद-विधायक अपने क्षेत्र में चलाएंगे व्यापक जनसंपर्क अभियान

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन वाली सरकार के 12 वर्ष आज पूरे हो गए हैं। इस मौके पर भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी सांसदों और विधायकों को अपने अपने क्षेत्र में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सूत्रों के मुताबिक इस अभियान को लेकर भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सभी सांसदों की बैठक ली थी। इस बैठक में सांसदों को कई कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। इस अभियान के तहत भाजपा के सांसदों के साथ-साथ केंद्रीय मंत्री आगामी दिनों में अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों और राज्यों में विभिन्न जनसंपर्क कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। नेताओं को निर्देश दिए गए हैं कि वे अपने क्षेत्रों में चल रही या पूरी हो चुकी प्रमुख आधारभूत संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) और विकास परियोजनाओं की जानकारी जनता तक पहुंचाएंगे। इसके साथ सरकार की योजनाओं के बारे में घर घर जा कर बताएंगे। सूत्रों के अनुसार सभीसांसदोंकोसरकारक 12साल की उपलब्धियों की बुकलेट भेजी गई है।इस बुकलेट में सरकारकी योजनाओं केविस्तृत जानकारी दी गईहै।इन सभी योजनाओं के बारे में सांसद जनसंपर्क अभियान के तहत लोगों को बताएंगे।सांसदों को 25व्यक्तियों से दिन में जनसंपर्क साधने का टारगेट भी दिया गया है। यह टास्क अगले सात दिनों तक पूरा करना है। इसके साथ ही बुधवार को नरेन्द्र मोदी सबसे अधिक दिनों तक प्रधानमंत्री पद पर बने रहने का रिकॉर्ड स्थापित कर लेंगे। इसके लिए बुधवार को सारे मंत्रियों, सांसदों और विधायकों को सेवा कार्य में जुटने के निर्देश दिये गए हैं। इस क्रम में सभी सांसद और विधायक अपने अपने इलाकों के मंदिरों और अन्य धार्मिक स्थल जाएंगे।

ग्रेटर कैलाश और कापसहेड़ा में आग से अफरा-तफरी, दमकल की कई गाड़ियों ने पाया काबू

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। राजधानी में सोमवार को अलग-अलग इलाकों में आग लगने की दो घटनाओं से अफरा-तफरी मच गई। दक्षिण दिल्ली के ग्रेटर कैलाश-1 स्थित एक मकान में चौथी मंजिल पर आग लग गई। जबकि दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के कापसहेड़ा स्थित अंबेडकर कॉलोनी में झुग्गियों में भीषण आग भड़क उठी। दोनों घटनाओं में दमकल विभाग ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पा लिया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है।

ग्रेटर कैलाश-1 में मकान की चौथी मंजिल पर लगी आग:दिल्ली दमकल विभाग के अनुसार मंगलवार सुबह करीब 11:36 बजे ग्रेटर कैलाश-1 एन्क्लेव स्थित डी-24 मकान में आग लगने की सूचना मिली। शुरुआती जानकारी के अनुसार मकान की चौथी मंजिल पर लगे एयर कंडीशनर (एसी) में आग लगी थी। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की दो गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। आग की गंभीरता को देखते हुए बाद में तीन और गाड़ियों को मौके पर रवाना किया गया। दोपहर 12:45 बजे आग को बड़ा घोषित किया गया। जिसके बाद पांच गाड़ियों को घटनास्थल पर भेजा गया। आग बुझाने के अभियान का नेतृत्व एडीओ सरबजीत, स्टेशन अधिकारी फूल सिंह मीणा, स्टेशन अधिकारी मुकुल और स्टेशन अधिकारी मनीष ने किया। कुल नौ दमकल वाहन मौके पर लगाए गए। दमकलकर्मियों ने करीब डेढ़ घंटे की मशक्कत के बाद दोपहर 1:10 बजे आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया। अधिकारियों के अनुसार आग चौथी मंजिल पर रखे घरेलू सामान में लगी थी। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

कापसहेड़ा की झुग्गियों में लगी भीषण आग:वहीं दूसरी घटना दोपहर करीब 1:28 बजे कापसहेड़ा के समालखा गांव स्थित अंबेडकर कॉलोनी में हुई। यहां झुग्गियों में आग लगने की सूचना पर दमकल विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चार वाहन को घटनास्थल के लिए रवाना किया। दमकल अधिकारियों के अनुसार आग तेजी से फैल रही थी, जिसके चलते कई झुग्गियां इसकी चपेट में आ गईं। आग बुझाने के अभियान का नेतृत्व एडीओ आर.के. यादव ने किया। उनके साथ स्टेशन अधिकारी अमित, स्टेशन अधिकारी परवीन और स्टेशन अधिकारी निर्भया भी मौके पर मौजूद रहे। दमकल विभाग ने करीब एक घंटे के प्रयास के बाद दोपहर 2:20 बजे आग पर काबू पा लिया।

असम की मशहूर जीआई टैग तेजपुर लीची की पहली खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई

लोकतंत्र की शान

नई दिल्ली। असम की भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त प्रसिद्ध तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप एपीडा के सहयोग से दुबई भेजी गई है। इस पहल से किसानों को बेहतर बाजार और अच्छे दाम मिलने की उम्मीद है, जबकि पूर्वोत्तर भारत के कृषि उत्पादों को वैश्विक पहचान मिलने का रास्ता भी मजबूत हुआ है।वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के मुताबिक कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीईडीए) ने 7 जून को जीआई-टैग वाली तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप असम से दुबई के लिए रवाना की है। ये उत्तर पूर्वी क्षेत्र के कृषि उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार पहुंच के विस्तार में एक बड़ी उपलब्धि है। मंत्रालय ने बताया कि एक मीट्रिक टन की इस खेप में भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग वाली तेजपुर लीची शामिल थी, जो असम के सबसे प्रसिद्ध बागवानी उत्पादों में से एक है। यह लीची अपनी असाधारण मिठास, चमकीले लाल रंग, विशिष्ट सुगंध और उत्कृष्ट स्वाद के लिए प्रसिद्ध है। इस क्षेत्र में बॉम्बेया, बिलाती, इलायची, पियाजी और साही सहित कई उल्लेखनीय किस्में उगाई जाती हैं, जो अपने विशिष्ट स्वाद और गुणवत्ता के लिए सराही जाती हैं। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने भी कहा कि असम की प्रसिद्ध जीआई-टैग प्राप्त तेजपुर लीची अब विदेशी बाजारों में अपनी मिठास बिखेर रही है। उन्होंने कहा कि एपीडा के सहयोग से तेजपुर लीची की पहली निर्यात खेप दुबई रवाना हुई। इस कदम से यहां की लीची को वैश्विक पहचान मिलेगी, किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त होगा और पूर्वोत्तर भारत के कृषि उत्पादों के लिए नए अवसर सृजित होंगे।

संक्षिप्त समाचार

रामपुर शाहाबाद में पिकअप ई रिक्शा की टक्कर से दो बच्चों की मौके पर मौत। तीन घायल। घायलों पहुंचाया अस्पताल

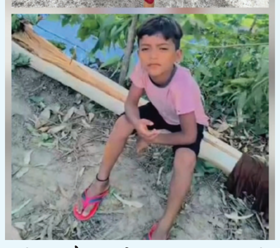

लोकतंत्र की शान : मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा, रामपुर।उत्तर प्रदेश/ रामपुर जनपद तहसील शाहबाद थाना क्षेत्र के ग्राम ढकिया के पास मंगलवार को एक सड़क हादसा हुआ तेज रफ्तार पिकअप वाहन और ई रिक्शा की टक्कर में दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी के अनुसार बताया जा रहा है कि जनपद बदायूं के बिसौली थाना क्षेत्र के मुड़िया ग्राम पिशनहरी निवासी खुशी खान अपने परिवार के साथ सभा क्षेत्र के नंद गांव में एक शादी समारोह में शामिल होने आए थे। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वह अपनी पत्नी सकीना और बच्चे आबिद 12 वर्षीय नावेद 14 वर्षीय और अरमान 15 वर्षीय के साथ ई रिक्शा से अपने घर लौट रहे थे। जैसे ही उनका ई रिक्शा ढकिया गांव के समीप पहुंचा सामने से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी की ई रिक्शा क्षतिग्रस्त ठोकर सड़क पर पलट गया और उसमें सवार लोग दूर जा गिरे इस हादसे में आबिद और नावेद की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं अरमान सकीना और खुशी खान गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को शाहाबाद सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। मृतक अविद और नावेद का पंचनामा भरकर शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। मौत की खबर सुनकर परिजनों में कोहराम मच गया।

हसनपुर पुलिस को मिली सफलता, चोरी के स्टार्टर-बैट्रा के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

लोक तंत्र की शान प्रवीण अग्रवाल जिला प्रभारी अमरोहा, हसनपुरः पुलिस अधीक्षक अमरोहा लखन सिंह यादव के निर्देश पर अपराध व अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना हसनपुर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने चोरी के एक अदद स्टार्टर व एक अदद बैट्रा के साथ दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक अखिलेश भदौरिया के मार्गदर्शन एवं क्षेत्राधिकारी हसनपुर पंकज कुमार त्यागी के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक राजेश कुमार तिवारी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की। थाना हाजा पर पंजीकृत मु0अ0सं0 339/2026 में वांछित चल रहे अभियुक्तों को दबोचा गया,राजेन्द्र पुत्र फत्तेहसिंह निवासी ग्राम रुखालू थाना हसनपुर जिला अमरोहा,बिजेन्द्र पुत्र फत्तेहसिंह निवासी ग्राम रुखालू थाना हसनपुर जिला अमरोहा पुलिस ने दोनों अभियुक्तों को चोरी किए गए सामान के साथ गिरफ्तार कर लिया। इनके कब्जे से एक स्टार्टर और एक बैट्रा बरामद हुआ है। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की घटना कबूल की है। पुलिस अब इनके आपराधिक इतिहास को खंगाल रही है।

गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ0नि0 अरविन्द कुमार- हे0का0 181 अमित कुमार, रि0का0 554 अभिनव पंवार . रि0का0 455 अनिल कुमार, इस संबंध में पुलिस क्षेत्राधिकारी पंकज कुमार त्यागी एवं ने बताया कि जनपद में चोरी की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। गिरफ्तार अभियुक्तों के विरुद्ध अग्रिम विधिक कार्रवाई कर न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में हर्ष है।

सफाई व्यवस्था से जुड़ी शिकायतों की कराई गई जांच

लोकतंत्र की शान , देवरिया। जिला पंचायत राज अधिकारी रतन कुमार ने बताया कि कुछ स्तरों से सफाई कर्मियों द्वारा तैनाती स्थल पर कार्य न किए जाने तथा गांवों में गंदगी की शिकायतें प्राप्त हुई थीं। शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए उसकी जांच कराई गई।उन्होंने बताया कि विकासखंड देसही देवरिया संबंधित मिली शिकायतों की जांच सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) से कराई गई। प्राप्त आख्या के अनुसार संबंधित ग्राम पंचायतों में तैनात सफाई कर्मी नियमित रूप से साफ-सफाई का कार्य कर रहे हैं। ग्राम पंचायत नौतन हथियागढ़ एवं पिपरा दौलाकदम में सफाई कर्मियों की टीम लगाकर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया तथा व्यापक साफ-सफाई कराई गई। जिला पंचायत राज अधिकारी ने बताया कि जनपद के 2,057 राजस्व ग्रामों के सापेक्ष वर्तमान में 2,113 सफाई कर्मी तैनात हैं। जिन ग्राम पंचायतों अथवा राजस्व ग्रामों में सफाई कर्मियों की आवश्यकता है, वहां तैनाती के लिए संबंधित विकासखंडों से उपलब्ध सफाई कर्मियों का विवरण प्राप्त कर लिया गया है। ऐसे स्थानों पर तैनाती की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है।

रामपुर पुलिस और तेलंगाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में बड़े गिरोह का भंडाफोड़

लोकतंत्र की शान, मंडल प्रभारी अवनीत कुमार शर्मा

रामपुर। उत्तर प्रदेश/ पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में रामपुर पुलिस की एसओजी टीम ने तेलंगाना पुलिस के सहयोग से एक बड़े अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। संयुक्त कार्रवाई के दौरान पुलिस ने कई संदिग्धों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तथा भारी मात्रा में कीमती सामान बरामद किया। पुलिस के अनुसार कार्रवाई के दौरान भगवान की प्राचीन मूर्तियां, सोने के बिस्कुट सहित अन्य बहुमूल्य वस्तुएं बरामद की गई हैं। बरामद सामान की वास्तविक कीमत और उसके स्रोत की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जांच में मामला अंतरराज्यीय स्तर पर सक्रिय संगठित गिरोह से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि गिरोह लंबे समय से अवैध गतिविधियों में संलिप्त था और विभिन्न राज्यों में अपना नेटवर्क संचालित कर रहा था। एसओजी टीम और तेलंगाना पुलिस की संयुक्त मेहनत से इस पूरे नेटवर्क का खुलासा संभव हो सका। पुलिस अधीक्षक ने कार्रवाई में शामिल अधिकारियों और कर्मचारियों की सराहना करते हुए कहा कि अपराधियों के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा और किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। फिलहाल पुलिस बरामद मूर्तियों और सोने के बिस्कुटों की जांच कर रही है तथा गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की तलाश में छापेमारी जारी है। इस बड़ी कार्रवाई को रामपुर पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है।

योगी सरकार तीन तलाक और एसिड पीड़िताओं को देगी आवास योजना का लाभ

लोकतंत्र की शान

लखनऊ : योगी सरकार महिलाओं के सामाजिक, आर्थिक और स्वास्थ्य संबंधी सशक्तीकरण को लेकर लगातार नए कदम उठा रही है। इसी क्रम में योगी सरकार ने तीन तलाक तथा एसिड अटैक जैसी गंभीर सामाजिक त्रासदियों से प्रभावित महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने और उन्हें सम्मानजनक जीवन उपलब्ध कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। योगी सरकार इन पीड़ित महिलाओं को प्रधानमंत्री आवास योजना, मुख्यमंत्री आवास योजना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना तथा मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना से लाभान्वित करने की तैयारी कर रही है। इसके साथ ही निराश्रित महिलाओं को भी इन सभी योजनाओं का लाभ देने की तैयारी शुरू कर दी गयी है।

कई विभागों से समन्वय स्थापित कर एकत्रित किया जा रहा डाटा-मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर महिला कल्याण विभाग ने विभागीय स्तर पर कार्रवाई शुरू कर दी है। इसके साथ ही महिला कल्याण विभाग तीन तलाक एवं एसिड अटैक पीड़ित महिलाओं के साथ निराश्रित महिलाओं का विस्तृत डाटा एकत्रित किया जा रहा है, ताकि पात्र महिलाओं को योजनाओं का लाभ प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराया जा सके। शासन स्तर पर इसके लिए आवश्यक दिशा-निर्देश और शासनादेश (जीओ) तैयार करने की प्रक्रिया भी चल रही है। महिला कल्याण विभाग द्वारा पीड़ित महिलाओं का सत्यापित विवरण एकत्रित किया जा रहा है। इसके आधार पर लाभार्थियों की पहचान कर उन्हें विभिन्न योजनाओं से जोड़ा जाएगा। योगी सरकार का उद्देश्य है कि किसी भी पात्र महिला को केवल जानकारी के अभाव या प्रक्रियागत जटिलताओं के कारण सरकारी योजनाओं से वंचित न रहना पड़े। इसके लिए विभागों के बीच समन्वय स्थापित किया जा रहा है।

रोजगार, कौशल और उद्यमिता को एक मंच पर लाएगा सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र

लोकतंत्र की शान

लखनऊ :- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सरदार वल्लभभाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक क्षेत्र (एसवीबीपीईआईजेड) परियोजना के निर्माण कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को परियोजना की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी युवा शक्ति का प्रदेश है। तेजी से बढ़ते निवेश, विस्तार ले रहे उद्योगों और बदलती तकनीकी आवश्यकताओं को देखते हुए राज्य को ऐसे संस्थागत ढांचे की जरूरत है जो युवाओं को प्रशिक्षण, रोजगार और उद्यमिता के अवसरों से सीधे जोड़ सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण की व्यवस्था उद्योगों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप होनी चाहिए, ताकि युवाओं को कौशल प्राप्त करने के बाद रोजगार के लिए भटकना न पड़े। उन्होंने निर्देश दिए कि परियोजना को केवल प्रशिक्षण केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि रोजगार, उद्योग और उद्यमिता के समेकित इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया जाए। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2017 के बाद उत्तर प्रदेश में निवेश और औद्योगिक गतिविधियों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आने वाले वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में बड़ी संख्या में कुशल मानव संसाधन की आवश्यकता को देखते हुए सरदार वल्लभभाई पटेल इंडस्ट्रियल एवं एम्प्लायमेंट जोन की अवधारणा तैयार की गई है। इसका उद्देश्य युवाओं को उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षित कर उन्हें रोजगार और स्वरोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है।

एनजीटी के आदेशों के अनुपालन एवं पर्यावरणीय विषयों की समीक्षा बैठक आयोजित, वृक्षारोपण कर दिया संरक्षण का संदेश

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) के निर्देशों के अनुपालन एवं पर्यावरणीय विषयों की प्रगति की समीक्षा के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता डॉ. अफरोज अहमद, माननीय सदस्य/न्यायाधीश, राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एन.जी.टी.), प्रधान न्यायपीठ, नई दिल्ली द्वारा की गई। बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यों, न्यायाधिकरण द्वारा पूर्व में पारित आदेशों के अनुपालन तथा क्षेत्र में संचालित पर्यावरणीय योजनाओं की वर्तमान स्थिति की जानकारी प्रस्तुत की। इस दौरान संबंधित विभागों द्वारा की जा रही कार्यवाहियों की विस्तृत समीक्षा की गई और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए गए। अध्यक्षता करते हुए डॉ. अफरोज अहमद ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामाजिक सहभागिता का विषय है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पर्यावरणीय मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाए तथा लंबित मामलों में समयबद्ध कार्रवाई की जाए। बैठक में विशेष रूप से हरित आवरण बढ़ाने, जल संरक्षण, स्वच्छता, प्रदूषण नियंत्रण तथा जनसहभागिता को बढ़ावा देने पर बल दिया गया। संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए कि पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए और आमजन को भी जागरूक किया जाए।

डीआईजी अजय साहनी की अगुवाई में बरेली परिक्षेत्र यूपी में नंबर-1, 61 थाने भी अव्वल

» आईजीआरएस रैंकिंग मई-2026ः जन शिकायत निस्तारण में बरेली परिक्षेत्र ने हासिल किया प्रदेश में प्रथम स्थान

लोकतंत्र की शान

(बरेली, उत्तर प्रदेश | संदीप चंद्रा) जन शिकायतों के त्वरित, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण की दिशा में बरेली परिक्षेत्र ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश स्तर पर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) बरेली परिक्षेत्र श्री अजय कुमार साहनी के नेतृत्व एवं प्रभावी मॉनिटरिंग के परिणामस्वरूप जनसुनवाई समाधान प्रणाली (आईजीआरएस) की मई-2026 की प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में बरेली परिक्षेत्र उत्तर प्रदेश में प्रथम स्थान पर रहा। यह उपलब्धि प्रशासनिक दक्षता, शिकायतों के समयबद्ध समाधान तथा जनकेंद्रित पुलिसिंग का प्रमाण मानी जा रही है। परिक्षेत्र के अंतर्गत आने वाले जनपद बरेली, बदायूँ और शाहजहाँपुर ने संयुक्त रूप से प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया, जबकि जनपद पीलीभीत ने भी उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 28वां स्थान हासिल किया। विशेष बात यह रही कि केवल जनपद स्तर पर ही नहीं बल्कि थाना स्तर पर भी बरेली परिक्षेत्र ने उत्कृष्ट प्रदर्शन दर्ज कराया। परिक्षेत्र के कुल 61 थानों ने संयुक्त रूप से प्रदेश में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी कार्यकुशलता और जनसेवा के प्रति प्रतिबद्धता साबित की।

बरेली जनपद के 25 थानों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन-बरेली जिले के जिन थानों ने प्रथम स्थान प्राप्त किया उनमें सुभाषनगर, फतेहगंज पश्चिमी, किला, शेरगढ़, सीबीगंज, विशारतगंज, शाही, बारादरी, इज्जतनगर, देवरनियां, क्योलडिया, भुता, हाफिजगंज, भोजीपुरा, मीरगंज, नवाबगंज, आंवला, भमोरा, शीशगढ़, प्रेमनगर, कोतवाली, सिरौली, कैन्ट तथा फतेहगंज पूर्वी शामिल रहे।

बदायूँ के 12 थानों ने दिखाई बेहतर कार्यशैली-जनपद बदायूँ के कुवरगांव, महिला थाना, बिनावर, जरीफनगर, फैजगंज बेहटा, इस्लामनगर, वजीरगंज, दातागंज, मुजरिया, बिसौली, कादरचौक तथा मूसाझाग थानों ने भी प्रदेश स्तर पर शीर्ष प्रदर्शन किया।

पीलीभीत के 6 थानों ने भी दर्ज कराई मजबूत उपस्थिति-महिला थाना, करेली, सेहरामऊ उत्तरी, घुंघचाई, अमरिया तथा बिलसंडा थानों ने आईजीआरएस निस्तारण में उत्कृष्ट कार्य कर परिक्षेत्र का मान बढ़ाया।

शाहजहाँपुर के 18 थाने भी रहे अव्वल-शाहजहाँपुर जनपद के महिला थाना, रामचंद्र मिशन, खुटार, कोतवाली, परौर, बण्डा, जलालाबाद, कलान, अल्हागंज, सेहरामऊ दक्षिणी, रोजा, मदनापुर, निगोही, मिरजापुर, सदर बाजार, गढ़िया रंगीन, जैतीपुर और खुदागंज थानों ने भी शानदार प्रदर्शन करते हुए संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

जिनके मन में देश के प्रति आस्था व निष्ठा नहीं, उनके लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकतीः मुख्यमंत्री

लोकतंत्र की शान

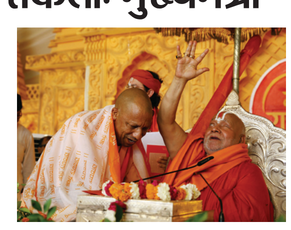

लखनऊ। मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ ने दो-टूक कहा कि जिनके मन में भारत के प्रति आस्था, निष्ठा नहीं है और जो संस्कारों का सम्मान नहीं कर सकते, ऐसे लोगों के लिए भारत की धरती धर्मशाला नहीं हो सकती। प्रभु श्रीराम से द्रोह करने वालों को धरती पर जगह नहीं मिली। लव व लैंड जिहाद के प्रति आगाह करते हुए सीएम ने कहा कि इसके विरुद्ध समाज को एकजुटता के साथ खड़ा होना होगा। तोड़ने वाली ताकतें जाति, भाषा, क्षेत्र के नाम पर विभाजित करने की चेष्टा करेंगी, लेकिन भारत की संत शक्ति समाज को एकजुट कर देश को आगे ले जाना चाहती हैं। व्यासपीठ द्वारा जिस मर्म को समझाने का प्रयास किया गया, हमें उसे आत्मसात करना होगा। कथा केवल सुनने की नहीं, बल्कि अंगीकार करने की महत्वपूर्ण कड़ी का हिस्सा है। मुख्यमंत्री मंगलवार को राजधानी में 9 दिवसीय रामकथा महोत्सव के समापन समारोह में रामभक्तों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने रामकथा का श्रवण भी किया। कथा का वाचन तुलसीपीठाधीश्वर जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य द्वारा किया गया। सीएम योगी ने श्रद्धालुओं से कहा कि जो भी प्रभु के सान्निध्य में आया, वह दैवीय आपदा से मुक्त रहता है। उन्होंने कामना की कि हर श्रद्धालु का जीवन सुख व समृद्ध के साथ बढ़ता रहे।

जंगल में मांस लदी लावारिस अर्टिगा मिलने से हड़कंप, ग्रामीणों ने दी 24 घंटे में खुलासे की चेतावनी

लोकतंत्र की शान

हसनपुर/भदौराः हसनपुर तहसील हसनपुर क्षेत्र के ग्राम भदौरा के जंगल में मंगलवार सुबह भदौरा-सहेलिया मार्ग पर मांस से लदी लावारिस अर्टिगा गाड़ी मिलने से सनसनी फैल गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने 24 घंटे में खुलासा न होने पर 11 जून बृहस्पतिवार को सीओ हसनपुर कार्यालय पर धरना-प्रदर्शन की चेतावनी दी है। मंगल वार सुबह किसान सिंचाई के लिए खेतों की ओर जा रहे थे। तभी उन्होंने चकरोड किनारे एक अर्टिगा गाड़ी देखी। गाड़ी का एक साइड के दोनों पहिए पानी भरे नेपाल के बाजरे के खेत में धंसे हुए थे। धीरे-धीरे सूचना आसपास के खेत मालिकों तक पहुंची। भदौरा और नगलिया मुंशी के किसान मौके पर एकत्र हो गए,किसानों ने तुरंत राष्ट्र सेवी संगठन के संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा को सूचना दी। शर्मा मौके पर पहुंचे और थाना सैदनगली पुलिस को जानकारी दी। कुछ ही देर में पुलिस टीम पहुंच गई। पुलिस ने गाड़ी की खिड़की से अंदर झांककर देखा तो एक मोबाइल पड़ा मिला। ट्रैक्टर की मदद से पुलिस ने फंसी गाड़ी को बाहर निकलवाया और थाने ले गई। थाने में पशु चिकित्सक को बुलाकर गाड़ी में लदे मांस का सैंपल जांच के लिए भेजा गया है। पुलिस मोबाइल की कॉल डिटेल और लोकेशन के आधार पर गाड़ी मालिक व आरोपियों की तलाश कर रही है,ग्रामीणों का आरोप है कि क्षेत्र में अवैध पशु तस्करी बढ़ रही है। उन्होंने मांग की है कि बरामद मोबाइल की तत्काल जांच कर अपराधियों को गिरफ्तार किया जाए। राष्ट्र सेवी संगठन संयोजक कृष्ण कुमार शर्मा ने कहा कि यदि 24 घंटे में खुलासा कर कार्रवाई नहीं हुई तो 11 जून को सुबह 11 बजे सीओ हसनपुर कार्यालय पर धरना दिया जाएगा। फिलहाल पुलिस सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

विकास पुरुष कौसर अब्बास नकवी की पहल लाई रंग, चौधरियान में वर्षों पुरानी जलभराव की समस्या का हुआ अंत

लोकतंत्र की शान

संभल/ सिरसीनगर पंचायत सिरसी के मोहल्ला चौधरियान दक्षिणी में वर्षों से चली आ रही जलभराव और जल निकासी की गंभीर समस्या का आखिरकार समाधान हो गया है। चेयरमैन कौसर अब्बास नकवी के प्रयासों और जनहित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता के चलते क्षेत्र में नाला निर्माण कार्य पूर्ण कराया गया, जिससे स्थानीय लोगों को बड़ी राहत मिली है। मोहल्ले के होली चौक, कब्रिस्तान क्षेत्र, दक्षिणी स्कूल के आसपास तथा अन्य हिस्सों में बरसात के दौरान भारी जलभराव की स्थिति बन जाती थी। इससे लोगों का आवागमन प्रभावित होता था और नागरिकों को रोजमर्रा के कार्यों में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। क्षेत्रवासियों की लंबे समय से चली आ रही मांग को गंभीरता से लेते हुए चेयरमैन कौसर अब्बास नकवी ने इस समस्या के समाधान को प्राथमिकता दी और नाला निर्माण कार्य को पूर्ण कराया। कार्य पूरा होने के बाद चेयरमैन कौसर अब्बास नकवी ने मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य का निरीक्षण किया तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगर पंचायत क्षेत्र के प्रत्येक मोहल्ले में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकता है तथा विकास कार्यों की गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। चेयरमैन कौसर अब्बास नकवी ने कहा कि जनता का विश्वास और सहयोग ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। इसी विश्वास के बल पर नगर पंचायत सिरसी में विकास कार्यों को लगातार गति दी जा रही है और जनसमस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जा रहा है। क्षेत्रवासियों ने नाला निर्माण कार्य पूर्ण होने पर खुशी व्यक्त करते हुए चेयरमैन कौसर अब्बास नकवी का आभार जताया। लोगों का कहना है कि वर्षों पुरानी समस्या के समाधान से अब बरसात के दिनों में जलभराव की परेशानी से निजात मिलेगी और आवागमन सुगम होगा। नगर पंचायत सिरसी में विकास कार्यों की निरंतरता और जनहित के प्रति समर्पण ने चेयरमैन कौसर अब्बास नकवी को क्षेत्र में एक जनप्रिय जनप्रतिनिधि के रूप में स्थापित किया है। जनता की समस्याओं के समाधान के प्रति उनकी सक्रियता विकास की नई मिसाल बन रही है।

संक्षिप्त समाचार

धरती आबा बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई

पश्चिमी सिंहभूम। पश्चिमी सिंहभूम जिले के किरीबुरु-मेघाहातुबुरु क्षेत्र में मंगलवार को धरती आबा बिरसा मुंडा की 126वीं पुण्यतिथि श्रद्धा, सम्मान और सामाजिक एकता के साथ मनाई गई। आदिवासी कल्याण केंद्र किरीबुरु-मेघाहातुबुरु-प्रॉस्पेक्टिंग एवं आदिवासी सरना समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में सैकड़ों लोगों ने भाग लेकर महान जननायक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक आदिवासी रीति-रिवाजों के अनुसार पूजा-अर्चना और प्रार्थना गीतों के साथ हुई। समाज के दियुरी पांडु कोंगाड़ी, जयराम पाट पिंगुआ, धनुर्जय लागुरी, लोदरो स्वासी और बुद्धआ कोंगाड़ी ने सामूहिक रूप से पूजा संपन्न कर समाज की सुख-समृद्धि और एकता की कामना की। पारंपरिक अनुष्ठान के बाद उपस्थित लोगों ने बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उनके संघर्षों और बलिदान को स्मरण किया। सभा में वक्ताओं ने युवाओं से बिरसा मुंडा के आदर्शों को अपनाने और समाज के विकास, शिक्षा तथा अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जागरूक रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मात्र 25 वर्ष की आयु में बिरसा मुंडा ने जो चेतना जगाई, वह आज भी देशभर के आदिवासी समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत बनी हुई है। उनकी पुण्यतिथि केवल श्रद्धांजलि का अवसर नहीं, बल्कि उनके विचारों और संघर्षों को आगे बढ़ाने का संकल्प लेने का दिन भी है।

अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस पर चला विशेष अभियान, सिविल डिफेंस टीम ने लोगों को किया जागरूक

पूर्वी सिंहभूम। अंतर्राष्ट्रीय लेवल क्रॉसिंग जागरूकता दिवस के अवसर पर मंगलवार को टाटानगर रेल सिविल डिफेंस टीम ने शहर के विभिन्न रेलवे फाटकों और क्रॉसिंगों पर व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया। अभियान का उद्देश्य रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकना तथा आम लोगों में रेल सुरक्षा नियमों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। अभियान के तहत सिविल डिफेंस टीम ने जुगसलाई और सुंदरनगर रेलवे फाटक समेत कई प्रमुख स्थानों पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों के माध्यम से लोगों को रेलवे ट्रैक पार करने के दौरान बरती जाने वाली सावधानियों, दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों और उनसे बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। इसके साथ ही राहगीरों, वाहन चालकों और स्थानीय नागरिकों के बीच हैंडबिल वितरित कर सुरक्षित यात्रा और रेल सुरक्षा का संदेश पहुंचाया गया। ऐसी असावधानी कई बार गंभीर दुर्घटनाओं का कारण बनती है। उन्होंने लोगों से अपील की कि कुछ मिनट बचाने के लिए अपनी जान जोखिम में न डालें और हमेशा निर्धारित सुरक्षा नियमों का पालन करें। चक्रधरपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल सुरक्षा एवं संरक्षा अधिकारी गरियान मृणाल के मार्गदर्शन में आयोजित इस अभियान का मुख्य उद्देश्य रेलवे लेवल क्रॉसिंग पर होने वाली दुर्घटनाओं में कमी लाना और लोगों में सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना था। अभियान में प्रशिक्षक कल्याण कुमार साहू, डेमोंस्ट्रेटर गीता कुमारी, डी. आनंद राव, वीरेंद्र कुमार, अनामिका मंडल, विनोद कुमार, रमेश कुमार, संजय कुमार, दीपक कुमार, सरस्वती मुर्मू और अमित कुमार सहित बड़ी संख्या में सिविल डिफेंस स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। सभी स्वयंसेवकों ने लोगों को रेल सुरक्षा के प्रति जागरूक बनाने और सुरक्षित व्यवहार अपनाने का संदेश दिया।

खूंटी में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि

खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की पुण्यतिथि मंगलवार को खूंटी में श्रद्धा, सम्मान और संकल्प के साथ मनाई गई। आदिवासी समन्वय समिति, जल-जंगल-जमीन संस्कृति बचाओ समिति, सरना सोतो संगोम समिति, संयुक्त ग्राम सभा समिति और परम्परागत ग्राम सभा समन्वय समिति के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में सामाजिक कार्यकर्ताओं, पारंपरिक ग्राम प्रतिनिधियों और बिरसाइत समाज के लोगों ने भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत ऐतिहासिक कचहरी मैदान स्थित भगवान बिरसा मुंडा की आदमकद प्रतिमा पर माल्यार्पण और श्रद्धासुमन अर्पित कर की गई। इसके बाद आदिवासी परंपराओं के अनुरूप पूजा-अर्चना संपन्न हुई। उपस्थित लोगों ने धरती आबा को नमन करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने और जल, जंगल, जमीन तथा आदिवासी अस्मिता की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध रहने का संकल्प लिया। आदिवासी समन्वय समिति के संयोजक मार्शल बरला ने अपने संबोधन में छोटानागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट), संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट), भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची तथा पेसा कानून के महत्व पर चर्चा की। जोनसन होरो ने जल, जंगल, जमीन और आदिवासी सांस्कृतिक विरासत की रक्षा के लिए संघर्ष को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। वहीं दुर्गावती ओड़ेया ने आदिवासी परंपराओं, रीति-रिवाजों और सामाजिक व्यवस्था को मजबूत बनाए रखने पर बल देते हुए कहा कि सांस्कृतिक पहचान की रक्षा समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। कार्यक्रम में मंगन मंजीत तिड़ू, चार्ल्स पाहन, महेंद्र सिंह मुंडा, रिजू महतो, प्रहलाद ठाकुर, जीवन होरो सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, पारंपरिक ग्राम प्रधान और बड़ी संख्या में बिरसाइत समाज के लोग उपस्थित रहे।

भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर जिला कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

खूंटी। धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा के शहादत दिवस पर मंगलवार को जिला कांग्रेस कमिटी, खूंटी ने श्रद्धांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला कांग्रेस अध्यक्ष रवि मिश्रा ने की। इस अवसर पर कचहरी परिसर स्थित भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा पर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में उपस्थित सांसद कालीचरण मुंडा ने कहा कि भगवान बिरसा मुंडा ने अंग्रेजी हुकूमत और शोषण के खिलाफ संघर्ष कर आदिवासी समाज को नई चेतना दी। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में भी अन्याय और शोषण के विरुद्ध बिरसा के उलगुलान की भावना प्रासंगिक है। मौके पर प्रदेश कोऑर्डिनेटर पीटर मुंडू, नईमुद्दीन खान, देवजीत देवधरिया, बिलसन तोपनो, रविकांत मिश्रा, गोपाल भगत, प्रनीत तोपनो, गुलाम गौस, जुनैद अहमद, पौल भेंगरा, शशिकांत होरो, सुनीता गोप, जेम्स तोपनो, जुलियूस कंडुलना सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित थे।

120 की रफ्तार में पेड़ से टकराई कार, मां और बेटे की गई जान

एजेंसी, पटना

♦ देवघर के बाबाधाम में पूजा कर यूपी लौट रहा था परिवार, हादसे में 3 बच्चे समेत 8 घायल

पटना के बाढ़ में मंगलवार की सुबह सड़क हादसा हुआ। कार 120 की स्पीड में पेड़ से टकरा गई। हादसे में मां और बेटे की मौत हुई है, जबकि परिवार के 8 लोग घायल हैं। परिवार उत्तर प्रदेश के कुशीनगर का है। ये लोग देवघर में बाबाधाम गए थे। वहां से वापस उत्तर प्रदेश लौट रहे थे। कार की स्पीड बहुत ज्यादा थी, इस कारण गाड़ी का बैलेंस बिगड़ गया और सड़क किनारे पेड़ से टक्कर हो गई। घटना बाढ़ अनुमंडल के बख्तियारपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत पटना-बख्तियारपुर फोरलेन पर होटल महाविहार के पास की है।

मरने वाले और घायलः घायलों में उपेंद्र सिंह की पत्नी निक्की देवी, बेटे वीर (7) और पवन (5), सुभाष सिंह की पत्नी रुकमनी देवी, योगेंद्र सिंह की पत्नी रेणु देवी, मनोज सिंह की पत्नी संजना सिंह, विरेंद्र सिंह की बेटी पायल (7) शामिल हैं। इसके अलावा गयासुद्दीन के बेटे सिद्दिकी भी घायल हैं। जो ड्राइवर हैं। वहीं, मरने वालों में उपेंद्र सिंह और फूलमती देवी है, दोनों रिश्ते में मां और बेटे हैं।

घायलों को अस्पताल लेकर गई पुलिसः टक्कर की आवाज इतनी जोर की थी कि आसपास के स्थानीय लोग दौड़कर मौके पर पहुंचे। कार में फंसे लोगों को एक-एक कर बाहर निकाला। इस बीच किसी ने बख्तियारपुर पुलिस को भी सूचना दी। पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। लोगों की भीड़ पहले से जुटी हुई थी। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को कार से निकाला। जिसके बाद पुलिस ने घायलों को बख्तियारपुर सीएचसी में भर्ती कराया। वहां प्राथमिक इलाज हुआ और बेहतर इलाज के लिए घायलों को पटना रेफर कर दिया गया। मां-बेटे के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम में भेज दिया गया है।

घायलों को एनएमसीएच रेफर किया गया हैः थाना अध्यक्ष देवानंद शर्मा ने बताया कि फोरलेन पर महाविहार होटल के पास हादसा हुआ है। 2 की मौत हुई है। घायलों को एनएमसीएच रेफर किया गया है। दोनों मृतकों के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अनुमंडलीय अस्पताल बाढ़ भेजा गया है। परिजन को सूचना दे दी गई है। ले लोग भी आ रहे हैं।

30 फीट गहरे मैनहोल में फंसे मजदूर, 1 की मौत

एजेंसी, पटना

♦ रेस्क्यू टीम ने ऑक्सीजन दिया, ढाई घंटे के बाद दोनों को निकाला, दूसरे का चल रहा इलाज

पटना में 30 फीट गहरे मैनहोल में साफ-सफाई के दौरान 2 मजदूर फंस गए। इनमें से एक की मौत हो गई है। अंदर गैस का रिसाव हो रहा था, इस कारण दोनों बेहोश हो गए थे। मजदूर ढाई घंटे तक अंदर ही फंसे रहे। उन्हें पहले ऊपर से ऑक्सीजन दिया गया, फिर रस्सी के सहारे उन्हें बाहर निकाला गया। पहले मौके पर डायल-112 की टीम पहुंची, फिर रेस्क्यू के लिए अग्निशमन की टीम भो भी सूचना दी गई। मजदूरों की पहचान रामजान अली (30) और सद्दाम हुसैन (20) के रूप में हुई है। मालदा के रहने वाले सद्दाम की मौत हो गई है, जबकि रामजान का इलाज चल रहा है। घटना श्री कृष्णा पुरी थाना क्षेत्र के AN कॉलेज पानी टंकी की है। ADFO इंद्रजीत कुमार ने बताया रात 12:46 बजे निदेशक सह राज्य अग्निशमन पदाधिकारी सुनील के नंबर पर मैसेज आया था। इसके बाद मेरे नेतृत्व में क्यूआरटी मौके पर पहुंची और दोनों व्यक्तियों को रेस्क्यू कर के बाहर निकाला गया।

इसके बाद दोनों को प्राथमिक उपचार के लिए पास के निजी अस्पताल में भेज दिया गया। काफी कड़ी मशक्कत करनी पड़ी। गहराई होने के चलते निकालने में परेशानी हो रही थी। रात का वक्त था। मजदूरों के अंदर फंसे होने की खबर के बाद आसपास के दुकानदार, दूसरे मजदूर और वहां से गुजर रहे राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। पहले लोगों को लगा कि कोई मैनहोल में गिर गया है। इसलिए जो भी आता था पहचानने के ख्याल से वहां खड़ा हो जाता था। हालांकि स्थानीय थाने की पुलिस लगातार लोगों को समझा बुझाकर वहां से हटाती रही।

फूट-फूटकर रोने वाले शिवचंद्र का इस्तीफा मंजूर नहीं

एजेंसी, पटना

बिहार में MLC चुनाव के बीच राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में अंदरूनी कलह अब खुलकर सामने आने लगी है। टिकट नहीं मिलने से नाराज पूर्व विधायक शिवचंद्र राम ने सोमवार को पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे दिया। हालांकि, RJD ने उनका इस्तीफा नामंजूर कर दिया है। पार्टी प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा, 'देर रात उनसे बातचीत हुई है। हम जानते हैं वो पुराने सिपाही हैं। पार्टी ने उनके त्यागपत्र को अस्वीकार्य किया है।' इधर लालू यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल (JJD) के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव शिवचंद्र राम के समर्थन में उतर आए हैं। तेजप्रताप ने कहा कि शिवचंद्र राम जी का पार्टी पद से इस्तीफा देना बेहद दुख की बात है।

बिहार विधान परिषद की 10 सीटों (एक उपचुनाव) पर होने वाले MLC चुनाव में सोमवार को महागठबंधन की ओर से RJD के सुनील सिंह ने पर्चा भरा। उन्होंने कहा, पार्टी ने जो जिम्मेदारी सौंपी है उसे निभाएंगे। कुछ भी हो जाए पार्टी का झंडा झुकने नहीं दूंगा।

इसके बाद बिहार सरकार के पूर्व मंत्री और RJD के SC-ST प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिवचंद्र राम की नाराजगी सामने आई। उन्होंने SC/ST प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया। वे प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान फूट-फूटकर रोने लगे। उन्होंने कहा, पार्टी ने मुझे वादा किया था कि MLC बनाएंगे, लेकिन मेरे साथ वादाखिलाफी की गई है। रोते हुए उन्होंने कहा, "मैं 4 रात सो नहीं पाया, ऐसी जिंदगी भगवान किसी को ना दें।" शाम में शिवचंद्र राम की तबीयत बिगड़ गई। वो अस्पताल में भर्ती हैं।

खान सर की गिरफ्तारी पर रोक, कोर्ट में वकील बोले- गोली खान सर ने नहीं चलाई

एजेंसी, पटना

❐ रौशन आनंद की जमानत याचिका खारिज

फायरिंग मामले में खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर मंगलवार को पटना सिविल कोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने खान सर की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। पुलिस से केस डायरी की भी मांग की है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि अगले आदेश या अगली सुनवाई तक संबंधित व्यक्ति के खिलाफ कोई कठोर या दबावपूर्ण कार्रवाई न की जाए। खान सर की तरफ से पेश हुए वकील अरविंद कुमार महुआर ने कोर्ट से कहा कि गोली आत्मरक्षा में चलाई गई। किसी तरह से भय फैलाना मकसद नहीं था।

खान सर के वकील ने बताया कि खान सर की अग्रिम जमानत याचिका पर 20 जून को सुनवाई होगी। सोमवार को खान ग्लोबल स्टडीज के डायरेक्टर खान सर की ओर से पटना के जिला एवं सत्र कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की गई। खान सर पर हत्या की कोशिश और हथियारों के अवैध इस्तेमाल का मामला दर्ज है। इधर, खान सर की कोचिंग पर हमला मामले में जेल में बंद ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की जमानत याचिका कोर्ट ने खारिज कर दी है।

जेल में बंद सिक्योरिटी गार्ड मामले में कोर्ट ने सबूत मांगेः सोमवार को इसी मामले में जेल में बंद खान सर के दो सिक्योरिटी गार्ड दीपक कुमार और तालेबर सिंह की जमानत पर भी सुनवाई हुई। उनके वकील अरविंद मउआर ने जज अनुराग वर्मा की अदालत में दलीलें पेश कीं। अदालत ने दोनों पक्षों को सुनने के बाद पुलिस से मामले में सबूत मांगे। दोनों सुरक्षा गार्डों की जमानत याचिका पर 10 जून यानी कल कोर्ट फैसला सुना सकता है। सोमवार को कोर्ट ने सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था। दोनों गाड्र्स को 4 जून को गिरफ्तार किया गया था।

खान सर पर हत्या की कोशिश का केस दर्जः पुलिस ने खान सर के गाड्र्स के बयान पर उनके ऊपर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट का केस दर्ज किया है। FIR में बताया गया है कि खान सर ने गाड्र्स से कहा था- तुम गोली चलाओ, बाकी मैं देख लूंगा। उधर, ज्ञान बिंदु कोचिंग के डायरेक्टर रौशन आनंद की रिहाई की मांग को लेकर पटना में सोमवार को छात्रों ने कैंडल मार्च निकाला था। छात्रों ने रौशन आनंद के समर्थन में नारेबाजी और खान सर की गिरफ्तारी की मांग की थी। कुछ छात्र हाथों में पोस्टर लिए नजर आए। इनमें लिखा था- 'झूठे केस में हमारा जीवन मत बर्बाद करो', 'मैं निर्दोष हूं'।

खगड़िया, बेगूसराय में आंधी से सड़क पर चलना मुश्किल, मोतिहारी समेत 7 जिलों में तेज बारिश

एजेंसी, पटना

आंधी से पेड़-पोल गिरे, 5 की मौत

बिहार के कुछ जिलों में मौसम ने करवट ली है। तेज धूप के बाद अचानक आंधी के साथ बारिश हुई है। बेतिया, मोतिहारी, बेगूसराय, लखीसराय, खगड़िया, भागलपुर और मुंगेर में तेज हवा के साथ बारिश हुई है। बेगूसराय में एक ऑटो के ऊपर पोल गिर गया। ड्राइवर बाल-बाल बचा। सीतामढ़ी में सोमवार की रात आंधी-बारिश के बाद पीपल का पेड़ एक कच्चे मकान पर गिर गया। इस हादसे में एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने आज 24 जिलों में आंधी और बारिश का अलर्ट जारी किया है।

आकाशीय बिजली गिरने को लेकर भी चेतावनी जारी की गई है। अगले 48 घंटे में राज्य में भारी बारिश का अलर्ट है। सोमवार को पटना समेत प्रदेश के 8 जिलों में पारा 41 डिग्री के पार चला गया। 43.4 डिग्री के साथ रोहतास सबसे गर्म जिला रहा। जबकि बक्सर में 42.7 डिग्री और कैमूर में 42.4 डिग्री तापमान दर्ज किया गया।

पेड़ गिरने से एक ही परिवार के 5 लोगों की मौतः सीतामढ़ी में सोमवार देर रात आंधी बारिश के बाद एक घर पर पीपल का पेड़ गिर गया। घर के मलबे में दबने से एक ही परिवार के पांच लोगों की मौत हो गई। घटना रीगा थाना क्षेत्र के रेवासी धनुषी टोला वार्ड संख्या-01 की है। मृतकों की पहचान सिकंदर सहनी की पत्नी पूजा देवी (28), बेटा राजकुमार (7), बेटी शिवानी (5) और एक माह के बेटे लाइगर कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। परिवार का दो साल का बेटा वीरभर्द कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया था, जिसे अस्पताल ले जाया गया। इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई।

अगले कुछ दिनों का मौसमः 10 और 11 जून को अररिया, किशनगंज और सुपौल में भारी बारिश का अलर्ट है। इन जिलों में 60Kmph की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। 12 और 13 जून को उत्तर बिहार के अधिकांश जिलों में आंधी-पानी की गतिविधियां और तेज होने की संभावना है। वहीं. 13 जून के बाद पूरे बिहार में गरज-चमक के साथ तेज बारिश के आसार हैं। इससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग का कहना है कि दक्षिण बिहार में अगले दो दिनों तक गर्मी बनी रह सकती है, लेकिन 10 जून के बाद तापमान में धीरे-धीरे गिरावट शुरू होगी।

25 लाख के 150 खोए मोबाइल मिले, लोगों में खुशी

एजेंसी, पटना

पटना पुलिस की ओर से चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान में खोए और स्नेचिंग किए गए मोबाइल फोन बरामद कर पीड़ितों को लौटाने का अभियान जारी है। पुलिस ने करीब 150 मोबाइल फोन रिकवर कर उनके धारकों को सौंपा है। SSP कार्तिकेय शर्मा ने बताया, ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस लगातार खोए हुए मोबाइल फोन की तलाश कर रही है। उन्हें बरामद कर उनके असली मालिकों तक पहुंचा रही है। उन्होंने कहा कि बरामद मोबाइल फोन की कुल अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये है। एसएसपी ने कहा, आगे भी इस तरह के अभियान जारी रहेंगे। जिन लोगों के मोबाइल फोन खो गए हैं, उन्हें वापस दिलाने के लिए पुलिस लगातार प्रयास कर रही है, ताकि बरामद मोबाइल उनके वास्तविक मालिकों को लौटाए जा सकें। लंबे समय बाद अपना मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरों पर खुशी साफ दिखाई दी। मोबाइल प्राप्त करने वाले लोगों ने पटना पुलिस के इस प्रयास की सराहना करते हुए इसे आम जनता के हित में किया गया सराहनीय कार्य बताया। लोगों ने कहा कि पुलिस की सक्रियता और तकनीकी जांच के कारण उन्हें अपना खोया हुआ मोबाइल वापस मिल सका, जिससे उनका पुलिस पर भरोसा और मजबूत हुआ है।

तेजस्वी बोले- सम्राट चौधरी चीफ नहीं चीप मिनिस्टर हैं

एजेंसी, पटना

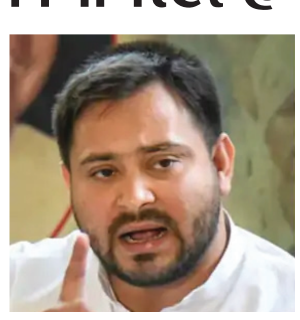

लालू परिवार की सिक्योरिटी और बंगला विवाद को लेकर नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सम्राट सरकार पर निशाना साधा। मंगलवार को दिल्ली से पटना लौटे तेजस्वी ने कहा, 'सम्राट चौधरी चीफ नहीं चीप मिनिस्टर हैं। इसलिए वो चीप राजनीति कर रहे हैं। मुझे कोई सुरक्षा की जरूरत नहीं है। सम्राट चौधरी घृणा की भावना से राजनीति कर रहे हैं। सरकारी खजाना खाली है। इसलिए ध्यान भटकाने के लिए सुरक्षा कम कर दी गई। ताकि इस पर चर्चा हो सके। राबड़ी देवी के स्टेटस में 2005 से कोई बदलाव नहीं हुआ। फिर बंगला क्यों खाली कराया जा रहा है।"

दरअसल, बिहार सरकार ने लालू परिवार की सिक्योरिटी कम कर दी है। सरकार के इस फैसले से नाराज राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव ने अपनी सुरक्षा लौटाने का फैसला किया है। इस फैसले के बाद तेजस्वी एयरपोर्ट से बिना एस्कॉर्ट (पुलिस की गाड़ी) आवास के लिए निकल गए। तेजस्वी के एस्कॉर्ट में 5 से 7 पुलिस की गाड़ियां शामिल होती थीं। उनके साथ पूर्व सीएम लालू यादव, मीसा भारती और पत्नी राजश्री भी मौजूद थीं। जो नया बंगला राबड़ी देवी को अलॉट किया गया है, वहीं नए मंत्री को भी दिया जा सकता है। हमारे लिए सुरक्षा और आवास मुद्दा नहीं हैं। रेवड़ी जैसी सुरक्षा बांटी जा रही है।

देश-विदेश में बसे बिहारियों को जोड़ेगा नया डिजिटल मंच

एजेंसी, पटना

❐ निवेश, रोजगार-स्टार्टअप की होगी डिटेलिंग

बिहार सरकार के सूचना प्रावैधिकी (आईटी) विभाग ने दुनिया भर में बसे बिहारियों को राज्य के विकास से जोड़ने के लिए एक नई पहल शुरू की है। आईटी मंत्री नीतीश मिश्रा ने एक विशेष डिजिटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया। यह प्लेटफॉर्म देश और विदेश में रहने वाले बिहार मूल के लोगों को बिहार में निवेश, रोजगार, स्टार्टअप, शिक्षा और विकास से जुड़ी जानकारियों से जोड़ेगा।

दुनियाभर के बिहारियों को एक मंच पर लाने की कोशिशः मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा, आज लाखों बिहारी देश और विदेश के अलग-अलग हिस्सों में रहकर विभिन्न क्षेत्रों में काम कर रहे हैं। कई लोग बड़े उद्योगों, तकनीकी कंपनियों, शिक्षा, चिकित्सा और शोध के क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार चाहती है कि उनका अनुभव और ज्ञान बिहार के काम आए। इसी उद्देश्य से यह डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया गया है।

बिहार में निवेश के अवसरों की मिलेगी जानकारीः इस प्लेटफॉर्म के जरिए प्रवासी बिहारियों को राज्य में उपलब्ध निवेश और कारोबार के अवसरों की जानकारी मिलेगी। जो लोग बिहार में उद्योग लगाना चाहते हैं या किसी परियोजना में निवेश करना चाहते हैं, उन्हें जरूरी जानकारी और सहयोग उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार का मानना है कि इससे बिहार में नए उद्योग लगेंगे, रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और राज्य के आर्थिक विकास को मजबूती मिलेगी।

मंत्री ने कहा कि दुनिया के अलग-अलग देशों और शहरों में काम कर रहे बिहारी विशेषज्ञ अपने अनुभव और ज्ञान को बिहार के युवाओं के साथ साझा कर सकेंगे। इससे छात्रों, स्टार्टअप शुरू करने वाले युवाओं और नए उद्यमियों को काफी फायदा होगा। यह मंच शिक्षा, तकनीक, कौशल विकास और नवाचार के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने का काम करेगा।

स्टार्टअप और नए उद्यमों को होगा लाभः नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार सरकार स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए लगातार काम कर रही है। नए डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से बिहार के स्टार्टअप्स को देश-विदेश के विशेषज्ञों और निवेशकों से जुड़ने का मौका मिलेगा। इससे नए विचारों को आगे बढ़ाने और व्यवसाय का विस्तार करने में मदद मिलेगी।

इस प्लेटफॉर्म पर बिहार मूल के लोग ऑनलाइन पंजीकरण करा सकेंगे। पंजीकरण के दौरान वे अपने काम, अनुभव और विशेषज्ञता की जानकारी साझा करेंगे। इसके आधार पर उन्हें राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों से जोड़ा जाएगा। मंत्री नीतीश मिश्रा ने कहा कि बिहार के लोगों ने पूरी दुनिया में अपनी पहचान बनाई है। यदि उनके अनुभव, ज्ञान और संसाधनों को राज्य के विकास से जोड़ा जाए तो बिहार को नई दिशा और नई गति मिल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

मेड़ता रोड रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल

फुट ओवरब्रिज के बावजूद ट्रैक पार करते दिखे लोग

लोकतंत्र की शान , मेड़ता रोड ,एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता रोड रेलवे सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े करने वाली तस्वीर सामने आई है। मेड़ता रोड रेलवे जंक्शन पर फुट ओवरब्रिज मौजूद होने के बावजूद कुछ लोग जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक पार करते दिखाई दिए। तस्वीर में स्पष्ट देखा जा सकता है कि मालगाड़ियों के बीच मौजूद खाली हिस्से से लोग प्लेटफॉर्म के एक हिस्से से दूसरे हिस्से तक पहुंच रहे हैं। जबकि यात्रियों की सुरक्षित आवाजाही के लिए स्टेशन पर फुट ओवरब्रिज की सुविधा उपलब्ध है। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि यह स्थिति उस स्थान की है जहां प्लेटफॉर्म नंबर एक पर ही स्टेशन मास्टर का कार्यालय और आरपीएफ थाना मौजूद होने के बावजूद भी सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर लापरवाही दिखाई देती है। इसके बावजूद न तो यात्रियों को रोकने के लिए कोई सक्रिय निगरानी नजर आती है और न ही सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन कराया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि रेलवे प्रशासन और आरपीएफ व जीआरपी की अनदेखी के कारण लोग लगातार जोखिम उठाकर ट्रैक पार कर रहे हैं, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। रेलवे सुरक्षा नियमों के अनुसार ट्रैक पार करना पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी इस तरह की घटनाएं यात्रियों की लापरवाही के साथ-साथ व्यवस्था की ढिलाई को भी उजागर करती हैं। अब देखना होगा कि रेलवे प्रशासन इस गंभीर मामले पर कब संज्ञान लेकर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करता है, ताकि भविष्य में किसी अप्रिय घटना को रोका जा सके।

पहाड़ी से अवैध मुरुम उत्खनन एवं परिवहन पर नोटिस

संयुक्त टीम के निरीक्षण प्रतिवेदन पर कार्रवाई

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान सीधी। पहाड़ी से अवैध रूप से मुरुम का उत्खनन एवं परिवहन की शिकायत पर खनिज एवं राजस्व विभाग की संयुक्त टीम द्वारा मौके का निरीक्षण करने और जांच प्रतिवेदन मिलने पर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी कर 15 दिवस में जवाब मांगा गया है। कलेक्टर द्वारा जारी कारण बताओ नोटिस क्रमांक 350 में कहा गया है कि खनिज एवं राजस्व के संयुक्त दल द्वारा 17 मार्च 2026 को रामपुर नैकिन तहसील के ग्राम नकवेल में भूमि खसरा क्रमांक 1439 से संबंधित भूमियों के रकवा 1.20 हे. एवं खसरा क्रमांक 1440 से संबद्ध भूमियों के रकवा 14.29 हे. भूमि में अवैध उत्खनन का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान पाया गया कि उक्त भूमियों के अंश भाग में पहाड़ीनुमा भूमि से मुरुम उत्खनन किया गया है। मौके पर उपस्थित जनों द्वारा बताया गया है कि उक्त स्थल पर तीन-चार माह पूर्व जेसीबी मशीन के माध्यम से उत्खनन कर हाइवा वाहनों से परिवहन किया गया है। प्राप्त राजस्व अभिलेख के अनुसार खसरा क्रमांक 1439 में रकवा 1.20 हे. के भूमिस्वामी विनोद कुमार त्रिपाठी, विकास सिंह एवं भूमि खसरा क्रमांक 1440 में रकवा 14.29 हे. के भूमिस्वामी आनंद सिंह हैं। खसरा क्रमांक 1439 से लगभग 11.799 घन मीटर व खसरा क्रमांक 1440 से लगभग 2.850 घन मीटर खनिज मुरुम का उत्खनन किया गया है। प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार संबंधित भू-स्वामियों द्वारा बिना अनुमति के खनिज मुरुम का अवैध रूप से उत्खनन पाया गया है जो मप्र खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के 18 के तहत दंडनीय है। उक्त सूचना प्राप्ति के 15 दिवस के भीतर संबंधितों से जवाब प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। अन्यथा की स्थिति में सिविल प्रक्रिया संहिता 1908 के उपबंधों एवं मप्र खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18 के तहत कार्रवाई की जावेगी।

नाबालिग बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं एसडीओपी चुरहट रवि प्रकाश कौल के मार्गदर्शन में चौकी सिहावल थाना अमिलिया पुलिस द्वारा नाबालिग बालिका के अपहरण एवं दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस के अनुसार दिनांक 10 जनवरी 2026 को चौकी सिहावल में एक महिला द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिग पुत्री घर से बिना बताए कहीं चली गई है। परिजनों द्वारा गांव एवं रिश्तेदारी में तलाश करने के बावजूद बालिका का कोई पता नहीं चलने पर चौकी सिहावल में शिकायत दर्ज कराई गई। रिपोर्ट पर थाना अमिलिया में धारा 137(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस द्वारा तत्काल एक विशेष टीम गठित कर संभावित स्थानों पर सघन तलाश की गई। तकनीकी साक्ष्यों एवं मुखबिर तंत्र की सहायता से बालिका को दिनांक 17 जनवरी 2026 को दस्तयाब कर परिजनों के सुपुर्द किया गया। दस्तयाबी के उपरांत पीड़िता के कथनों एवं विवेचना के आधार पर आरोपी के विरुद्ध धारा 64(2) (एम), 65(1), 127(3), 351(2) बीएनएस तथा धारा 5/6 पॉक्सो एक्ट का इजाफा किया गया। अपराध पंजीबद्ध होने के बाद आरोपी लगातार फरार चल रहा था। गिरफ्तारी से बचने के उद्देश्य से उसने अपना मोबाइल फोन बंद कर लिया था तथा गुजरात क्षेत्र में छिपकर रह रहा था। आरोपी की गिरफ्तारी हेतु चौकी सिहावल पुलिस द्वारा लगातार तकनीकी एवं मुखबिर तंत्र के माध्यम से निगरानी रखी जा रही थी। लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप दिनांक 8 जून 2026 को आरोपी के हनुमना क्षेत्र, जिला मऊगंज में होने की सूचना प्राप्त हुई। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई पूर्ण कर न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। उक्त कार्रवाई में निरीक्षक राकेश बैश थाना प्रभारी अमिलिया, उप निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह बघेल चौकी प्रभारी सिहावल, उप निरीक्षक राजमणि अहिरवार, प्रधान आरक्षक रोहित सिंह, आरक्षक राहुल सिंह एवं आरक्षक अमित मिश्रा की विशेष भूमिका एवं सराहनीय योगदान रहा।

अखिलेश को कुठला, अभिषेक को विजयराघवगढ़ और ढीमरखेड़ा की कमान महिमा के हाथ, 5 साल से अधिक एक ही थाने में जमे 87 पुलिसकर्मी भी स्थानांतरित, देर शाम जारी हुआ आदेश

लोकतंत्र की शान जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी। कुठला थाने की कुर्सी किसे मिलेगी, कौन होगा अगला थाना प्रभारी, यह चर्चा पिछले 7 दिनों से जिले में तेजी से चल रही थी। कुठला थाना प्रभारी बनने की रेस में कई दावेदार किस्मत भी आजमा रहे थे, लेकिन अंततः आज इन सभी चर्चाओं और प्रयासों पर विराम लग गया। देर शाम कुठला थाने की कमान कार्यवाहक निरीक्षक अखिलेश दहिया को सौंपने के आदेश जारी हो गए। इसके साथ ही ढीमरखेड़ा थाने में पदस्थ कार्यवाहक निरीक्षक अभिषेक चौबे को विजयराघवगढ़ का नया थाना प्रभारी बनाया गया है, जबकि उनकी जगह ढीमरखेड़ा थाने की कमान निरीक्षक महिमा रघुवंशी को सौंपी गई है। विजयराघवगढ़ में पदस्थ रहे कार्यवाहक निरीक्षक रितेश शर्मा को फिलहाल लाइन भेज दिया गया है। आदेश जारी होने के कुछ देर बाद ही नए थाना प्रभारियों के पदभार ग्रहण करने की कवायत शुरू हो गई है। इसके साथ ही पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर 5 साल से अधिक एक ही थाने, चौकी में पदस्थ कर्मचारियों की तबादला सूची भी पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा के द्वारा आज शाम जारी कर दी गई है। जारी की गई सूची में कर्मचारियों को नवीन पद स्थापना स्थान पर जल्द से जल्द पदभार ग्रहण करने के निर्देश दिए गए हैं।

कंप्यूटर अनुदेशक भर्ती 2026 में पद बढ़ाने की मांग तेज, युवाओं ने सौंपा ज्ञापन

» मेड़ता रोड सहित प्रदेशभर के बेरोजगारों ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर से की हस्तक्षेप की अपील

लोकतंत्र की शान

मेड़ता रोड, एजाज़ अहमद उस्मानी। राजस्थान में प्रस्तावित कंप्यूटर अनुदेशक (BCI) भर्ती 2026 को लेकर प्रदेशभर के युवाओं में रोष और असंतोष लगातार बढ़ता जा रहा है। इसी क्रम में मेड़ता रोड सहित विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में बेरोजगार युवाओं ने शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को एक विस्तृत ज्ञापन सौंपकर भर्ती में पदों की संख्या बढ़ाने, आरक्षण व्यवस्था में सुधार करने और भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की मांग की। युवाओं ने ज्ञापन में स्पष्ट रूप से कहा कि वर्तमान में जारी भर्ती विज्ञापन के अनुसार कुल 3415 पदों पर नियुक्ति प्रस्तावित है, जिनमें 2736 पद नॉन-टीएसपी क्षेत्र के लिए तथा 679 पद टीएसपी क्षेत्र के लिए निर्धारित किए गए हैं। इसमें विभिन्न श्रेणियों जैसे सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी, एमबीसी, एससी और एसटी के लिए अलग-अलग पदों का निर्धारण किया गया है।

कंप्यूटर शिक्षा की आवश्यकता के मुकाबले कम पदों पर नाराजगी-ज्ञापन में युवाओं ने तर्क दिया कि राजस्थान के सरकारी विद्यालयों में कंप्यूटर शिक्षा का दायरा तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन इसके अनुरूप कंप्यूटर अनुदेशकों के पद बेहद कम रखे गए हैं। उनका कहना है कि राज्य के विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए हजारों अतिरिक्त पदों की आवश्यकता है, जबकि वर्तमान भर्ती में वास्तविक जरूरत का केवल एक छोटा हिस्सा ही शामिल किया गया है।

विकास की नई इबारत लिखेगा जयप्रकाश वार्ड 1.06 करोड़ के कार्यों की रखी गई आधारशिला

» महापौर, भाजपा जिलाध्यक्ष एवं क्षेत्रीय पार्षद सहित जनप्रतिनिधियों की मौजूदगी में क्षेत्र को मिली विकास की बड़ी सौगात

» मजबूत होगी आधारभूत संरचना, जनसुविधाओं के विस्तार से बदलेगी वार्ड की तस्वीर

लोकतंत्र कि शान हसन रशीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी गतः नगर निगम कटनी द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार और नागरिकों को बेहतर जनसुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से विकास कार्यों का सिलसिला निरंतर जारी है। इसी क्रम में शनिवार 6 जून को जयप्रकाश वार्ड में लगभग 1.06 करोड़ रुपये की लागत से स्वीकृत विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन महापौर श्रीमती प्रीति संजीव सूरी, भाजपा जिलाध्यक्ष श्री दीपक सोनी (टंडन),क्षेत्रीय पार्षद एवं मेयर इन काउंसिल सदस्य सुभाष साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ वरिष्ठ समाजसेवी श्री गोवर्धन दास उदासी एवं भाजपा जिलाध्यक्ष श्री टंडन द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन के साथ किया गया। इस अवसर पर मेयर इन काउंसिल सदस्य डॉ. रमेश सोनी, जयनारायण निषाद, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद सीमा श्रीवास्तव, पूर्व पार्षद ऋचा गेलानी, सुरेश रोचलानी,दिलीप उदासी सहित अन्य जनप्रतिनिधि, सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि, नगर निगम अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे। भूमिपूजन अवसर पर वार्डवासियों ने लंबे समय से अपेक्षित विकास कार्यों के प्रारंभ होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महापौर, क्षेत्रीय पार्षद एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत किया तथा क्षेत्र के विकास के लिए आभार व्यक्त किया।

जनसुनवाई में आई 100 से अधिक आवेदकों की समस्याएं

» पुलिस अधीक्षक ने प्रत्येक शिकायत पर की सुनवाई, त्वरित एवं निष्पक्ष निराकरण के दिए निर्देश

(ऋचा पाण्डेय ब्यूरो प्रमुख) लोकतंत्र की शान

सीधी। पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के निर्देशन में आज दिनांक 9 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सीधी में साप्ताहिक जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। जनसुनवाई में जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों से आए 100 से अधिक आवेदकों ने अपनी शिकायतें एवं समस्याएं प्रस्तुत कीं। पुलिस अधीक्षक द्वारा प्रत्येक शिकायत को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुनते हुए उनके त्वरित एवं प्रभावी निराकरण हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए गए। जनसुनवाई के दौरान भूमि एवं संपत्ति विवाद, पारिवारिक विवाद, महिला संबंधी शिकायतें, साइबर अपराध, मारपीट, धोखाधड़ी, राजीनामा संबंधी प्रकरणों तथा अन्य कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों की सुनवाई की गई। पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी शिकायतों की निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए तथा पीड़ित पक्ष को समयबद्ध राहत प्रदान की जाए। पुलिस अधीक्षक ने महिला अपराध, वरिष्ठ नागरिकों की शिकायतों तथा कमजोर वर्गों से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर निराकृत करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में संवेदनशीलता, तत्परता एवं जवाबदेही के साथ कार्यवाही सुनिश्चित की जाए ताकि पीड़ितों को शीघ्र न्याय मिल सके। जनसुनवाई के दौरान पूर्व की लंबित शिकायतों की भी समीक्षा की गई। संबंधित थाना प्रभारियों एवं विवेचना अधिकारियों को शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध निराकरण करने तथा शिकायतकर्ताओं को नियमित रूप से प्रगति की जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक संतोष कोरी ने कहा कि जनसुनवाई आमजन और पुलिस के बीच सीधे संवाद का एक प्रभावी माध्यम है। प्रत्येक नागरिक की समस्या को सुनना और उसका विधिसम्मत समाधान सुनिश्चित करना हमारी प्राथमिकता है। जनसुनवाई कार्यक्रम में उप पुलिस अधीक्षक अमन मिश्रा, उप पुलिस अधीक्षक अजाक सुजीत कड़वे, थाना प्रभारी अजाक निरीक्षक रामलोटन साकेत, थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, थाना कोतवाली उनि प्रीति वर्मा एवं महिला थाना उनि राजमणि वर्मा उपस्थित रहे। जिले के अन्य पुलिस अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्यक्र में शामिल हुए।

डांगावास चोरी कांड का खुलासा: दो शातिर आरोपी गिरफ्तार

ग्रामीणों ने किया पुलिस प्रशासन का किया सम्मान

लोकतंत्र की शान

नागौर/मेड़ता रोड, एजाज़ अहमद उस्मानी। मेड़ता सिटी थाना क्षेत्र के डांगावास गांव में हुई करीब 53 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने खुलासा करते हुए दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इस बड़ी सफलता पर ग्रामीणों में खुशी की लहर है। ग्रामीणों ने नागौर एसपी आशाराम चौधरी, मेड़ता डिप्टी रामकरण मेलिंडा सहित पुलिस टीम का माला और साफा पहनाकर सम्मान किया। जानकारी के अनुसार, 27 मई 2026 को डांगावास गांव में एक घर में अज्ञात चोरों ने अलमारी और संदूक के ताले तोड़कर करीब 34–35 तोला सोना-चांदी और लगभग 2.50 लाख रुपये नकद चोरी कर लिए थे। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी जांच और आसूचना के आधार पर हनुमानगढ़ निवासी सनी और हरदीप सिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में शामिल रहे हैं। जांच में सामने आया कि

आरोपी रेलवे स्टेशनों के आसपास बाइक चोरी कर बंद मकानों को निशाना बनाते थे और वारदात के बाद अलग-अलग जिलों में फरार हो जाते थे। इस कार्रवाई में मेड़ता सिटी थाना पुलिस और डीएसटी टीम की अहम भूमिका रही। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर चोरी गए माल की बरामदगी के प्रयास कर रही है।

नागौर पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध बजरी से भरा ट्रेलर व ट्रैक्टर जब्त

» चोरी की बुलेट सहित दो वांछित आरोपी गिरफ्तार

लोकतंत्र की शान

नागौर/मेड़ता रोड , एजाज़ अहमद उस्मानी। पुलिस अधीक्षक नागौर आशाराम चौधरी के निर्देशन में जिलेभर में अवैध बजरी खनन/परिवहन और अपराधियों की धरपकड़ के लिए चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत नागौर पुलिस ने लगातार कार्रवाई करते हुए तीन अलग-अलग मामलों में बड़ी सफलता हासिल की है।अवैध बजरी परिवहन पर सख्ती, ट्रेलर व ट्रैक्टर जब्त थाना पांचौड़ी पुलिस ने गश्त के दौरान सरहद पांचौड़ी क्षेत्र में कार्रवाई करते हुए अवैध बजरी से भरा एक 22 चक्का ट्रेलर जब्त किया है। पुलिस ने वाहन को रोककर जांच की तो उसमें अवैध रूप से बजरी परिवहन पाया गया। मामले में अग्रिम कार्रवाई के लिए खनिज विभाग को सूचित कर दिया गया है।

इसी प्रकार थाना जसनगर पुलिस ने सरहद रोहिसी क्षेत्र में गश्त के दौरान एक बिना नंबर का ट्रैक्टर मय ट्रॉली पकड़ा, जिसमें अवैध बजरी भरी हुई थी। पुलिस ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर खनिज विभाग को आवश्यक कार्रवाई हेतु सूचित किया है।

मेड़ता सिटी पुलिस की कार्रवाई, दो वांछित आरोपी गिरफ्तार-थाना मेड़ता सिटी पुलिस ने पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी हेतु चलाए जा रहे अभियान के तहत मोटरसाइकिल चोरी के एक प्रकरण में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए वांछित आरोपी सारूदीन उर्फ शेरू और लक्ष्मणराम उर्फ मोडिया को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की बुलेट मोटरसाइकिल भी बरामद की है। गिरफ्तार आरोपी सारूदीन उर्फ शेरू थाना मेड़ता सिटी का हिस्ट्रीशीटर बताया गया है। पुलिस की इस लगातार कार्रवाई से अवैध गतिविधियों में लिप्त तत्वों में हड़कंप मचा हुआ है तथा पुलिस आगे भी ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रखे हुए है।

जनसुनवाई में कटनी पुलिस के अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित निराकरण के दिए निर्देश

लोकतंत्र की शान हसन रसीद जिला ब्यूरो चीफ जबलपुर कटनी मध्य प्रदेश

कटनी – मध्य प्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों के त्वरित निराकरण एवं प्रभावी समाधान हेतु प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में आज दिनांक 09 जून 2026 को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में जनसुनवाई का आयोजन किया गया। इस दौरान पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में आमजन की समस्याओं एवं शिकायतों को गंभीरता पूर्वक सुना। इस दौरान शिकायत सुनवाई एवं समाधान हेतु नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नेहा पच्चीसिया , एसडीओपी स्लीमनाबाद श्रीमती आकांक्षा चतुर्वेदी, डीएसपी अजाक सुश्री शिवा पाठक जनसुनवाई में उपस्थित रहे एवं उन्होंने प्रत्येक आवेदक की समस्या को प्राथमिकता से लेते हुए संबंधित थाना प्रभारी एवं को त्वरित एवं प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश दिए। कुछ प्रकरणों में साइबर संबंधी शिकायतों के प्राप्त होने पर, फरियादियों को शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने एवं साइबर अपराधों से जागरूक रहने की हिदायत भी पुलिस अधिकारियों द्वारा फरियादियों को दी गई। एवं आवश्यक कार्यवाही के निर्देश सायबर सेल को दिये गये।

जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों में मुख्यतः पारिवारिक विवाद, आपसी विवाद, पैसों के लेन-देन से संबंधित मामले, पुलिस द्वारा सुनवाई न होने की शिकायतें, भूमि/प्लॉट संबंधी धोखाधड़ी, महिला अपराध एवं अन्य पुलिस से जुड़ी समस्याएं प्रमुख रूप से सामने आईं। कुछ समस्याएं अन्य विभागों से संबंधित होने पर, आवेदको को संबंधित विभाग में जाने की समझाइश भी दी गई। इस अवसर सभी अधिकारियों द्वारा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में आवेदकों की समस्याओं को विस्तारपूर्वक सुनकर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की गई।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल के गृहमंत्री के रूप में सुदन गुरूंग की वापसी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह ने मंत्रिमंडल के निर्णय के अनुसार सुदन गुरुङ को पुनः गृह मंत्री नियुक्त करने का फैसला लिया है। सरकार की सिफारिश के बाद सुदन गुरूंग को आज ही गृहमंत्री के रूप में शपथ दिलाई जाएगी। सरकार के प्रवक्ता सस्मित पोखरेल ने बताया कि प्रधानमंत्री शाह ने आज हिंदुस्तान गुरूंग को अपने मंत्रिमंडल में शामिल करने के लिए राष्ट्रपति के समक्ष सिफारिश कर दी है। संपत्ति संबंधी आरोपों को लेकर विवाद होने के बाद गुरुङ ने पहले गृह मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। मंगलवार को हुई मंत्रिपरिषद की बैठक ने गुरुङ के खिलाफ लगे आरोपों की जांच के लिए गठित समिति की रिपोर्ट को स्वीकार करने का निर्णय लिया। समिति ने उन्हें आरोपों से मुक्त कर दिया है, जिसके बाद उनके गृह मंत्रालय में लौटने का रास्ता साफ हो गया है। सरकार ने इससे पहले गुरुङ पर लगे आरोपों की जांच के लिए एक जांच समिति का गठन किया था। समिति द्वारा अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत किए जाने और उन्हें क्लीन चिट दिए जाने के बाद उन्हें दोबारा मंत्रिमंडल में शामिल करने की तैयारी शुरू कर दी गई है। सरकार ने राष्ट्रपति कार्यालय को आज बाद में होने वाले उनके शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियां करने का निर्देश भी दिया है।

आईसीसी के मुख्य अभियोजक करीम खान निलंबित

लंदन। अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) के मुख्य अभियोजक करीम खान को यौन दुराचार के गंभीर आरोपों के बीच उनके पद और दायित्वों से निलंबित किया गया है। अदालत के इतिहास में यह पहला अवसर है जब किसी मौजूदा मुख्य अभियोजक के खिलाफ इस स्तर की अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। 56 वर्षीय ब्रिटिश बैरिस्टर करीम खान पर उनकी एक महिला सहयोगी के साथ कथित यौन दुराचार करने के आरोप लगे हैं। इन आरोपों की जांच संयुक्त राष्ट्र के आंतरिक निगरानी कार्यालय द्वारा की गई, जिसके बाद न्यायालय के जांच निकाय ने उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश की। हालांकि खान ने शुरुआत से ही सभी आरोपों को खारिज किया है और किसी भी तरह की गलत हरकत से इंकार किया है। आईसीसी की निगरानी संस्था

'असेंबली ऑफ स्टेट्स पार्टीज' के ब्यूरो ने बताया कि निलंबन का निर्णय जांच रिपोर्ट, उपलब्ध साक्ष्यों, न्यायिक विशेषज्ञों के एक विशेष पैनल की सलाह और संबंधित पक्षों की लिखित प्रस्तुतियों के आधार पर लिया गया है। साथ ही स्पष्ट किया गया है कि यह निलंबन अंतिम निर्णय नहीं है और इसे दोष सिद्ध होने के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। करीम खान मई 2025 में जांच पूरी होने तक स्वेच्छा से अपने पद से अलग हो गए थे। अब उनके भविष्य का फैसला 'असेंबली ऑफ स्टेट्स पार्टीज' की विशेष बैठक में किया जाएगा, जहां यह तय होगा कि वे अपने पद पर बने रहने वाले हैं, या नहीं। करीम खान के खिलाफ आरोप पहली बार दो वर्ष से अधिक समय पहले आईसीसी की स्वतंत्र निगरानी इकाई के समक्ष लाए गए थे। इस अभूतपूर्व मामले ने वैश्विक न्याय व्यवस्था के सर्वोच्च संस्थानों में जवाबदेही, पारदर्शिता और आंतरिक आचरण संबंधी मानकों को लेकर नई बहस छेड़ दी है।

नमो भारत ने बनाया नया रिकॉर्ड, एक दिन में 1.25 लाख से अधिक यात्रियों ने किया सफर

नई दिल्ली। दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ नमो भारत कॉरिडोर ने यात्री संख्या का नया रिकॉर्ड बनाते हुए 8 जून को एक ही दिन में लगभग 1.25 लाख यात्रियों को सेवा प्रदान की। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र परिवहन निगम (एनसीआरटीसी) ने मंगलवार को यह जानकारी दी। एनसीआरटीसी के अनुसार, सोमवार को कॉरिडोर पर करीब 1,25,500 यात्रियों ने यात्रा की, जो अबतक की सबसे अधिक दैनिक यात्री संख्या है। एनसीआरटीसी ने कहा कि यह उपलब्धि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में लोगों की यात्रा संबंधी आदतों में आ रहे बदलाव को दर्शाती है, जहां बड़ी संख्या में यात्री तेज, भरोसेमंद और समयबद्ध सार्वजनिक परिवहन के रूप में नमो भारत को प्राथमिकता दे रहे हैं। एनसीआरटीसी ने बताया कि वर्तमान में औसतन करीब एक लाख यात्री प्रतिदिन नमो भारत सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं। यात्रा समय में उल्लेखनीय कमी इसके बढ़ते उपयोग का प्रमुख कारण है। समय की पाबंदी और विश्वसनीयता को महत्व देने वाले कार्यालय कर्मी, छात्र और अन्य नियमित यात्री बड़ी संख्या में इस सेवा को अपना रहे हैं। बढ़ती मांग को देखते हुए एनसीआरटीसी ने हाल ही में दिल्ली-गाजियाबाद-मेरठ कॉरिडोर पर व्यस्त समय के दौरान नमो भारत ट्रेनों के 18 अतिरिक्त फेरे भी शुरू किए हैं। एनसीआरटीसी का कहना है कि अतिरिक्त सेवाओं से यात्रियों को अधिक सुविधा मिलेगी और बढ़ती यात्री संख्या को बेहतर ढंग से संभालने में मदद मिलेगी।

देश भर में अगले कुछ दिनों में हल्की से सामान्य वर्षा और तेज हवा के साथ आंधी का अनुमान

नई दिल्ली। देश के अलग-अलग हिस्सों में मानसून तेज़ी से आगे बढ़ रहा है, वहीं पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से उत्तर-पश्चिम भारत का मौसम भी करवट लेने वाला है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को दिल्ली-एनसीआर में तेज हवाएं चलने और बारिश होने की चेतावनी दी है। आईएमडी के अनुसार राजधानी में बुधवार दोपहर-शाम के बीच तेज हवा और गरज के साथ वर्षा होने के आसार हैं। इस दिन का अधिकतम तापमान 42-44 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29-31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। 11 जून को भी यही स्थिति रहेगी और हवा की रफ्तार 50-70 किलोमीटर प्रति घंटे तक रह सकती है। अधिकतम तापमान 41-43 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 29-31 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने की संभावना है। दक्षिण-पश्चिम मानसून आज पूर्वोत्तर राज्यों के बाकी हिस्सों, पूरे सिक्किम और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ गया है। अगले 5-7 दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु, पूर्वोत्तर भारत और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में कहीं-कहीं 7-20 सेमी तक भारी वर्षा होने की संभावना है। एक पश्चिमी विक्षोभ के कारण 11 और 12 जून को हल्की से मध्यम बारिश के साथ 50-60 किमी प्रति घंटे के दौरान तेज हवाएं चलने और ओलावृष्टि होने की संभावना है। अगले 4-5 दिनों के दौरान दक्षिण-पश्चिम मानसून के मध्य अरब सागर, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी के बाकी हिस्सों, पश्चिम-मध्य, उत्तर-पश्चिम बंगाल की खाड़ी, पश्चिम बंगाल के कुछ हिस्सों, छत्तीसगढ़, बिहार, झारखंड और ओडिशा के कुछ हिस्सों में आगे बढ़ने के लिए अनुकूल परिस्थितियां हैं। उत्तर-पश्चिम भारत और पूर्वी उत्तर प्रदेश में अगले 6 दिनों के दौरान यहां के अलग-अलग क्षेत्रों में कहीं पर मध्यम और कहीं पर भारी वर्षा होने तथा इसी दौरान कुछ क्षेत्रों में तेज रफ्तार हवाएं चलने के आसार हैं। मध्य भारत के छत्तीसगढ़, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 10-15 जून के दौरान वर्षा और पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 10-11 जून, छत्तीसगढ़ में 13 जून, पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 जून, पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में 12-13 जून, छत्तीसगढ़ में 11-12 जून को तेज हवाएं चलने तथा पूर्वी मध्य प्रदेश और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 12 जून को कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने के आसार हैं।

जयपुर : पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग, चार की मौत

एजेंसी, जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर के खोह नागोरियान थाना क्षेत्र में मंगलवार को एक पटाखा गोदाम में लगी भीषण आग ने चार लोगों की जान ले ली, जबकि चार अन्य गंभीर रूप से झुलस गए। गोदाम में मौजूद मजदूरों को बाहर निकलने का पर्याप्त अवसर नहीं मिल सका। घायलों को तत्काल सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत गंभीर बनी हुई है। प्रशासन ने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं।

पुलिस कमिश्नर सचिन मित्तल ने बताया कि यह हादसा खोह-नागोरियान क्षेत्र के आयशा नगर तलाई स्थित आईटीआई कॉलेज के पास हुआ। पटाखा गोदाम में अचानक आग भड़क उठी और कुछ ही देर में उसने विकराल रूप धारण कर लिया। हादसे के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पुलिस, प्रशासन और दमकल विभाग की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। अब तक चार लोगों की मौत की पुष्टि हो चुकी है, जबकि चार घायल उपचाराधीन हैं। इनमें दो की हालत अत्यंत गंभीर है। कई दमकल वाहनों की मदद से आग पर काबू पाया गया और लंबे समय तक राहत एवं बचाव अभियान जारी रहा।

उन्होंने बताया कि रिहायशी क्षेत्र में यह गोदाम अवैध रूप से संचालित किया जा रहा था। गोदाम मालिक के साथ-साथ मामले में जिम्मेदार पाए जाने वाले अन्य व्यक्तियों, संबंधित पुलिसकर्मियों और मकान मालिक के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। मृतकों में रामगंज निवासी अब्दुल वाहिद की पहचान हो चुकी है, जबकि तीन अन्य मृतकों की पहचान के प्रयास जारी हैं। झुलसे हुए आजीम खान (18), नासिर खान (20), समीर

विस्तृत जांच के आदेश

खान (20) और बिलाल (22) को एसएमएस अस्पताल में भर्ती कराया गया है। सभी घायल खोह-नागोरियान के रहीम नगर क्षेत्र के निवासी बताए जा रहे हैं।

एसएमएस अस्पताल के प्लास्टिक सर्जरी विभाग के चिकित्सक डॉ. आर.के. जैन ने बताया कि अस्पताल में कुल छह लोगों को लाया गया था। इनमें एक व्यक्ति को मृत अवस्था में लाया गया, जबकि एक अन्य की उपचार के दौरान मौत हो गई। वर्तमान में चार मरीजों का उपचार जारी है। डॉ. जैन के अनुसार समीर और नासिर करीब 95 प्रतिशत तक झुलस गए हैं। बिलाल 75 प्रतिशत तथा आदिब 65 प्रतिशत तक झुलसा है। सभी की स्थिति गंभीर बनी हुई है और चिकित्सकों की टीम लगातार निगरानी कर रही है।

अमृतसर में आतंकवादी मॉड्यूल से जुड़े दो गुर्गे गिरफ्तार, हैंड ग्रेनेड बरामद

एजेंसी, चंडीगढ़

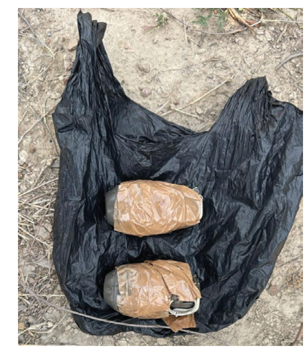

अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने केंद्रीय एजेंसियों के साथ संयुक्त अभियान में सीमा पार के संचालकों से जुड़े दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से दो हैंड ग्रेनेड बरामद किए हैं। दोनों आरोपित आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने के लिए अपने विदेशी हैंडलरों के निर्देशों की प्रतीक्षा कर रहे थे।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने मंगलवार को बताया कि गांव चूंघ , तरनतारन निवासी दविंदर सिंह तथा सुरसिंह, तरनतारन निवासी राजविंदर सिंह को गिरफ्तार किया गया है। इनसे हैंड ग्रेनेडों की बरामदगी के अलावा पुलिस टीमों ने उनकी सेडान कार, हुंडई वर्ना को भी जब्त कर लिया है। डीजीपी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दोनों विदेशी हैंडलरों के संपर्क में थे और उनके निर्देशों पर कार्य कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हैंड ग्रेनेडों की बरामदगी सीमावर्ती राज्य में शांति एवं कानून-व्यवस्था को भंग करने की किसी बड़ी साजिश की ओर संकेत करती है। डीजीपी ने कहा कि इस मामले में आगे और पीछे के संबंधों की जांच की जा रही है, ताकि इस नेटवर्क में शामिल अन्य सहयोगियों की पहचान की जा सके। अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कँवलप्रीत सिंह चाहल ने बताया कि पुलिस टीमों को विश्वसनीय सूचना मिली थी कि संदिग्ध दविंदर सिंह और राजविंदर सिंह ने सीमा पार से अपने हैंडलरों द्वारा भेजी गई विस्फोटक सामग्री की एक खेप प्राप्त की है और वे राज्य की शांति एवं सौहार्द को भंग करने के उद्देश्य से आतंकवादी गतिविधि को अंजाम देने की साजिश रच रहे हैं। उन्होंने बताया कि सूचना मिलते ही डीएसपी (जांच) गुरिंदरपाल सिंह नागरा तथा डीएसपी (अटारी) यादविंदर सिंह की निगरानी में पुलिस टीमों ने एक गुप्त अभियान चलाया और खासा क्षेत्र से दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गुजरात से महाराष्ट्र जा रहे परिवार की कार दूसरे वाहनों से टकरायी, 6 की मौत

एजेंसी, व्यारा

गुजरात के व्यारा से कार से जा रहे एक परिवार की कार मंगलवार को महाराष्ट्र के जलगांव जिले के अमलनेर-धुले रोड पर दूसरे वाहनों से टकरा गई। इसमें कार चार लोगों सहित 6 लोगों की मौत हो गई जबकि कुछ लोग घायल हो गए हैं। उन्हें अमलनेर के पास अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बताया जा रहा है कि यह सड़क हादसा जलगांव जिले के अमलनेर-धुले रोड पर होटल वृंदावन और मंगरूल गांव के पास कार, एसटी बस और बाइक के बीच हुई भीषण टक्कर में हुआ। इसमें एक गुजरात निवासी एक परिवार के चार सदस्यों समेत कुल छह लोगों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। कार

सवार यह परिवार महाराष्ट्र के मंगरूल गांव के पास आयोजित सगाई समारोह में शामिल होने के लिए कार से जा रहा था। बताया गया कि एसटी बस और एक बाइक

अमलनेर से धुले की ओर जा रहे थे। इसी दौरान धुले की तरफ से तेज रफ्तार में आ रही कार चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो गया और कार सीधे एसटी बस तथा बाइक से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार और बाइक के परखच्चे उड़ गए। हादसे में बाइक सवार धरनगांव निवासी दो लोगों की मौके पर ही मौत हो गई और गुजरात निवासी कार सवार नंदलाल गोपाल महाजन, सुरेश विक्रम महाजन, अनीता सुरेश महाजन और निर्मला नंदलाल महाजन ने भी घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया।

बताया गया है कि यह गुजराती परिवार व्यारा से अमलनेर में मंगरूल गांव के पास आयोजित एक सगाई समारोह में शामिल होने जा रहा था।

असम-यूरोपीय संघ ने ब्लू वैली क्लस्टर की शुरुआत की, जैव-अर्थव्यवस्था क्षेत्र में निवेश और नवाचार को मिलेगा बढ़ावा

एजेंसी, गुवाहाटी

असम सरकार और यूरोपीय संघ (ईयू) के भारत स्थित प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को गुवाहाटी में ब्लू वैली क्लस्टर का शुभारंभ किया। इस पहल का उद्देश्य फ्लेवर, फ्रेगरेंस और आयुष क्षेत्रों में यूरोप तथा पूर्वोत्तर भारत के बीच आर्थिक सहयोग को मजबूत करना, निवेश आकर्षित करना, नवाचार को बढ़ावा देना और औद्योगिक साझेदारी विकसित करना है। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा, यूरोपीय संघ के भारत में राजदूत हर्वे डेल्फिन, विदेश मंत्रालय के सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज, भारत में बेल्जियम के राजदूत डिडियर वेंडरहासेल्ट तथा फेडरेशन ऑफ यूरोपियन बिजनेस इन इंडिया (एफईबीआई) के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। यह पहल भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी को क्षेत्रीय स्तर पर व्यावहारिक सहयोग में बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण

कदम मानी जा रही है।

ब्लू वैली क्लस्टर, ब्लू वैलीज पहल का हिस्सा है और जनवरी, 2026 में हुए भारत-ईयू शिखर सम्मेलन में स्वीकृत व्यापक रणनीतिक एजेंडा के अनुरूप विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य अनुसंधान, नवाचार, निवेश और औद्योगिक सहयोग को बढ़ावा देना है। संयुक्त बयान में असम को देश की सबसे तेजी से विकसित हो रही अर्थव्यवस्थाओं में से एक तथा पूर्वोत्तर का प्रवेश द्वार बताया गया, जो बेहतर संपर्क, जैव विविधता और क्षेत्रीय बाजारों तक पहुंच जैसी विशेषताओं से संपन्न है। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने ईयू राजदूत हर्वे डेल्फिन के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इसके अलावा उन्होंने यूरोपीय प्रतिनिधिमंडल और एफईबीआई सदस्यों के साथ एक गोलमेज बैठक की मेजबानी की, जिसमें निवेश, औद्योगिक सहयोग, प्रौद्योगिकी साझेदारी, कौशल विकास और व्यापारिक संबंधों को मजबूत बनाने पर चर्चा हुई। अपने संबोधन में हर्वे डेल्फिन ने कहा कि असम के प्राकृतिक संसाधन, कुशल मानव संसाधन और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता इसे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों के लिए आकर्षक बनाती है। उन्होंने कहा कि ब्लू वैलीज पहल यूरोपीय और भारतीय कंपनियों के बीच एक सेतु का कार्य करेगी तथा पर्यावरणीय स्थिरता और सामुदायिक विकास को भी बढ़ावा देगी। उन्होंने असम में चल रही यूरोपीय संघ समर्थित परियोजनाओं, जिनमें गुवाहाटी में सीआईटीआईएस 2.0 और बराक नदी बेसिन प्रबंधन कार्ययोजना शामिल हैं, का उल्लेख करते हुए कहा कि गहन औद्योगिक और निवेश सहयोग से पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र को लाभ होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह साझेदारी एक सुदृढ़, टिकाऊ और नवाचार आधारित अर्थव्यवस्था के निर्माण की साझा सोच को दर्शाती है।

बंगाल के लिए केंद्र ने खोला खजाना, 10 लाख पीएमएवाई आवास और 1,700 करोड़ का पैकेज स्वीकृत

एजेंसी, कोलकाता

केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के ग्रामीण विकास और सामाजिक कल्याण के लिए एक बड़ी घोषणा करते हुए प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 लाख आवासों के निर्माण को मंजूरी दे दी है। इसके साथ ही राज्य के लिए कुल 1,700 करोड़ रुपये का ग्रामीण विकास पैकेज भी स्वीकृत किया गया है, जिसमें सड़क निर्माण, रोजगार योजनाओं और पेंशन से जुड़ी विभिन्न कल्याणकारी योजनाएं शामिल हैं। केंद्र सरकार के अनुसार, यह निर्णय हाल ही में राज्य में नई सरकार के गठन के बाद लिया गया है। इसे पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इस पैकेज से राज्य के ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना जताई जा रही है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10 लाख घरों की स्वीकृति को लंबे समय से चल रहे केंद्र और राज्य के बीच ग्रामीण आवास फंड को लेकर विवाद में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में देखा जा रहा है। वर्ष 2022 में केंद्र सरकार ने कथित अनियमितताओं के आरोपों के चलते इस योजना के तहत फंडिंग को रोक दिया था। उस समय लगभग 11.5 लाख घरों के लिए 8,200 करोड़

की राशि आवंटित की गई थी, जिसे बाद में रोक दिया गया था। फंड रोके जाने के बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के खजाने से करीब 28 लाख आवासों के निर्माण का दावा किया था और केंद्र पर राज्य को उसके हक के फंड से वंचित करने का आरोप लगाया था। अब ताजा मंजूरी के बाद राज्य के लाखों ग्रामीण परिवारों को पक्का घर मिलने की उम्मीद बढ़ गई है।

इसके अलावा, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 800 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई है, जिसका उपयोग राज्य के ग्रामीण इलाकों में सड़कों के निर्माण और सुधार कार्यों में किया जाएगा। इस योजना से दूरदराज के गांवों में सड़क संपर्क बेहतर होने की उम्मीद है, जिससे आवागमन और व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। ग्रामीण सड़क परियोजनाओं को लेकर पिछले कुछ वर्षों में राज्य और विपक्षी दलों के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर भी देखने को मिला है। ऐसे में यह नई स्वीकृति ग्रामीण बुनियादी ढांचे को मजबूत करने की दिशा में अहम मानी जा रही है।

इसके साथ ही महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत 700 करोड़ की राशि भी मंजूर की गई है। यह योजना राज्य में 100 दिन के रोजगार कार्यक्रम को फिर से गति देने में मदद करेगी, जो जून महीने से पुनः सक्रिय होने की संभावना है। इसके अतिरिक्त पंचायत विभाग के अंतर्गत विभिन्न ग्रामीण पेंशन योजनाओं के लिए 600 करोड़ की राशि भी जारी की गई है, जिससे वृद्धावस्था, विधवा और अन्य सामाजिक सुरक्षा लाभार्थियों को राहत मिलने की उम्मीद है।

दरअसल, यह वित्तीय पैकेज पिछले कुछ वर्षों में पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्रों के लिए केंद्र सरकार की सबसे बड़ी सहायता में से एक है। इन योजनाओं से न केवल ग्रामीण बुनियादी ढांचे में सुधार होगा बल्कि रोजगार सृजन और सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। कुल मिलाकर, केंद्र सरकार की इस घोषणा को पश्चिम बंगाल के ग्रामीण विकास पर बड़ा प्रभाव डालने वाला कदम माना जा रहा है, जिससे आने वाले महीनों में जमीनी स्तर पर बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

कांग्रेस ने महंगाई, बेरोजगारी, शिक्षा में पेपर लीक जैसे मुद्दों को मोदी सरकार की नाकामी बताया

एजेंसी, नई दिल्ली

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के तीसरे कार्यकाल के शपथ ग्रहण की वर्षगांठ पर उज्ज्वला योजना के तहत सब्सिडी वाले सिलेंडरों की संख्या घटाने, महंगाई, अर्थ व्यवस्था, बेरोजगारी, पेपर लीक और किसानों की आत्महत्या जैसे तमाम मुद्दों को लेकर सवाल उठाए । कांग्रेस अनुसंधान विभाग के अध्यक्ष राजीव गौड़ा ने मंगलवार को पार्टी मुख्यालय में पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सरकार दावा करती है कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर बढ़ रहा है, जबकि हकीकत यह है कि भारत चौथी से खिसककर छठी अर्थव्यवस्था बन गया है। रुपये की कमजोरी सरकार की आर्थिक प्रबंधन की असफलता का प्रमाण है। निवेशक भारत से दूर जा रहे हैं और महंगाई लगातार बढ़ रही है।

गौड़ा ने आगे कहा कि मोदी सरकार ने उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को दिए जाने वाले

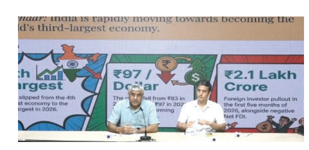

सिलेंडरों की संख्या 9 से घटाकर 4 कर दी है। दस साल पहले महिलाओं को सुरक्षित और स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने का वादा किया गया था और प्रति लाभार्थी 12 सिलेंडर देने की घोषणा की गई थी। पिछले वर्ष इसे घटाकर नौ किया गया और अब चार कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मोदी सरकार के वादे केवल प्रचार तक सीमित हैं और वास्तविकता में जनता को कोई राहत नहीं मिल रही।

कांग्रेस के अनुसंधान एवं निगरानी विभाग के प्रभारी अमिताभ दुबे ने कहा कि साल 2014 से अब तक घरेलू गैस (एलपीजी) की कीमत 123 प्रतिशत, पेट्रोल की कीमत 44 प्रतिशत और डीजल की कीमत 73 प्रतिशत बढ़ चुकी है। दूध और दालों के दाम भी क्रमशः 71 और 84 प्रतिशत बढ़े हैं।

जयंत चौधरी ने 5 नई सोलर कम्युनिटी हब स्किल वैन को दिखाई हरी झंडी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयंत चौधरी ने मंगलवार को पांच नए सोलर कम्युनिटी हब स्किल वैन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इनका मकसद देश में डिजिटल समावेशन और भविष्य के लिए जरूरी स्किलिंग का विस्तार करना है।

भारत में डिजिटल समावेशन और भविष्य के लिए तैयार कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए पांच नए सोलर कम्युनिटी हब स्किल वैन लॉन्च किए हैं। कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्रालय के मुताबिक ये स्किल वैन उत्तर प्रदेश, दिल्ली-एनसीआर, कर्नाटक, तेलंगाना और महाराष्ट्र के समुदायों की सेवा करेंगी। सौर ऊर्जा से चलने वाली प्रौद्योगिकी, एआई-सक्षम शिक्षा और

रोजगार के अवसर सीधे युवाओं, महिलाओं और वंचित आबादी तक पहुंचाएंगी।

इस अवसर पर जयंत चौधरी ने कहा कि सोलर कम्युनिटी हब स्किल वैन भारत के हर कोने तक प्रौद्योगिकी और अवसरों को सुलभ बनाने की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं। उन्होंने कहा कि ये स्किल वैन सिर्फ डिजिटल स्पेस से कहीं अधिक हैं, जो स्वच्छ ऊर्जा, एआई-सक्षम शिक्षा और उद्योग-अनुरूप कौशल विकास को मिलाकर युवाओं को उभरते अवसरों के लिए तैयार करते हैं।

छग कैबिनेट: पावर ट्रांसमिशन कंपनी के आईपीओ को मंजूरी

एजेंसी, रायपुर

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की अध्यक्षता में आज मंगलवार को मंत्रालय (महानदी भवन) में आयोजित कैबिनेट की बैठक में राज्य के विकास, कृषि सुधार, ऊर्जा क्षेत्र, शहरी परिवहन एवं प्रशासनिक पारदर्शिता से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। यह फैसले राज्य की आर्थिक व्यवस्था को मजबूत करने और जनकल्याणकारी योजनाओं को गति देने की दिशा में अहम माने जा रहे हैं। साय कैबिनेट ने छत्तीसगढ़ स्टेट पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड को आईपीओ के माध्यम से स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध करने की सैद्धांतिक सहमति प्रदान की है। इससे कंपनी में पारदर्शिता बढ़ेगी और आम निवेशकों को भागीदारी का अवसर मिलेगा।

सरकार ने इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए कंपनी के संचालक मंडल को अधिकृत किया है।

बैठक में खरीफ 2026 से "कृषक उन्नति योजना" के नए स्वरूप को मंजूरी दी गई है। इसके तहत धान के स्थान पर दलहन, तिलहन, मक्का, कोदो-कुटकी, रागी और कपास जैसी फसलों को अपनाने वाले किसानों को प्रति एकड़ 15,000 की आदान सहायता दी जाएगी। योजना का उद्देश्य फसल विविधीकरण को बढ़ावा देना, किसानों की आय बढ़ाना और जल संरक्षण को प्रोत्साहित करना है।

गरीब एवं पात्र परिवारों को खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए वित्तीय वर्ष 2026-27 में चना वितरण जारी रखने का निर्णय लिया गया है। राज्य नागरिक आपूर्ति निगम को नेकडेक्स-ई-मार्केट (एनइएमएल) ई-ऑक्शन के माध्यम से कम लागत पर चना क्रय की अनुमति दी गई है। साथ ही अप्रैल से जून 2026 तक अवधि विस्तार भी स्वीकृत किया गया है। इस निर्णय से खाद्य एवं पोषण सुरक्षा योजनाओं के तहत पात्र परिवारों को चना वितरण निर्बाध रूप से जारी रहेगा। 'योग' विषय को समाज कल्याण विभाग से हटाकर चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत लाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है। योग, आयुष प्रणाली का अभिन्न अंग है तथा योग शिक्षा, अनुसंधान और उससे संबंधित गतिविधियां राष्ट्रीय स्तर पर आयुष तंत्र के माध्यम से संचालित होती हैं। विषय की प्रकृति और प्रशासनिक समन्वय को ध्यान में रखते हुए इसे चिकित्सा शिक्षा विभाग के अधीन किए जाने का निर्णय लिया गया है। इससे योग से संबंधित शैक्षणिक, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान गतिविधियों का बेहतर समन्वय और प्रभावी संचालन सुनिश्चित हो सकेगा। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए पेमेंट सिक्योरिटी मैकेनिज्म (पीएसएम) स्कीम के अंतर्गत डायरेक्ट डेबिट मैंडेट (डीडीएम) की सहमति भारत सरकार को प्रेषित करने की अनुमति प्रदान की है।

टारगेट भ्रष्टाचार ज़ीरो टॉलरेंस @ 2029 -भारत में भ्रष्टाचार- विरोधी कानूनों, नियमों और सेवा विनियमों की धाराओं में लीकेज का प्रश्न?- सख़्त संशोधन की तात्कालिक आवश्यकता?

लोकतंत्र की शान

» भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों में लीकेज का प्रश्नः कालाहांडी उड़ीसा के आईएएस अधिकारी धीमान चकमा की पुर्ननियुक्ति व इंजीनियर बैकुंठ नाथ बेहरा के मामलों से उठते गंभीर सवाल?

» भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रमुख कानूनी अधिनियमों नियमों विनिममों क़े ढांचे में अभियोजन स्वीकृति, धाराओं में लीकेज से निलंबन समाप्त, सेवा बहाल लाभ गंभीर त्रुटियां-जनता का विश्वास बनाए रखने के लिए कठोर संशोधन अनिवार्य? -एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और लोकतांत्रिक शासन की सफलता का सबसे महत्वपूर्ण आधार जनता का सरकार तथा प्रशासनिक तंत्र पर विश्वास होता है।जब कोई सरकारी अधिकारी या लोकसेवक भ्रष्टाचार के आरोपों में गिरफ्तार होता है, उसके खिलाफ जांच होती है, अदालतों में मामला चलता है, और फिर वर्षों बाद तकनीकीआधारों प्रक्रियागत कमियों या साक्ष्यों की कमजोरियों के कारण वह दंडित होने के बजाय पुनःसेवा में लौट आता है, या फ़िर अधिनियमों नियमों विनियमों सेवा शर्त अधिनियम में ही ऐसी धाराएं उल्लेखित हो जिसमें कुछ समय के बाद उसकी फ़िर नियुक्ति संभव हो जाती है तब आम नागरिकों के मन में यह प्रश्न उठना स्वाभाविक है कि क्या भ्रष्टाचार-विरोधी व्यवस्था वास्तव में प्रभावी है? आज हम यह प्रश्न इसीलिए उठा रहे हैं क्योंकि जून माह के प्रथम सप्ताह में ओडिशा के दो चर्चित भ्रष्टाचार मामलों ने भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली और उसकी कानूनी सीमाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं। हाल के वर्षों में विभिन्न राज्यों में ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जिनमें भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बावजूद अंतिम दोषसिद्धि नहीं हो सकी अथवा अभियोजन प्रक्रिया कमजोर पड़ गई। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं एक वकील होने के नाते लंबे समय से यह महसूस कर रहा हूं तथा केंद्र व राज्य सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं कि इससे यह धारणा मजबूत होती ज़ा रही है कि वर्तमान भ्रष्टाचार- निरोधी कानूनों, नियमों,विनियमों तथा सेवा अनुशासन संबंधी प्रावधानों में अनेक प्रक्रियात्मक कमियां और कानूनी लीकेज मौजूद हैं, जिनका लाभ आरोपी अधिकारियों को मिल जाता है।इसलिए समय की मांग है कि भ्रष्टाचार विरोधी लंबी लंबी बातें करने जनजागरण जनजाग़रण करने अनेक सभाओं में भ्रष्टाचार को समाप्त करने की डीगें हाकने के बजाय इन कानूनों और नियमों की व्यापक समीक्षा कर उन्हें वर्तमान परिस्थितियों के अनुरूप अधिक कठोर, पारदर्शी और परिणामोन्मुख तथा पिछले जजमेंट, जिसमें भ्रष्टाचार के आरोपी छूट गए हैं उन कमियों का अध्ययन कर उसके आधार पर विभिन्न नियमों व नियमों धाराओं के लीकेज को संशोधित कर आधुनिक डिजिटल इलेक्ट्रॉनिक युग के अनुसार बनाया जाए ताकि भ्रष्टाचार में फंसे व्यक्ति को छूटने यानें एक्विट्टल होने की कोई उम्मीद ना बचे। साथियों मीडिया में आई रिपोर्ट्स के अनुसार ओडिशा के दो चर्चित भ्रष्टाचार मामलों ने भारतीय प्रशासनिक व्यवस्था की कार्यप्रणाली और उसकी कानूनी सीमाओं पर गंभीर प्रश्न खड़े कर दिए हैं।पहला मामला 2021 बैच के आईएएस अधिकारी एवं तत्कालीन धर्मगढ़ उपजिलाधिकारी धीमान चकमा का है, जिन्हें जून 2025 में ओडिशा विजिलेंस विभाग ने कथित रूप से एक व्यवसायी से 10 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। जांच एजेंसियों के अनुसार उन पर कुल 20 लाख रुपये की रिश्वत मांगने का आरोप था तथा गिरफ्तारी के बाद उनके सरकारी आवास से लगभग 47 लाख रुपये की अतिरिक्त नकदी भी बरामद की गई।गिरफ्तारी के बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया और भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत मामला दर्ज हुआ। इसके बावजूद न्यायिक प्रक्रिया लंबित रहने तथा अंतिम दोषसिद्धि न होने के कारण बाद में उन्हें पुनः सेवा में बहाल कर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग में उप सचिव के पद पर नियुक्त किया गया है दूसरा मामला सहायक कार्यपालक अभियंता बैकुंठ नाथ बेहरा का है, जिनके विरुद्ध 2026 में आय से अधिक संपत्ति की जांच के दौरान ओडिशा विजिलेंस ने कई स्थानों पर छापेमारी की। जांच में उनके पास से 2 करोड़ रुपये से अधिक नकदी, सैकड़ों ग्राम सोना,अनेक बैंक जमा, पांच बहुमंजिला इमारतें तथा 13 से अधिक भूखंड मिलने के आरोप सामने आए। बताया गया कि उन्होंने 1999 में मात्र 6000 रुपये मासिक वेतन पर जूनियर इंजीनियर के रूप में सेवा शुरू की थी, जबकि छापों में करोड़ों रुपये की संपत्तियों का खुलासा हुआ।बाद में उन्हें भी गिरफ्तार किया गया और मामले की जांच जारी है। इन दोनों घटनाओं ने यह बहस तेज कर दी है कि भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों के बावजूद भारतीय सेवा नियमों में अंतिम न्यायिक निर्णय से पहले अधिकारियों को स्थायी रूप से सेवा से पृथक करना कठिन क्यों है तथा क्या वर्तमान व्यवस्था में ऐसे प्रक्रियागत छिद्र मौजूद हैं जिनका लाभ आरोपी अधिकारी सटीकता से उठा सकते हैं। साथियों भारत में भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रमुख कानूनी ढांचा मुख्यतः भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम,1988 (प्रेवेंशन ऑफ़ करप्शन एक्ट,1988), लोकपाल एवं लोकायुक्त अधिनियम, 2013, केंद्रीय सतर्कता आयोग अधिनियम, 2003, केंद्रीय सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण एवं अपील) नियम, विभिन्न राज्य सेवा नियम, ऑल इंडिया सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स,1969,भारतीय न्याय संहिता (पूर्व में भारतीय दंड संहिता), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम (अब भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 2023) आदि से मिलकर बनता है। इन सभी का उद्देश्य लोकसेवकों को जवाबदेह बनाना और भ्रष्टाचार को दंडित करना है। किंतु व्यवहार में देखा गया है कि दोषसिद्धि की दर अपेक्षाकृत कम रहती है, जिसके कारण इन व्यवस्थाओं की प्रभावशीलता पर प्रश्न उठते हैं। साथियों, भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम में सबसे अधिक चर्चा अभियोजन स्वीकृति (सेंशनस फॉर प्रोसेक्युशन) से जुड़ी रही है। किसी लोकसेवक के विरुद्ध मुकदमा चलाने से पहले सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति आवश्यक होती है। मूल उद्देश्य ईमानदार अधिकारियों को दुर्भावनापूर्ण मुकदमों से बचाना था,किंतु अनेक मामलों में यह प्रावधान संभवत मिली भगत से मुकदमा चलाने में देरी या अवरोध का कारण बनता है। कई बार स्वीकृति देने में महीनों अथवा वर्षों का समय लग जाता है, जिससे साक्ष्य कमजोर हो जाते हैं और जांच प्रभावित होती है। सुधार के रूप में यह विचार किया जा सकता है कि निर्धारित समय-सीमा के भीतर स्वीकृति न मिलने पर उसे स्वीकृत माना जाए तथा स्वीकृति प्रक्रिया को डिजिटल और पारदर्शी बनाया जाए।दूसरी बड़ी समस्या जांच और अभियोजन एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी है। कई मामलों में जांच एजेंसी द्वारा एकत्रित साक्ष्य न्यायालय में अभियोजन के दौरान प्रभावी ढंग से प्रस्तुत नहीं किए जा पाते। गवाह मुकर जाते हैं, दस्तावेजी श्रृंखला टूट जाती है या तकनीकी त्रुटियों के कारण साक्ष्य स्वीकार्य नहीं रह जाते। परिणामस्वरूप आरोपी को संदेह का लाभ मिल जाता है।इसलिए विशेष भ्रष्टाचार न्यायालयों में प्रशिक्षित अभियोजकों, डिजिटल साक्ष्य विशेषज्ञों और वित्तीय जांच विशेषज्ञों की नियुक्ति आवश्यक है।

साथियों, ऑल इंडिया सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स,1969 तथा अन्य सेवा नियमों का उद्देश्य प्रशासनिक अनुशासन बनाए रखना है। किंतु इन नियमों में भी कुछ ऐसे प्रावधान हैं जिनके कारण विभागीय कार्रवाई और आपराधिक मुकदमा अलग- अलग दिशाओं में चलते हैं। कई बार आपराधिक मुकदमा लंबित होने के बावजूद अधिकारी विभागीय प्रक्रिया में राहत प्राप्त कर लेते हैं। कुछ परिस्थितियों में निलंबन समाप्त हो जाता है, पदोन्नति पर विचार किया जाता है या सेवा लाभ बहाल हो जाते हैं। यद्यपि यह प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के अनुरूप हो सकता है, लेकिन जनता की दृष्टि में यह संदेश जाता है कि गंभीर आरोपों के बावजूद अधिकारी को लाभ मिल रहा है। इसलिए आवश्यक है कि गंभीर भ्रष्टाचार मामलों में अंतिम निर्णय तक पदोन्नति और संवेदनशील पदों पर नियुक्ति के संबंध में अधिक स्पष्ट और सटीकता से कठोर दिशानिर्देश बनाए जाएं। साथियों, भ्रष्टाचार मामलों में एक अन्य प्रमुख समस्या मुकदमों का अत्यधिक लंबा चलना है। कई मामलों में जांच, आरोपपत्र, सुनवाई और अंतिम निर्णय में दस से पंद्रह वर्ष तक लग जाते हैं। इस अवधि में गवाहों की स्मृति कमजोर हो जाती है, कुछ गवाह उपलब्ध नहीं रहते और साक्ष्य की गुणवत्ता प्रभावित होती है। न्यायिक विलंब अंततः आरोपी और अभियोजन दोनों के लिए समस्या बन जाता है। इसलिए विशेष भ्रष्टाचारन्यायालयों को समयबद्ध सुनवाई की कानूनी बाध्यता दी जानी चाहिए, जैसा कि कुछ अन्य विशेष कानूनों में किया गया है।संपत्ति के अनुपातहीन अर्जन (डिस्प्रिपोरशनेट एसेट्स) के मामलों में भी कई बार तकनीकी विवाद उत्पन्न हो जाते हैं।आय के स्रोतों की व्याख्या, पारिवारिक संपत्ति, उपहार, निवेश तथा अन्य वित्तीय लेन-देन को लेकर लंबी बहस चलती है।आधुनिक वित्तीय अपराधों को देखते हुए वित्तीय फॉरेंसिक ऑडिट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित लेन-देन विश्लेषण और डिजिटल संपत्ति ट्रैकिंग को कानूनी रूप से अधिक महत्व दिया जाना चाहिए। इससे भ्रष्टाचार के जटिल मामलों में जांच अधिक प्रभावी हो सकती है। साथियों, भ्रष्टाचार के मामलों में गवाह संरक्षण भी एक महत्वपूर्ण विषय है। कई बार शिकायतकर्ता या गवाह दबाव, भय या प्रलोभन के कारण अपने बयान बदल देते हैं। यदि गवाहों को पर्याप्त सुरक्षा, पहचान की गोपनीयता और कानूनी संरक्षण मिले तो अभियोजन की सफलता की संभावना बढ़ सकती है।विकसित देशों में व्हिसलब्लोअर संरक्षण प्रणाली ने भ्रष्टाचार उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत में भी इस क्षेत्र में और अधिक मजबूती की आवश्यकता है।लोकपाल, लोकायुक्त और सतर्कता संस्थाओं की स्वतंत्रता भी भ्रष्टाचार-विरोधी व्यवस्था की सफलता का महत्वपूर्ण आधार है। यदि जांच एजेंसियां प्रशासनिक या राजनीतिक प्रभाव से मुक्त नहीं होंगी, तो जनता का विश्वास प्रभावित होगा। इसलिए इन संस्थाओं को पर्याप्त संसाधन, तकनीकी क्षमता और संस्थागत स्वतंत्रता प्रदान करना आवश्यक है।यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में केवल आरोप लगना और दोषसिद्धि होना दो अलग-अलग बातें हैं। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को निष्पक्ष सुनवाई और निर्दोष माने जाने का अधिकार देता है। इसलिए किसी भी सुधार का उद्देश्य न्यायिक प्रक्रिया को कमजोर करना नहीं होना चाहिए। कठोरता और न्याय के बीच संतुलन बनाए रखना आवश्यक है। यदि केवल जनभावना के आधार पर दंडात्मक व्यवस्था बनाई जाएगी तो निर्दोष अधिकारियों को भी नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए सुधारों का आधार प्रमाण, पारदर्शिता और विधिसम्मत प्रक्रिया होना चाहिए।

साथियों,भविष्य की भ्रष्टाचार-विरोधी नीति में तकनीक का उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। ई- गवर्नेंस,डिजिटल फाइल ट्रैकिंग, ब्लॉकचेन आधारित रिकॉर्ड प्रबंधन, ऑनलाइन निविदा प्रणाली, रियल-टाइम ऑडिट और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित जोखिम विश्लेषण भ्रष्टाचार की संभावनाओं को कम कर सकते हैं। विश्व के कई देशों ने मानव विवेकाधिकार को सीमित करके और प्रक्रियाओं को डिजिटल बनाकर भ्रष्टाचार में उल्लेखनीय कमी की है।यदि भारत को 21वीं सदी की वैश्विक आर्थिक शक्ति बनना है, तो केवल नए कानून बनाना पर्याप्त नहीं होगा। आवश्यक है कि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, लोकपाल व्यवस्था, सतर्कता तंत्र, सेवा अनुशासन नियमों तथा ऑल इंडिया सर्विसेज (डिसिप्लिन एंड अपील) रूल्स, 1969 की व्यापक समीक्षा की जाए। अभियोजन स्वीकृति, विभागीय कार्रवाई, पदोन्नति, निलंबन, गवाह संरक्षण, डिजिटल साक्ष्य, समयबद्ध न्याय और संपत्ति जब्ती जैसे क्षेत्रों में आधुनिक आवश्यकताओं के अनुरूप संशोधन किए जाएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि निर्दोष व्यक्ति को अनावश्यक दंड न मिले और दोषी व्यक्ति कानूनी तकनीकीताओं का अनुचित लाभ लेकर बच न सके। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ाई केवल कानूनों की कठोरता से नहीं जीती जा सकती, बल्कि उनकी प्रभावी क्रियान्वयन क्षमता, त्वरित न्याय, निष्पक्ष जांच और जनता के विश्वास से जीती जाती है। जब आम नागरिक यह महसूस करेगा कि भ्रष्टाचार का आरोपी चाहे कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, कानून के समक्ष उत्तरदायी होगा और दोष सिद्ध होने पर निश्चित दंड प्राप्त करेगा, तभी लोकतांत्रिक संस्थाओं में विश्वास मजबूत होगा। इसलिए वर्तमान समय में भ्रष्टाचार-विरोधी कानूनों, नियमों, विनियमों और सेवा नियमों की गहन समीक्षा तथा आवश्यक संशोधन केवल प्रशासनिक आवश्यकता नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक विश्वसनीयता और सुशासन की अनिवार्य शर्त बन चुके हैं।

-संकलनकर्ता लेखक - क्रर विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए (एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र 9284141425

मूर्खता अनलिमिटेड

(डॉ. जया शुक्ला जी द्वारा प्रेषित)

मूर्खता इन बारह वर्षों में खूब फल-फूल रही है। वर्ष 2014 से पहले मूर्खता उपेक्षित और लांछित मानी जाती थी। मूर्ख लोग भी स्वयं को बुद्धिमान सिद्ध करने का प्रयास करते थे, लेकिन अब यदि कोई बुद्धिमान व्यक्ति कहीं दिखाई भी दे जाए तो वह भी मूर्ख दिखने में ही अपनी भलाई और उज्ज्वल भविष्य समझता है। यह एक बड़ा परिवर्तन है, और जो इसका श्रेय महामानव जी को देना नहीं चाहता, वह निश्चित रूप से देशद्रोही, अधम और अज्ञानी घोषित कर दिया जाता है। कल महामानव जी को समारोहपूर्वक नेहरू जी से बड़ा सिद्ध करने का प्रयास किया जाएगा। मूर्खता सिर चढ़कर बोल रही है, इसलिए सोशल मीडिया पर यह दावा किया जा रहा है कि महामानव जी के पिता अंग्रेजों से लड़ते हुए शहीद हुए थे, जबकि उनका जन्म सितंबर 1950 में हुआ था। कंगना रनौत भले ही इसे न मानें—और इसके लिए उन पर कोई दबाव भी नहीं है—लेकिन यह तथ्य है कि 1950 तक भारत न केवल स्वतंत्र हो चुका था, बल्कि अपना पहला गणतंत्र दिवस भी मना चुका था। मूर्खता का ही प्रभाव है कि कंगना जी समय-समय पर ऐसी 'ज्ञानवर्धक जानकारियाँ' देती रहती हैं, जो देश का मनोरंजन करती हैं। हाल ही में उन्होंने कथित रूप से कहा कि केवल 'वर्जिन गाय' को ही गौमाता माना जाना चाहिए। मूर्खता का राज ही है कि भाजपा की प्रवक्ता नाजिया इलाही खान मुसलमानों को दो-तीन वर्षों तक सरकारी और निजी क्षेत्र की नौकरियों से दूर रखने की बात कहती हैं, क्योंकि उनके अनुसार मुसलमान 'आईएसआई एजेंट' हैं। इसी प्रकार दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का यह कथन भी चर्चा में है कि पानी की कमी इसलिए हो रही है क्योंकि गर्मी के कारण पानी भाप बनकर उड़ रहा है। मूर्खता का विजय अभियान इतना आगे बढ़ चुका है कि बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा अपने राज्य को इतना 'स्वस्थ' बनाना चाहते हैं कि अस्पताल और मेडिकल कॉलेज बंद होने की स्थिति में पहुंच जाएँ। वहीं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी हर विषय के लिए अलग-अलग विश्वविद्यालय स्थापित करने का रिकॉर्ड बनाना चाहते हैं। यदि चाहें तो गिरिराज सिंह जैसे नेताओं के अनेक उदाहरण देकर इस सूची को और लंबा किया जा सकता है। इधर राजनाथ सिंह भी समय-समय पर रोचक और मनोरंजक वक्तव्यों के लिए चर्चा में रहते हैं। योगी आदित्यनाथ सहित विभिन्न मुख्यमंत्रियों के बयानों और धमकियों पर तो सैकड़ों पृष्ठ लिखे जा सकते हैं। यह विषय वास्तव में "हरि अनंत, हरि कथा अनंता" जैसा है। यदि इस कथा को लिखने का प्रयास महर्षि वाल्मीकि या गोस्वामी तुलसीदास भी करते, तो संभवतः उन्हें भी कठिनाई होती। हमारी तो उनके सामने किसी खेत की मूली के बराबर भी हैसियत नहीं है। मूर्खता अनलिमिटेड है, बाकी सब लिमिटेड है।

(डॉ. जया शुक्ला जी द्वारा प्रेषित)

नेत्रदानः अंधकार से प्रकाश की ओर सबसे बड़ा सेतु

लेखक- ललित गर्ग

मानव जीवन में आंखों का महत्व केवल देखने तक सीमित नहीं है, बल्कि वे हमारी चेतना, संवेदना, ज्ञान और जीवन के सौंदर्य का द्वार हैं। आंखों के माध्यम से ही हम प्रकृति की विविधता, परिवार का स्नेह, समाज की गतिविधियों और संसार की अनंत संभावनाओं का अनुभव करते हैं। इसलिए दृष्टि का अभाव केवल शारीरिक अक्षमता नहीं, बल्कि जीवन के अनेक आयामों से वंचित हो जाने की पीड़ा है। ऐसे में नेत्रदान केवल एक चिकित्सकीय प्रक्रिया नहीं, बल्कि किसी अंधेरे जीवन में प्रकाश भरने वाला महान मानवीय और आध्यात्मिक उपक्रम है। प्रतिवर्ष 10 जून को मनाया जाने वाला 'विश्व नेत्रदान दिवस' हमें यह स्मरण कराता है कि मृत्यु के बाद भी हमारा अस्तित्व किसी अन्य व्यक्ति के जीवन में रोशनी बनकर जीवित रह सकता है। यह दिवस केवल जागरूकता का अवसर नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना, सामाजिक उत्तरदायित्व और परोपकार की संस्कृति को सशक्त करने का अभियान है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार दुनिया में करोड़ों लोग दृष्टिबाधिता और अंधता से प्रभावित हैं। भारत में भी लाखों लोग कॉर्निया संबंधी रोगों के कारण दृष्टि खो चुके हैं। विशेष चिंता की बात यह है कि कॉर्निया की खराबी से होने वाली अंधता के अनेक मामलों का उपचार संभव है, किंतु पर्याप्त नेत्रदान न होने के कारण लाखों मरीज वर्षों तक प्रतीक्षा सूची में बने रहते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार कॉर्निया प्रत्यारोपण चिकित्सा विज्ञान की सबसे सफल प्रत्यारोपण प्रक्रियाओं में से एक है, जिसकी सफलता दर 95 से 98 प्रतिशत तक मानी जाती है। इसके बावजूद देश में आवश्यकता की तुलना में उपलब्ध कॉर्निया की संख्या बहुत कम है। हर वर्ष लाखों लोगों को कॉर्निया की जरूरत होती है, लेकिन दान की संख्या अपेक्षाकृत बहुत कम रहती है। यह स्थिति बताती है कि समस्या चिकित्सा संसाधनों की नहीं, बल्कि जागरूकता और सामाजिक संकल्प की है। भारतीय संस्कृति में दान को धर्म का आधार माना गया है। अन्नदान भूख मिटाता है, वस्त्रदान शरीर को ढंकता है, धनदान आर्थिक सहायता देता है, किंतु नेत्रदान किसी व्यक्ति को जीवन का नया अनुभव प्रदान करता है। इसीलिए इसे महादान या जीवनदान की श्रेणी में रखा गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपनी आंखें दान करता है, तब वह केवल एक अंग नहीं देता, बल्कि किसी अंधे व्यक्ति को संसार देखने का अवसर प्रदान करता है। वह किसी बच्चे को शिक्षा का मार्ग, किसी युवा को रोजगार की संभावना और किसी वृद्ध को आत्मनिर्भरता की शक्ति देता है। यह दान ऐसा है जिसमें दाता को कोई हानि नहीं होती, लेकिन प्राप्तकर्ता का संपूर्ण जीवन बदल जाता है। भारतीय परंपरा में महर्षि दधीचि का उदाहरण त्याग और देहदान की सर्वोच्च मिसाल माना जाता है। उन्होंने लोककल्याण के लिए अपना शरीर समर्पित किया था। नेत्रदान उसी परंपरा की आधुनिक अभिव्यक्ति है। यह मृत्यु के बाद भी मानवता की सेवा का अवसर प्रदान करता है। वास्तव में नेत्रदान वह पुण्य है जिसमें दाता का शरीर समाप्त हो जाता है, किंतु उसकी दृष्टि किसी और के जीवन में प्रकाश बनकर जीवित रहती है। आधुनिक चिकित्सा विज्ञान ने नेत्रदान की उपयोगिता को और अधिक व्यापक बना दिया है। पहले एक दाता की दोनों आंखों से केवल दो व्यक्तियों को लाभ मिलता था, किंतु नई तकनीकों के माध्यम से एक कॉर्निया के विभिन्न भागों का उपयोग करके अधिक लोगों की सहायता संभव हो रही है। आज एक नेत्रदाता कई व्यक्तियों के जीवन में प्रकाश ला सकता है। महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नेत्रदान के लिए किसी विशेष आयु की आवश्यकता नहीं होती। 80 या 90 वर्ष की आयु वाले व्यक्ति की आंखें भी उपयोगी हो सकती हैं। चश्मा पहनने वाले, मधुमेह या उच्च रक्तचाप से पीड़ित व्यक्ति भी अधिकांश स्थितियों में नेत्रदान कर सकते हैं। यह भ्रांति कि केवल पूर्णतः स्वस्थ व्यक्ति ही नेत्रदान कर सकते हैं, पूरी तरह गलत है। मृत्यु के बाद 4 से 6 घंटे के भीतर कॉर्निया सुरक्षित निकाल लिया जाता है और पूरी प्रक्रिया अत्यंत सम्मानपूर्वक संपन्न होती है। इससे मृतक के चेहरे की बनावट में कोई विकृति नहीं आती और अंतिम संस्कार में भी कोई बाधा नहीं होती। नेत्रदान को बढ़ावा देने में सबसे बड़ी बाधा सामाजिक मिथक और अंधविश्वास हैं। अनेक लोग मानते हैं कि नेत्रदान करने से मृत शरीर विकृत हो जाता है या अगले जन्म में आंखें नहीं मिलेंगी। कुछ लोग यह भी सोचते हैं कि वृद्ध व्यक्तियों अथवा चश्मा पहनने वालों की आंखें उपयोगी नहीं होतीं। चिकित्सा विज्ञान ने इन धारणाओं को पूरी तरह निराधार सिद्ध कर दिया है। आवश्यकता इस बात की है कि समाज वैज्ञानिक तथ्यों को स्वीकार करे और अंधविश्वासों से मुक्त होकर मानवता के इस महान अभियान से जुड़े। नेत्रहीनता केवल व्यक्तिगत समस्या नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक चुनौती भी है। दृष्टिबाधिता व्यक्ति की शिक्षा, रोजगार और आत्मनिर्भरता को प्रभावित करती है। इससे परिवार पर आर्थिक बोझ बढ़ता है और समाज की उत्पादक क्षमता भी घटती है। विभिन्न अध्ययनों से स्पष्ट हुआ है कि दृष्टिबाधिता के कारण देश को प्रतिवर्ष अरबों रुपये की आर्थिक क्षति होती है। यदि कॉर्निया अंधता से पीड़ित लोगों को समय पर प्रत्यारोपण उपलब्ध हो जाए, तो वे पुनः शिक्षा, रोजगार और सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी कर सकते हैं। इस प्रकार नेत्रदान केवल मानवीय सेवा नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण का भी माध्यम है। सभी प्रमुख धर्म मानव सेवा को सर्वोच्च धर्म मानते हैं। किसी भी धर्मग्रंथ में नेत्रदान या अंगदान का निषेध नहीं है। इसके विपरीत, परोपकार, दया और करुणा को आध्यात्मिक उन्नति का आधार बताया गया है। जब कोई व्यक्ति मृत्यु के बाद अपने नेत्र दान करता है, तो वह यह संदेश देता है कि जीवन केवल अपने लिए नहीं, बल्कि दूसरों के लिए भी जिया जाना चाहिए। यह भावना व्यक्ति को संकीर्ण स्वार्थ से ऊपर उठाकर व्यापक मानवता से जोड़ती है। वास्तव में नेत्रदान ईश्वर की सृष्टि के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का एक श्रेष्ठ माध्यम है। आज आवश्यकता है कि नेत्रदान को केवल एक स्वास्थ्य कार्यक्रम न मानकर सामाजिक एवं नैतिक आंदोलन के रूप में देखा जाए। परिवारों में इस विषय पर खुलकर चर्चा हो, युवाओं को इसके प्रति प्रेरित किया जाए और प्रत्येक नागरिक मृत्यु के उपरांत नेत्रदान का संकल्प ले। यदि समाज का एक बड़ा वर्ग इस दिशा में आगे आता है तो देश में कॉर्निया अंधता की समस्या को काफी हद तक समाप्त किया जा सकता है। नेत्रदान को जन-आंदोलन बनाने में विभिन्न सामाजिक संगठनों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है। विशेष रूप से 'लायन्स क्लब नई दिल्ली अलकनंदा' तथा 'लायन्स इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट 321 ए-1' ने इस क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया है। विगत कई दशकों से इन संस्थाओं द्वारा नेत्रदान जागरूकता अभियान, नेत्रदान संकल्प-पत्र भरवाने, नेत्र चिकित्सा शिविरों के आयोजन तथा आई बैंकों के साथ समन्वय स्थापित करने जैसे अनेक रचनात्मक कार्य किए जा रहे हैं। लायन्स इंटरनेशनल का वैश्विक सेवा अभियान 'साइट फर्स्ट' दृष्टि संरक्षण एवं अंधत्व निवारण की दिशा में विश्व का सबसे बड़ा स्वैच्छिक कार्यक्रम माना जाता है।

भतीजे अभिषेक के मोह में ममता दीदी की पार्टी बिखर गयी

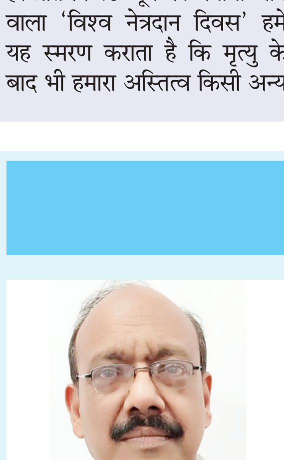

लेखक- मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि अति सर्वत्र वर्जिते यानि इंसान का अपने ज्ञान और ताकत पर अधिक घमंड पतन का कारण बन जाता है ममता बनर्जी के साथ भी यही हुआ है दीदी ने अपनी पार्टी तृणमूल कांग्रेस को वनमैन शो बतौर माना और अपने साथियों को फोलौवर समझा यही उनके खिलाफ असंतोष का कारण बन गया दीदी अपने पार्टी के कुनवे को ही संभाल कर नही रख सकी सत्ता से बाहर होते ही उनके खास सिपहसलार ही उनके खिलाफ मुखर हो गए हैं दरअसल भतीजे अभिषेक बनर्जी का मोह और अपना राजनीतिक उत्तराधिकारी बनाने की चाहत इस असंतोष के पीछे की खास वजह बन गई। आपको बता दें पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की राजनीतिक और कानूनी परेशानियां मई 2026 में हुए विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस की हार के बाद से लगातार बढ़ रही हैं। पार्टी के भीतर बड़ी बगावत और कानूनी मुकदमों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं।ताज़ा घटनाक्रम में तृणमूल कांग्रेस में एक बड़ा राजनीतिक संकट सामने आया है। टीएमसी के कुल 28 लोकसभा सांसदों में से 20 सांसदों ने बगावत कर दी है और एनडीए के साथ गठबंधन करने की इच्छा व्यक्त की है।इस विभाजन और दलबदल से जुड़ी जानकारी के अनुसार बागी सांसदों ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला को पत्र भेजकर संसद में अलग बैठने और मान्यता देने की मांग की है। इस पूरे घटनाक्रम में टीएमसी सांसद काकुली घोष, सुवेंदु अधिकारी और अन्य नेताओं का नाम सामने आ रहा है। आपको पता रहे कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस अपने 28 साल के इतिहास के सबसे बड़े आंतरिक संकट से जूझ रही है। पार्टी के 58 विधायकों ने बागी रुख अपनाते हुए निष्कासित नेता ऋतब्रत बनर्जी को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष चुन लिया है, जिसे विधानसभा स्पीकर ने मंजूरी भी दे दी है। पार्टी पर पकड़ ढीली होने का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि संकट के बीच ममता बनर्जी द्वारा बुलाई गई हाई-लेवल बैठक में 80 में से केवल 8 विधायक और 41 में से सिर्फ 6 सांसद ही शामिल हुए। ज्यादातर निर्वाचित प्रतिनिधियों ने इस बैठक से दूरी बना ली, जो उनके नेतृत्व को एक सीधा चैलेंज माना जा रहा है। राजनीतिक मोर्चे के साथ-साथ ममता बनर्जी अब कानूनी पचड़े में भी फंस गई हैं। चुनाव के दौरान दिए गए उनके बयानों और बांग्लादेश में हुई राजनीतिक हत्या के मामले को केंद्र सरकार से जोड़ने को लेकर उनके खिलाफ सिलीगुड़ी और कोलकाता में राजद्रोह और हेट स्पीच की शिकायतें व पुलिस रिपोर्ट दर्ज कराई गई हैं। याचिकाकर्ताओं ने इसे देश की संप्रभुता और राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बताया है। आपको बता दें सत्ता हाथ से जाने के बाद जमीनी स्तर पर भी भ्रष्टाचार के आरोपों के कारण भगदड़ मची हुई है। उनके बेहद करीबी माने जाने वाले कोलकाता के मेयर फिरहाद हकीम और बिधाननगर की मेयर कृष्णा चक्रवर्ती ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया है। इसके अलावा राज्यभर में 100 से ज्यादा टीएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है।

सिराज: टी-20 सीरीज से बाहर

● आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ हुआ था चयन ● BCCI ने प्रसिद्ध कृष्णा को शामिल किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को आगामी आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज से बाहर कर दिया गया है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने बताया कि सिराज को वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आराम दिया गया है। उनकी जगह तेज गेंदबाज प्रसिद्ध कृष्णा को दोनों टी-20 सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया है। बीसीसीआई सचिव देवाजीत सैकिया की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि यह फैसला टीम मैनेजमेंट और मेडिकल टीम के साथ चर्चा के बाद लिया गया है। मोहम्मद सिराज को लंबे अंतरराष्ट्रीय सीजन को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त रिकवरी का समय देने के लिए आराम दिया गया है। बीसीसीआई ने इसे एहतियाती कदम बताया है ताकि वह आने वाले मुकाबलों के लिए पूरी तरह फिट रह सकें। मोहम्मद सिराज पिछले कुछ समय से भारतीय टीम के अहम तेज गेंदबाजों में शामिल रहे हैं। उन्होंने अपनी रफ्तार, स्विंग और आक्रामक गेंदबाजी से टीम के लिए कई महत्वपूर्ण मुकाबलों में योगदान दिया है। हालांकि, लगातार क्रिकेट खेलने के कारण खिलाड़ियों के वर्कलोड को मैनेज करना टीम मैनेजमेंट की प्राथमिकता बनी हुई है। मोहम्मद सिराज की जगह टीम में शामिल किए गए प्रसिद्ध कृष्णा लंबे समय से भारतीय टीम के साथ जुड़े रहे हैं। उनकी तेज गेंदबाजी और उछाल भरी पिचों पर प्रभावी प्रदर्शन करने की क्षमता को देखते हुए चयनकर्ताओं ने उन्हें मौका दिया है। आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20सीरीज के लिए भारतीय टीम में कई युवा खिलाड़ियों को भी जगह दी गई है। टीम की कमान श्रेयस अय्यर को सौंपी गई है, जबकि तिलक वर्मा को उपकप्तान बनाया गया है। टीम में अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, इशान किशन, शिवम दुबे, नितीश कुमार रेड्डी जैसे खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है।

गेंदबाजी विभाग में अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई और अब प्रसिद्ध कृष्णा टीम का हिस्सा होंगे। भारतीय टीम का लक्ष्य युवा खिलाड़ियों को मौका देने के साथ-साथ आगामी बड़े अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के लिए मजबूत संयोजन तैयार करना होगा।

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ T20- सीरीज के लिए भारतीय टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), इशान किशन (विकेटकीपर), शिवम दुबे, तिलक वर्मा (उप कप्तान), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, वरुण चक्रवर्ती, रवि बिश्नोई, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी, प्रसिद्ध कृष्णा।

खतरे में स्टोक्स की कप्तानी

● न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के बाद नाइट क्लब में बवाल

एटकिंसन भी थे साथ

नई दिल्ली। इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान के तौर पर बेन स्टोक्स का भविष्य संकट में है। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में हुई घटना की जांच कर रहा है। स्टोक्स के साथ गस एटकिंसन भी थे। वह भी जांच की घेरे में हैं। ईसीबी ने इस घटना को 'टीम प्रोटोकॉल का उल्लंघन' बताया है, जो लॉर्ड्स में पहले टेस्ट में न्यूजीलैंड के खिलाफ इंग्लैंड की 115 रन की जीत के बाद हुई। ईएसपीएनक्रिकइंफो को पता चला है कि मामला इतना गंभीर है कि स्टोक्स की कप्तान जा सकती है। ईसीबी ने सोमवार शाम को कहा कि इस घटना को क्रिकेट नियामक को भेज दिया गया है और जांच के कारण स्टोक्स और एटकिंसन 17 जून को द ओवल में शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट से बाहर हो सकते हैं। इस घटना में किसी भी खिलाड़ी को चोट नहीं आई। माना जा रहा है कि इस घटना में सारासेन्स रग्बी क्लब के खिलाड़ी शामिल थे, जो अपने सीजन के आखिर के जश्न में मौजूद थे।

ईसीबी का बयान

घटना एटकिंसन और एक अनजान एकेडमी के खिलाड़ी के बीच हुए झगड़े की वजह से हुई। ईसीबी ने बयान में कहा, 'ईसीबी अभी न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के खत्म होने के बाद टीम प्रोटोकॉल के उल्लंघन की जांच कर रहा है। बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन सोमवार सुबह एक नाइट क्लब में मौजूद थे, जब यह घटना हुई। हम अभी और जानकारी ढूंढ रहे हैं और दूसरे टेस्ट के लिए टीम के बारे में सही समय पर घोषणा की जाएगी। क्रिकेट नियामक को बता दिया गया है और जब भी मुमकिन होगा हम आगे जानकारी देंगे।'

पंड्या की वापसी का रास्ता साफ

BCCI की मंजूरी के बाद अफगानिस्तान सीरीज में खेलना तय

नई दिल्ली। टीम इंडिया और उसके फैंस के लिए बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्टार ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या पूरी तरह फिट हो गए हैं और उन्हें BCCI के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्पोर्ट्स साइंस टीम ने आगामी अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की ODI सीरीज में खेलने के लिए मंजूरी दे दी है। चोट के कारण इंडियन प्रीमियर लीग में कुछ मुकाबलों से बाहर रहने के बाद हार्दिक पंड्या ने फिटनेस हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत की और अब वह 50 ओवर के क्रिकेट की चुनौती के लिए तैयार हैं। 32 साल के हार्दिक पंड्या की आईपीएल में पीठ में ऐंठन (back spasms) के कारण मुंबई इंडियंस के लिए कई मैच नहीं खेल पाए थे। वह दो जून 2026 से बेंगलुरु में ष्टश्श्व में हैं। समाचार एजेंसी पीटीआई ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के सूत्र के हवाले से लिखा, CoE में आने से पहले हार्दिक विदेश में छुट्टियां मना रहे थे। अगले पांच दिनों में उन्होंने कई मैच सिमुलेशन किए और 10 ओवर (पूरा कोटा) गेंदबाजी भी की। सूत्र ने बताया, हार्दिक पंड्या को कोई परेशानी नहीं हुई और जानकारी के मुताबिक सीओई में स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच ने अलग-अलग पैमानों पर उनके फिटनेस डेटा को मंजूरी दे दी है।

सोमवार आठ जून 2026 को भारत की पुरुष क्रिकेट टीम के सहायक कोच सितांशु कोटक ने कहा था कि भले ही उनके पास हार्दिक पंड्या की फिटनेस के बारे में कोई ताजा जानकारी नहीं है, लेकिन उन्हें लगता है कि यह ऑलराउंडर ठीक है।

व्यापार

जेप्टो लिमिटेड ने आईपीओ के लिए सेबी के पास दाखिल किया यूडीआरएचपी

मुंबई। भारत के सबसे तेजी से बढ़ते क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्मों में से एक जेप्टो लिमिटेड ने भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के पास अपना यूडीआरएचपी-। (अपडेटेड ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस-।) दाखिल किया है। रेडसीर रिपोर्ट के अनुसार, वित्त वर्ष 2024 से वित्त वर्ष 2026 के बीच ऑर्डर वॉल्यूम के आधार पर स्केल्ड क्विक कॉमर्स प्लेटफॉर्मों में जेप्टो सबसे तेजी से बढ़ने वाला प्लेटफॉर्म रहा है। प्रस्तावित आईपीओ में ?8,010 करोड़ तक का फ्रेश इश्यू तथा ?5 अंकित मूल्य वाले 11,34,66,566 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) शामिल है। वित्त वर्ष 2024 से 2026 के दौरान जेप्टो का ऑर्डर वॉल्यूम लगभग 119.50% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ा, जो उद्योग की वृद्धि दर से काफी अधिक है। कंपनी का मुख्य फोकस क्विक कॉमर्स व्यवसाय है और इसका लक्ष्य ग्राहकों को अत्यंत तेज़ डिलीवरी उपलब्ध कराना है। 31 मार्च 2026 तक जेप्टो के प्लेटफॉर्म पर औसतन 46,623 एसकेयू (फलों एवं सब्जियों से लेकर घरेलू इलेक्ट्रॉनिक्स और कॉस्मेटिक्स तक) सूचीबद्ध थे। कंपनी के मर्चेंट पार्टनर्स 1,139 डार्क स्टोर्स के नेटवर्क के माध्यम से इन उत्पादों की बिक्री करते हैं।

26 साल में पहली बार हुआ ऐसा, इस इंडेक्स में टॉप 10 में नहीं भारत की एक भी कंपनी, निवेशकों की रहती है नजर

नई दिल्ली, एजेंसी। एआई से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में हाल में काफी तेजी आई है। इससे एमएससीआई एमर्जिंग मार्केट्स इंडेक्स के टॉप 10 में काफी उलटफेर देखने को मिला है। दो दशक से भी अधिक समय में यह पहला मौका है जब इस इंडेक्स के टॉप 10 में भारत की कोई कंपनी शामिल नहीं है। एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में इस साल इनमें गिरावट आई है। एचडीएफसी बैंक में इस साल तीन पायदान की गिरावट आई है जबकि रिलायंस चार स्थान फिसली है। बिजनेस स्टैंडर्ड की एक रिपोर्ट के मुताबिक एचडीएफसी बैंक इस इंडेक्स में अब 11वें नंबर पर है जबकि रिलायंस 12वें नंबर पर खिसक गई है। मार्च में ये दोनों कंपनियां क्रमश: सातवें और आठवें नंबर पर थीं। इंडेक्स में उनका वेटेज 0.8 प्रतिशत से भी कम रह गया है। इस साल एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 25.5 प्रतिशत गिरावट आई है जबकि रिलायंस का शेयर 19.6 प्रतिशत टूटा है।

देश के सबसे बड़े कैप्टन नेटवर्क को इस मुहिम से जोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के सबसे बड़े और सबसे किफायती वन-स्टॉप मोबिलिटी प्लेटफॉर्म, रॉपेन ट्रांसपोर्टेशन सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड (रैपिडो) ने आज सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ एक रणनीतिक साझेदारी का ऐलान किया है। इस ऐतिहासिक तालमेल का मकसद भारत सरकार की फ्लैगशिप 'राहवीर योजना' को लेकर देशव्यापी अलख जगाना और जन-भागीदारी को बढ़ाना है। यह योजना सड़क हादसों के शिकार लोगों को 'गोल्डन ऑवर' (दुर्घटना के बाद का पहला कीमती घंटा) के भीतर तुरंत जीवनरक्षक मदद पहुँचाने के लिए प्रेरित करती है।

इस साझेदारी की आधिकारिक घोषणा माननीय केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी, मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों (जिसमें सचिव और अतिरिक्त सचिव, शामिल हैं) और रैपिडो के शीर्ष नेतृत्व की मौजूदगी में की गई।

इस मौके पर केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री, श्री नितिन गडकरी ने कहा: 'सड़क सुरक्षा सिर्फ सरकार की नहीं, बल्कि हम सबकी साझी जिम्मेदारी है और सड़कों पर जान बचाने के लिए नागरिकों का आगे आना सबसे अहम है। 'राहवीर योजना' का मकसद ही लोगों के मन से झिझक को मिटाना है ताकि वे 'गोल्डन ऑवर' में बिना डरे दुर्घटना पीड़ितों की मदद कर सकें। मैं रैपिडो की सराहना करता हूँ कि उन्होंने इस बड़े राष्ट्रीय मिशन को गति देने के लिए अपने विशाल कैप्टन नेटवर्क और तकनीक को मैदान में उतारा है।' साझेदारी पर बोलते हुए, रैपिडो के को-फ़ाउंडर, अरविंद संका / ऋषिकेश एसआर ने कहा: 'देश के छोटे-बड़े शहरों में हर दिन लाखों भारतीय हमारे रैपिडो कैप्टन्स से जुड़ते हैं।

अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने 'नेतृत्व विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' में वर्ष 2027 के लिए प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है

बेंगलूरु, एजेंसी। अज़ीम प्रेमजी विश्वविद्यालय ने 'नेतृत्व विकास में स्नातकोत्तर डिप्लोमा' में प्रवेश प्रक्रिया की शुरुआत कर दी है। प्रवेश 2027 के लिए ज़रूरी तारीखें इस प्रकार हैं, आवेदन की आखिरी तारीख़ 11 अक्तूबर 2026, लिखित असाइनमेंट एवं साक्षात्कार अक्तूबर से नवंबर 2026 कक्षाओं की शुरुआत जनवरी 2027 का पहला सप्ताह है। इन तारीख़ों में किसी भी तरह का बदलाव हो सकता है। प्रोग्राम की मुख्य विशेषताएँ, यह 11 महीनों तक चलने वाला पार्ट-टाइम प्रोग्राम है। यह प्रोग्राम सामाजिक क्षेत्र में काम करने वाले उन संवेदनशील और समर्पित व्यक्तियों के लिए है, जो विकास संबंधी अपने नज़रिए और बेहतर बनाना चाहते हैं, समाज की जटिलताओं महसूस करना चाहते हैं तथा संगठनात्मक संस्कृति को गहराई से समझना चाहते हैं। यह प्रोग्राम, विकास के क्षेत्र में नेतृत्व करने वालों को समावेशी टीमों और संस्थाओं का प्रभावी नेतृत्व करने के लिए प्रतिभागियों में कुछ ख़ास दृष्टिकोण और गहरी समझ विकसित करता है। इस प्रोग्राम की यह भी ख़ासियत है कि इसमें प्रवेश लेने के बाद भी प्रतिभागी अपना काम और रोज़गार जारी रख सकते हैं। यह प्रोग्राम तीन सत्रों में विभाजित है और यह ऑनलाइन तथा कैंपस में ऑफ़लाइन मोड में मिला-जुला कर होगा। यह कार्यक्रम विकास क्षेत्र में काम कर रहे उन मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों के लिए ख़ासतौर पर बनाया गया है, जिनके पास आठ या उससे अधिक वर्षों का अनुभव है और जो अपनी संस्थाओं में पहले से नेतृत्व वाली भूमिकाओं में हैं या फिर जल्द ही नेतृत्व वाली ज़िम्मेदारियाँ संभालने की संभावना रखते हैं। प्रोग्राम की जानकारी देते हुए स्कूल ऑफ डेवलपमेंट की निर्देशक, अरिमा मिश्रा ने कहा है, 'यह कार्यक्रम सामाजिक क्षेत्र में काम कर रहे मध्य एवं वरिष्ठ स्तर के पेशेवरों को अपने संगठनात्मक अनुभवों को विकास की व्यापक समझ और नज़रिए के साथ जोड़कर देखने का अवसर देता है। यह उनके सोचने के दायरे को बड़ा बना है।

सैमसंग इनोवेशन कैंपस: देशभर के 30 टॉपर्स को मिलेगा 1 लाख का पुरस्कार

गुरुग्राम, एजेंसी। सैमसंग भारत ने 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' कार्यक्रम के तहत देश भर से 30 मेधावी छात्रों को सम्मानित किया; इसके अंतर्गत, प्रत्येक टॉपर को चार पाठ्यक्रमों–आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, कोडिंग और प्रोग्रामिंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स और बिग डेटा–में उनके असाधारण प्रदर्शन के लिए 1 लाख रुपये का पुरस्कार दिया गया। पुरस्कार पाने वालों में चार नेशनल टॉपर, 26 राज्य-स्तरीय टॉपर और एक सोशल मीडिया चैंपियन शामिल थे। इन सभी को सैमसंग इनोवेशन कैंपस के ज़रिए ट्रेनिंग पाए 20,000 छात्रों में से चुना गया था; यह कंपनी का मुख्य सीएसआर प्रोग्राम है। 2025 बैच से चुने गए छात्र 10 अलग-अलग राज्यों से हैं, जो यह दिखाता है कि भारत के पारंपरिक इनोवेशन केंद्रों से बाहर भी टेक्नोलॉजी से जुड़ा टैलेंट तेज़ी से फैल रहा है।

टॉपर्स को गुरुग्राम में सैमसंग भारत के हेडक्वार्टर में, सैमसंग दक्षिण-पश्चिम एशिया के प्रेसिडेंट और सीईओ, जेबी पार्क की मौजूदगी में सम्मानित किया गया। जेबी पार्क, प्रेसिडेंट और सीईओ, सैमसंग साउथ वेस्ट एशिया ने इस मौके पर कहा, 'जब मैं आप सभी को देखता हूँ, तो मुझे सिर्फ़ स्टूडेंट्स ही नहीं दिखते। मुझे भविष्य के इंजीनियर्स, क्रिएटर्स, एंटरप्रेन्योर्स, रिसर्चर्स और शायद भविष्य के सीईओ दिखते हैं। एआई, कोडिंग और डेटा अब सिर्फ़ कल के स्किल्स नहीं हैं; ये आज के स्किल्स हैं। इनोवेशन के लिए जिज्ञासा, मज़बूती और असफलता से सीखने का साहस चाहिए। सीखते रहिए, बदलते हालात के हिसाब से ढलते रहिए और आगे बढ़ते रहिए।' भारत सरकार के 'स्किल इंडिया' और 'डिजिटल इंडिया' मिशनों के अनुरूप, 'सैमसंग इनोवेशन कैंपस' सैमसंग की एक प्रमुख सीएसआर पहल है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं में भविष्य के लिए तैयार तकनीकी कौशल विकसित करना है। भारत की विकास गाथा में एक भागीदार के रूप में, सैमसंग लगातार प्रतिभाओं में निवेश कर रहा है, स्थानीय इकोसिस्टम को मज़बूत बना रहा है, और शिक्षा तथा कौशल विकास संस्थानों के साथ मिलकर काम कर रहा है, ताकि एक डिजिटल रूप से सशक्त और नवाचार-आधारित 'आत्मनिर्भर भारत' का निर्माण किया जा सके। टॉपर्स के पीछे की कहानियों से यह पता चलता है कि तकनीकी शिक्षा किस तरह नई संभावनाओं के द्वार खोल सकती है।कर्नाटक की ऐश्वर्या संजय, जो कृषि विस्तार शिक्षा में मास्टर डिग्री हासिल कर रही हैं, ने इस कार्यक्रम से मिली सीख का इस्तेमाल करके एक एआई-आधारित मॉडल तैयार किया। इस मॉडल का उद्देश्य समुदाय-समर्थित कृषि के माध्यम से किसानों के लिए बाज़ार तक पहुँच को बेहतर बनाना है।

एसेट एलोकेशन पहले से कहीं ज्यादा जरूरी क्यों है

एसबीआई म्यूचुअल फंड की निवेशक शिक्षा एवं जागरूकता पहल

मुंबई, एजेंसी। ज्यादातर निवेशक उसी जगह पैसा लगाना पसंद करते हैं जहां हाल में सबसे अच्छा रिटर्न मिला हो, जैसे बाजार में तेजी के दौरान शेयरों में निवेश करना या अनिश्चितता के समय सोना खरीदना। यह तरीका भले ही सही लगे, लेकिन इतिहास बताता है कि अलग-अलग समय में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग अच्छा प्रदर्शन करते हैं। जो आज काम कर रहा है, जरूरी नहीं कि कल भी वही सबसे बेहतर हो। यहीं पर एसेट एलोकेशन यानी निवेश को अलग-अलग जगह बांटने की अहमियत सामने आती है।

पिछले तीन दशकों में निवेशकों ने कई बड़े बाजार उतार-चढ़ाव देखे हैं, जैसे डॉट-कॉम बूम, 2008 का वैश्विक वित्तीय संकट, कोविड-19 महामारी, बढ़ती महंगाई और दुनियाभर की राजनीतिक अनिश्चितताएं।

इन सभी दौर में एक बात साफ तौर पर सामने आई है कि अलग-अलग हालात में अलग-अलग परिसंपत्ति वर्ग बेहतर रहते हैं। आर्थिक तरक्की के दौर में इक्विटी अच्छा रिटर्न देने की क्षमता रखती है। बाजार में उथल-पुथल या तनाव के समय सोना अपेक्षाकृत मजबूत रह सकता है। फिक्स्ड इनकम यानी डेट आधारित निवेश आमतौर पर कम उतार-चढ़ाव वाले होते हैं और अनिश्चितता के दौर में निवेशकों को एक हद तक स्थिरता दे सकते हैं।

SBI MUTUAL FUND
A PARTNER FOR LIFE

इसलिए कोई एक परिसंपत्ति वर्ग ऐसा नहीं है जो हर साल सबसे अच्छा रिटर्न दे। यही वजह है कि निवेश को अलग-अलग जगह बांटना जरूरी हो जाता है। सिर्फ एक ही जगह निवेश रखने से निवेशक कई मौकों से चूक सकते हैं और खराब प्रदर्शन वाले दौर का सामना करना पड़ सकता है।

बाजार चक्र विविधता को अहमियत देते हैं, एकाग्रता को नहीं: शेयर बाजार यानी इक्विटी को लंबे समय में संपत्ति बनाने का एक अच्छा जरिया माना जाता है, लेकिन कम समय में इसमें काफी उतार-चढ़ाव हो सकता है। 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट और 2020 में कोविड-19 की शुरुआत में शेयर बाजारों में जबरदस्त गिरावट आई थी, हालांकि बाद में उनमें सुधार भी हुआ। उस दौरान सोने ने अपेक्षाकृत अच्छा प्रदर्शन किया और निवेशकों के लिए एक सुरक्षा कवच की तरह काम किया, जबकि डेट आधारित निवेशों ने स्थिरता बनाए रखी। साथ ही, सालों से औसतन 6 से 7 फीसद के आसपास बनी महंगाई ने पारंपरिक बचत साधनों से मिलने वाले वास्तविक फायदे को भी कम किया है। इससे साफ होता है कि हर हालात में कोई एक निवेश विकल्प सबसे बेहतर नहीं होता। इसलिए निवेश को अलग-अलग जगह बांटने से जोखिम कम होता है और बेहतर संतुलन बना रहता है। (स्रोत: एनएसई इंडाइसेज, निफ्टी 500 टोटल रिटर्न डेटा; आरबीआई की 'हैंडबुक ऑफ स्टैटिस्टिक्स ऑन इंडियन इकोनॉमी' तथा एमओएसपीआई सीपीआई)।

कोविड-19 ने विविधीकरण की जरूरत और साबित की

2020 की घटनाएं एसेट एलोकेशन की अहमियत की एक जीती-जागती मिसाल हैं। महामारी की शुरुआत में दुनियाभर के शेयर बाजारों में इतिहास की सबसे तेज गिरावटों में से एक देखी गई। जिन निवेशकों का पोर्टफोलियो पूरी तरह इक्विटी पर टिका था, उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सोना उस दौर में अपेक्षाकृत मजबूत बना रहा और अनिश्चितता का फायदा उठाया, जबकि चांदी में भी अच्छी तेजी देखी गई। दूसरी तरफ, फिक्स्ड इनकम निवेशों ने उस दौर में अपेक्षाकृत स्थिरता दी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक सैयद ज़की हैदर के लिए इरानीयन आर्ट प्रिंटर्स 1534 कासिमजान स्ट्रीट दरियागंज नई दिल्ली 11006 से मुद्रित कराकर, 2684 गली काले खां कूचा चलान दरियागंज नई दिल्ली 02 से प्रकाशित किया।
संपादक : सैयद ज़की हैदर- हैड ऑफिस :- एफ19/4 सेकेंड फ्लोर नफीश रोड जामिया नगर दिल्ली- 110025., सम्पर्क सूत्र :- 9911371802, 9810383593 RNI No.: DELHIN/2008/23928
जितेन्द्र कुमार बिस्वाल ब्यूरो चीफ उड़ीसा/ गोविंद कनोडिया/ पटना/ सैय्यद यूसुफ अली नक़वी-पॉलिटिकल एडिटर। ई-मेल:- (LOKTANTRAKISHAAN@GMAIL.COM

किसी भी प्रकार के विवाद हेतु निपटारे के लिए केवल दिल्ली न्यायालय ही मान्य होगी।
नोट- किसी भी समाचार/आलेख पर दावा प्रति दावा/आपत्ति समाचार प्रकाशन के 15 दिनों के अन्तराल तक ही मान्य होगा। समाचार पत्र में प्रकाशित आलेख से संपादक/प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

क्षेत्रीय कार्यालय अनवार मंजिल नया टोला गंज नंबर 01 बेतिया/ बिहार/ पिन नंबर 84 5438/>> संवाददाता, सना खान/(डॉ. अमानुल हक) स्थानीय संपादक/बिहार)